3 राजधानी
बारिश से मौसम हुआ सुहाना

6 अभिमत
राजमार्गों पर अतिरिक्त सुविधाओं का महत्व

11 स्पोर्ट्स
बल्लेबाजों को उतरना होगा पूरी जिम्मेदारी से

12 विदेश
जमात-ए-इस्लामी का पूर्व नेता गिरफ्तार

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 127
नई दिल्ली, रविवार, 14 मार्च, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

आस्था का महासागर शक्तिपीठ
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

कोविशील्ड के दुष्प्रभावों की होगी समीक्षा

- खून का थक्का जमने की रिपोर्टों के बाद कुछ देशों में टीकाकरण पर अस्थायी रोक के मद्देनजर सरकार ने लिया फैसला
- हालांकि भारत में नहीं आए हैं ऐसे कोई मामले, एहतियातन सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गुवाहाटी के जीएमसी अस्पताल में कोरोनारोधी टीका लगवाती एक नर्स।

डेनमार्क, नार्वे, आईसलैंड तथा थाईलैंड द्वारा आस्ट्राजेनका की वैक्सीन पर अस्थायी रूप से रोक लगाए जाने के मद्देनदर भारत ने शनिवार को कहा कि वह जल्द ही कोविशील्ड के नाम से बेची जाने वाली कोविड वैक्सीन को लगाए जाने के बाद दुष्प्रभावों की गहराई से समीक्षा करेगा।

टीकाकरण के बाद खून के थक्के जमने की कुछ रिपोर्टों के बाद इन देशों ने वैक्सीन पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। एक न्यूज एजेंसी से बातचतीत में कोविड-19 पर गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य एनके अरोड़ा ने कहा, 'देश में खून का थक्का जमने जैसा कोई मामला सामने नहीं आया है। लेकिन हम सभी विपरीत प्रभावों के मामले देख रहे हैं खासतौर पर गंभीर विपरीत प्रभाव के मामले जैसे मौत और अस्पताल में भर्ती होना। यदि हमें कोई चिंताजनक चीज मिली तो हम उसे लेकर सामने आएंगे।' हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शुक्रवार को कहा था कि आस्ट्राजेनका की कोविड-19 वैक्सीन के इस्तेमाल पर रोक लगाने का कोई कारण नहीं है। भारत ऑक्सफोर्ड-आस्ट्राजेनका के कोविड-19 वैक्सीन 'कोविशील्ड' का उपयोग कर रहा है। इसका निर्माण दुनिया की सबसे बड़ी टीका निर्माता भारत की सीरम इस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर रही है। इसके अलावा टीकाकरण अभियान में स्वदेशी वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट आस्ट्राजेनका के साथ मिलकर वैक्सीन का एक अरब डोज बना रहा है।

वृहत टीकाकरण अभियान के तहत भारत में अब तक 2 करोड़, 80 लाख टीके लग चुके हैं और इसमें से अधिकांश कोविशील्ड के टीके हैं। पिछले कुछ हफ्तों में वैक्सीन डिप्लोमेसी के तहत सरकार ने करीब 70 देशों को लाखों डोज उपहार में दिए और निर्यात की अनुमति दी है। अरोड़ा ने कहा फिलहाल अभी चिंता करने की कोई बात नहीं क्योंकि भारत में प्रतिकूल प्रभाव के मामले बेहद कम हैं। हम दोबारा जांच कर रहे हैं(प्रतिकूल प्रभाव के जो मामले बताए गए हैं) कि कही कोई मामला तो नहीं आया है।' डॉक्टर ने कहा 'कल तक 59 या 60 मौतें हो चुकी थीं और ये सभी संयोगात्मक थीं। अस्पताल में भर्ती होने के मामलों की हम दोबारा जांच कर रहे हैं।' अरोड़ा ने कहा 'वस्तुत: हम पूरी कोशिश कर रहे हैं और एक बार हमारी जांच पूरी हो जाएगी तो हम उसके परिणामों को सार्वजनिक करेंगे। रविवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उनसकी वैक्सीन सलाहकार समिति सुरक्षा आंकड़ों की जांच कर रहे हैं और इस बात पर (शेष पेज 9)

मास्क सही से नहीं पहना तो उतार दिए जाएंगे विमान से

- डीजीसीए ने कोरोना संबंधी दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विमान यात्रियों के लिए कोरोना संबंधी दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी कंपनियों से शनिवार को कहा कि वे बार-बार चेतावनी के बाद भी सही से मास्क नहीं पहनने वाले लोगों को उड़ानों से उतार दें। नियामक ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले यात्रियों को अनियंत्रित मानने का भी निर्देश दिया है। नियामक ने यह दिशानिर्देश ऐसे समय जारी किया है, जब देश के कुछ हिस्सों में कोरोना के मामले पुन: बढ़ने लगे हैं। इससे कुछ दिनों पहले ही दिल्ली उच्च न्यायालय ने विमानों में यात्रियों के सही से मास्क नहीं पहनने पर कड़ा रुख अख्तियार किया था। अदालत ने सभी विमानन कंपनियों और डीजीसीए को दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन कराने के लिए कहा था।

डीजीसीए ने शनिवार को जारी एक परिपत्र में हवाईअड्डा परिचालकों से भी कहा कि वे यात्रियों के द्वारा सही से मास्क पहनने तथा सामाजिक दूरी का पालन किया जाना सुनिचित करें। डीजीसीए ने कहा, ऐसा संज्ञान में आया है कि हवाई यात्रा करने वाले कई यात्री कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल का सही से (शेष पेज 9)

भाजपा से जंग में दीदी संग आए यशवंत सिन्हा

- कहा-कंधार कांड में बंधक यात्रियों को बचाने के लिए कुर्बानी देने के लिए तैयार थीं ममता

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता रहे यशवंत सिन्हा शनिवार को तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। एक के बाद एक वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने के बीच सिन्हा के साथ आने से ममता बनर्जी को काफी बल मिलेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिन्हा ने कहा भी कि नंदीग्राम में मुख्यमंत्री ममता पर हमला उनके लिए तृणमूल कांग्रेस में आने का प्रमुख कारण रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा का रथ रोकने के लिए ममता बनर्जी अकेली खड़ी हैं।

भगवा दल विपक्ष को कुचलने की पूरी कोशिश में जुटा है। अब समय आ गया है जब अपने मतभेद भुलाकर तमाम लोकतांत्रिक मूल्यों में भरोसा करने वाले दल एक मंच पर आएं। आईएएस से राजनेता बने और 2018 में भाजपा छोड़ने वाले 83 वर्षीय यशवंत सिन्हा ने कहा कि वह ऐसे समय तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं जब देश बेहद विपरीत हालात से जूझ रहा है ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए उन्होंने बताया कि करीब दो दशक पहले कंधार विमान हाईजैक मामले में यात्रियों की रिहाई के लिए तत्कालीन रेल मंत्री (शेष पेज 9)

नंदीग्राम के रण में कूदे टिकैत, की महापंचायत

- भाजपा को वोट न देने की अपील, हाईप्रोफाइल विधानसभा सीट से ममता बनर्जी और भाजपा के सुवेंदु अधिकारी आजमा रहे किस्मत

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता/नंदीग्राम

किसान नेता राकेश टिकैत ने कोलकाता और नंदीग्राम में हुई किसान महापंचायत में पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देने की अपील की है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने शनिवार को कोलकाता और नंदीग्राम में महापंचायतों का आयोजन किया गया था। नंदीग्राम से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही है। किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख राकेश टिकैत महापंचायत में शामिल होने के लिए शनिवार को पश्चिम बंगाल पहुंचे। एयरपोर्ट पर किसान नेता राकेश टिकैत की अगवानी तृणमूल कांग्रेस की सांसद डोला सेन ने की।

इसके बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने कोलकाता में और पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर के साथ किसानों को संबोधित किया। राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि केंद्र में (शेष पेज 9)

अंबानी केस: एपीआई सचिन वझे की अग्रिम बेल अर्जी रद्द

- कारोबारी हिरन की रहस्यमय मौत मामले में चल रही जांच, एनआईए के समक्ष भी हुए पेश

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

कारोबारी मनसुख हिरन की मौत के मामले में विवादों में घिरे पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ठाणे की एक सत्र अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया और इस बात का जिक्र किया कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं।

वहीं, इससे जुड़े एक घटनाक्रम के तहत वाजे शनिवार को दक्षिण मुंबई में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के समक्ष उपस्थित हुए। उन्होंने पिछले महीने उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटकों से लदी एसयूवी (स्कॉर्पियो) पाए जाने के मामले में अपना बयान दर्ज कराया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस निरीक्षक कंबाला हिल स्थित एजेंसी के दफ्तर में सुबह करीब साढ़े 11 बजे पहुंचे। अंबानी के आवास के पास खड़े वाहन में विस्फोटक और एक धमकी भरा पत्र पाया गया था।

एसयूवी मनसुख हिरन की थी, जिन्होंने दावा किया था कि एक हफ्ते पहले वह चोरी हो गई थी। मामला तब और उलझ गया जब मनसुख भी पांच मार्च को ठाणे के नजदीक क्रीक में मृत पाए गए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र ताम्बे ने वाजे को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया और कहा कि हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ करने की जरूरत है।

अदालत के इस आदेश की प्रति शनिवार को उपलब्ध कराई गई। आदेश में (शेष पेज 9)

कैदी से पूछताछ को तिहाड़ पहुंची पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित घर एंटालिया के बाहर विस्फोटकों से लदी एसयूवी के मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस शनिवार को तिहाड़ जेल पहुंची। यहां तहसीन अख्तर नाम के कैदी के बैरक से मोबाइल फोन बरामद हुआ था। इसी फोन से कथित रूप से मुम्बई कॉल की गई थी। तहसीन अख्तर को साल 2014 में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह इंडियन मुजाहिदीन का नेतृत्व करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को संदेह है कि उसके मोबाइल फोन का इस्तेमाल एक टेलीग्राम चैनल बनाने के लिए किया गया। फिर उस चैनल का इस्तेमाल जैश-उल-हिंद नामक समूह ने 25 फरवरी को उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई में स्थित घर एंटीलिया के बाहर से जिलेटिन की छड़ों से लदी एसयूवी खड़ी करने की जिम्मेदारी लेने के लिए किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्पेशल सेल ने अख्तर से पूछताछ के लिए अदालत से अनुमति ली है।

प्रचंड की अगुवाई वाले धड़े ने ओली मंत्रिमंडल से अपने मंत्रियों को वापस बुलाया

भाषा। काठमांडू

पुष्प कमल दहल प्रचंड की अगुवाई वाले नेपाल सीपीएन (माओइस्ट सेंटर) ने शनिवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल से अपने मंत्रियों को वापस बुला लिया और सीपीएन-यूएमएल की केंद्रीय समिति में नामित अपने सभी नेताओं को निर्देश दिया कि वे 24 घंटे के भीतर अपना रुख स्पष्ट करें। इससे दोनों धड़ों के बीच तकरार और भी बढ़ गई है। काठमांडू पोस्ट की खबर के मुताबिक जिन मंत्रियों को वापस बुलाया गया है, उनमें गृह मंत्री राम बहादुर थापा, ऊर्जा एवं जल संसाधन तथा सिंचाई मंत्री टोप बहादुर रायमाझी, जल आपूर्ति मंत्री मणि चंद्र थापा, शहरी विकास मंत्री प्रभु शाह, युवा एवं खेल मामलों के मंत्री दावा लामा तमांग और श्रम मंत्री गौरी शंकर चौधरी। पार्टी कार्यालय की ओर से बताया गया कि यह फैसला पेरिस दांडा में आज सुबह हुई सीपीएन-एमसी की स्थाई समिति की बैठक में लिया गया। अखबार ने स्थाई समिति के सदस्य देवेंद्र पौडेल के हवाले से बताया, हमारी स्थाई समिति ने संघीय सरकार से अपने सभी मंत्रियों को वापस बुलाने (शेष पेज 9)

पत्रकारों पर हमले के आरोप में अखिलेश, समर्थकों पर केस

- समाजवादी पार्टी ने भी दर्ज कराई प्राथमिकी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके 20 से अधिक समर्थकों के खिलाफ पत्रकारों की कथित पिटाई के मामले में शुक्रवार को आधी रात के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं सपा की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने दो पत्रकारों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

इस बीच सपा अध्यक्ष यादव ने भाजपा सरकार पर आक्रोश जाहिर करते हुए ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने मेरे खिलाफ जो प्राथमिकी लिखवाई है, जनहित में उसकी प्रति प्रदेश के हर नागरिक के सूचनार्थ यहां प्रकाशित कर रहे हैं। अगर आवश्यकता पड़ी तो राजधानी लखनऊ में होर्डिंग भी लगवा देंगे। उन्होंने कहा, यह प्राथमिकी हारती हुई भाजपा की हताशा का प्रतीक है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार शिकायतकर्ता डॉक्टर अवधेश पारासर, राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन प्रेस एलाईवनेस एसोसिएशसन, मुरादाबाद, ने आरोप लगाया कि 11 मार्च की शाम को मुरादाबाद जिले के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल में पूर्व मुख्यमंत्री यादव का संवाददाता सम्मेलन था।

शिकायतकर्ता ने तहरीर में कहा कि संवाददाता सम्मेलन के बाद लॉबी में यादव से कुछ पत्रकारों ने व्यक्तिगत सवाल पूछ दिए जिससे वह छटपटा गए और उन्होंने अपने गार्डों और साथियों को पत्रकारों पर हमला करने के लिए उकसा दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों और 20 से अधिक उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पत्रकारों को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया जिसमें कई पत्रकारों को गंभीर चोटें आईं और उनका अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पाकबड़ा थाने में शुक्रवार को अखिलेश यादव के खिलाफ तहरीर दी गई जिसके बाद शनिवार को पाकबड़ा पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (उपद्रव का दोषी जिसमें दो वर्ष कारावास की सजा का प्रावधान), 342 (किसी को बंधक बनाना जिसमें एक वर्ष कारावास की सजा का प्रावधान) और 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना जिसमें एक वर्ष कारावास की सजा का प्रावधान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

उधर, समाजवादी पार्टी मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव की तहरीर पर दो लोगों-फरीद शम्सी और उवैदुल रहमान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जयवीर सिंह यादव ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 11 मार्च को मुरादाबाद के दौरे पर आए थे और उनकी सुरक्षा में जेड प्लस सुरक्षा के सुरक्षाकर्मी भी साथ थे। पूर्व मुख्यमंत्री को होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी थी जिसकी सूचना पत्रकारों को पहले से दी गई थी। यादव ने आरोप लगाया कि प्रेस वार्ता शुरू होने से (शेष पेज 9)

श्रीलंका बुर्के पर प्रतिबंध लगाएगा, एक हजार से अधिक मदरसों को बंद करेगा

एपी। कोलंबो

श्रीलंका बुर्का पहनने और देश के 1,000 से अधिक मदरसों को बंद करने की योजना बना रहा है। उसने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए इन प्रतिबंधों की योजना को लेकर शनिवार को घोषणा की। जन सुरक्षा मंत्री शरत वीरसेकरा ने कहा कि उन्होंने बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगाने की मंत्रिमंडल की अनुमति मांगने के अनुरोध वाले कागजात पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। एक बौद्ध मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में अधिक विवरण साझा किए बिना वीरसेकरा ने कहा, बुर्के का राष्ट्रीय सुरक्षा पर सीधा प्रभाव है। उन्होंने कहा, शुरुआती दिनों में हमारी कई मुस्लिम मित्र थीं। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों ने कभी बुर्का नहीं पहना। यह एक तरह का धार्मिक कट्टरपंथ है जोकि हाल ही में सामने आया है। हम इस पर अवश्य प्रतिबंध लगाएंगे। श्रीलंका में 2019 में ईस्टर रविवार के दिन चर्च और होटलों में हुए बम हमलों के बाद बुर्का पहनने पर अस्थाई रोक लगा दी गई थी। इन हमलों में 260 से अधिक लोगो की मौत हुई थी। वीरसेकरा ने यह भी कहा कि सरकार (शेष पेज 9)

बाजार

संसेक्स	50,792	
निफ्टी	15,030	
सोना	44,059	/10g
चांदी	65,958	/kg

क्विक न्यूज

शताब्दी एक्सप्रेस की एक बोगी में लगी आग

देहरादून, नई दिल्ली। उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व की कांसरो रेंज में देहरादून-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस की बोगी संख्या सी5 में शनिवार को आग लग गई। रेलवे ने बताया कि ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बोगी संख्या सी5 में आग लगी। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि आग लगने की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नही है। हालांकि, यात्रियों के बाहर निकलते ही इस बोगी में आग भड़क गई जिसकी लपटें दूर-दूर तक दिख रही थी। थोड़ी ही देर में ही देर में पूरी बोगी बुरी तरह जल गई। दुर्घटना के कारण देहरादून-हरिद्वार रेलमार्ग पर रेलगाड़ियों की आवाजाही बाधित हो गई।

28 जून से 22 अगस्त तक होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

- अमरनाथ यात्रा के लिए एक अप्रैल से होगी पंजीकरण की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

दक्षिण कश्मीर में कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए 28 जून से 56 दिवसीय वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू होगी और परंपरा के अनुसार 22 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन इसका समापन होगा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की 40वीं बैठक में यह फैसला लिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि 37 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक और यस बैंक की 446 चयनित शाखाओं में एक अप्रैल को पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू होगी। पिछले साल कोरोना वायरस महामारी के चलते कुछ साधुओं ने ही यात्रा की थी जबकि साल 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने से तीन दिन पहले, यानी दो अगस्त को आतंकवाद के खतरे के मद्देनजर यात्रा को बीच में ही रोक दिया गया था। वर्ष 2019 में 3.42 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अमरनाथ गुफा में हिमलिंग के दर्शन किए थे। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने इस साल 28 जून से दोनों मार्गों--अनंतनाग जिले के पहलगाम में 46 किलोमीटर लंबे पारंपरिक मार्ग और गंदेरबल जिले के बालटाल में 12 किलोमीटर लंबे रास्ते-- से एक साथ यात्रा शुरू करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा, इस

साल सरकार द्वारा जारी कोविड-19 मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) के तहत यात्रा होगी। 13 साल से कम और 75 वर्ष से अधिक आयु के किसी व्यक्ति को यात्रा की अनुमति नहीं होगी। प्रवक्ता ने कहा कि बोर्ड ने मार्गों के अनुसार यात्रियों की दैनिक संख्या को 7,500 से बढ़ाकर 10 हजार करने का भी निर्णय लिया है। इनमें हेलीकॉप्टरों से यात्रा करने वाले यात्री शामिल नहीं होंगे। प्रवक्ता ने कहा कि इस साल की यात्रा की खास बात बालटाल से डोमेल के बीच के 2.75 किमी. लंबे हिस्से में आवाजाही के लिए बैटरी से चलने वाली कार की सेवा निशुल्क उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान बोर्ड ने अगले तीन साल के लिए पुजारियों का दैनिक वेतन 1,000 रुपए से बढ़ाकर 1,500 रुपए करने का निर्णय लिया है। प्रवक्ता ने कहा कि इसके अलावा पांच जनवरी को यात्रा की तैयारियों के लिए हुई बैठक में उपराज्यपाल द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार यात्रियों और सेवा प्रदाताओं के सामूहिक दुर्घटना बीमा कवर की राशि को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए जबकि खच्चरों का बीमा कवर 30 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दिया गया है।

द्रमुक का घोषणापत्र जारी

तमिल मूल के लोगों को नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण का वादा

- छात्रों को मुफ्त कंप्यूटर टैबलेट, ईंधन के दामों कटौती, तीर्थयात्रा के लिए लोगों को वित्तीय मदद

पायनियर समाचार सेवा। चेन्नई

तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी पार्टी द्रमुक ने छह अप्रैल को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें विद्यार्थियों को मुफ्त में डाटा कार्ड के साथ कंप्यूटर टैबलेट देने और राज्य की 75 प्रतिशत नौकरियों को स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित करने के लिए कानून बनाने सहित कई वादे किए गए हैं।

द्रविड पार्टी ने प्रमुख हिंदू मंदिरों की तीर्थ यात्रा करने जाने वालों को 25 हजार से एक लाख रुपए की सहायता देने, मातृत्व अवकाश की अवधि एवं सहायता बढ़ाने, ईंधन के दामों में कटौती करने और नीट परीक्षा पर रोक लगाने सहित कई वादे किए हैं। पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने कहा कि अगर उनका दल सत्ता में आता है तो स्नातक करने वाली पहली पीढ़ी को सरकारी नौकरी में प्राथमिकता दी जाएगी, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने छोटे किसानों को सब्सिडी देने का भी वादा किया। स्टालिन ने पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवालयम में आयोजित संवादाता सम्मेलन में कहा, सरकारी स्कूलों (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 14 मार्च 2021

टीकाकरण की कम संख्या बढ़ा रही है चिंता

नोएडा और गाजियाबाद में वैक्सीनेशन की धीमी रफ्तार से मुख्यमंत्री नाराज

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में कोरोना संक्रमण टीकाकरण की धीमी रफ्तार और लाभार्थियों की कम संख्या को लेकर चिंता जताई है। इस संबंध में उन्होंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री ने टीकाकरण में ज्यादा से ज्यादा लाभार्थियों को शामिल करने के लिए जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर जरूरत पड़े तो और प्राइवेट हॉस्पिटल्स की सुविधा ली जाए। मुख्यमंत्री ने आवश्यतानुसार और निजी अस्पतालों को कोविड-19 वैक्सीनेशन प्रोग्राम से जोड़ने का निर्देश दिया। इसके बाद से दोनों जिले के आलाअधिकारी टीकाकरण में लाभार्थियों की अधिकाधिक संख्या सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं। बताते चलें कि कोरोना वायरस टीकाकरण के तीसरे चरण के तहत 4 मार्च से वरिष्ठ नागरिकों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित 45-59 वर्ष के लोगों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इसके तहत गौतमबुद्धनगर तथा गाजियाबाद में लाभार्थियों की संख्या बेहद कम रही है।

नोएडा में गुरुवार को सिर्फ 3420 लोगों ने टीकाकरण कराया था। जिले के 30 प्राइवेट हॉस्पिटल्स में टीकाकरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जिम्स) में भी वैक्सीनेशन प्रोग्राम चल रहा है। गुरुवार को टीकाकरण में पहुंचे लाभार्थियों की संख्या 4 मार्च के बाद सबसे कम रही। इससे पहले 6 मार्च को 757 लोगों ने टीकाकरण कराया था। 10 मार्च को 1159 लाभार्थियों ने वैक्सीन की खुराक ली थी। गुरुवार को जिन लोगों को टीका लगाया गया, उसमें 2655 लोग 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के थे। जबकि 567 लोग 45 -59 साल के बीच के थे और गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। 11 मार्च को टीकाकरण के दौरान 118 स्वास्थ्य कर्मियों को भी कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी गई। जबकि 73 फ्रंटलाइन वर्कर्स और दूसरे कर्मियों को दूसरी खुराक दी गई।

गाजियाबाद में टीकाकरण के आंकड़े और भी ज्यादा चिंताजनक हैं। जनपद में गुरुवार को सिर्फ 1028 लाभार्थियों ने वैक्सीनेशन कराया। इसमें से 169 लाभार्थी गंभीर बीमारियों से पीड़ित 45-59 वर्ष के थे। 11 मार्च को 859 वरिष्ठ नागरिकों 60 वर्ष से ऊपर ने टीकाकरण कराया। दो फ्रंटलाइन वर्कर्स और 37 स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन की पहली खुराक दी गई। जबकि 22 अन्य कर्मियों को टीके की दूसरी डोज दी गई।

प्राधिकरण सीईओ रितु माहेश्वरी ने भी लगवाया कोरोना का टीका

नोएडा। शनिवार को नोएडा प्राधिकरण की सीईओ, रितु माहेश्वरी ने फेलिक्स अस्पताल में कोविड टीकाकरण सेंटर का निरीक्षण किया और कोविड वैक्सीन लगवाया। उनके साथ उनके पति मयूर माहेश्वरी ने भी कोरोना का टीका लिया।

रितु माहेश्वरी ने कोविड वैक्सीन लगवाते हुए सभी लोगों को सन्देश दिया की हम सबको बिना डरे आगे बढ़कर वैक्सीन लगवानी चाहिए। उन्होंने कहा की मुझे 30 मिनट हो गए है और वैक्सीन का कोई साइड इफ`क्ट नहीं है, कोरोना का टीका पूरी तरह सुरक्षित है। साथ ही उन्होंने फेलिक्स अस्पताल की कोविड वैक्सीन की प्रकिया की तारीफ की।

मंदिर में बच्चे ने पिया पानी तो कर दी पिटाई

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

● आरोपी के हरकत की निंदा कर रहे लोग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एक मुस्लिम बच्चे ने मंदिर में पानी पी लिया तो धर्म के ठेकेदार बने एक युवक ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी थी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। खास बात यह है कि इस वीडियो को खुद आरोपी ने इन्स्टाग्राम पर शेयर किया था। वायरल वीडियो डासना इलाके का बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, डासना में एक देवी मंदिर है। इस मंदिर में पानी पीने के बाद बच्चे से मारपीट का वीडियो सामने आया था, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए देर रात करीब 2 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि उपरोक्त वीडियो का तत्काल संज्ञान लेकर टीम गठित कर पिटाई करने वाले युवक श्रृंगी नंदन यादव पुत्र अश्वनी कुमार यादव निवासी गोपालपुर थाना संवारा, भागलपुर बिहार को हिरासत में लिया गया एवं मुकदमा पंजीकरण/वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि पुलिस की गिरफ्त में आया युवक कथित तौर पर हिंदू एकता संघ नाम के एक संगठन से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जिस बच्चे की पिटाई की जा रही है उसे भी तलाशा जा रहा है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी शेयर किया जा रहा है और लोग आरोपी की इस हरकत की निंदा कर रहे हैं।

पुलिस की गिरफ्त में बच्चे की पिटाई करने का आरोपी युवक।

थूक लगाकर रोटी बनाने वाले युवक को पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मेरठ की तरह गाजियाबाद में भी एक शख्स द्वारा शादी समारोह में थूक लगाकर कर रोटी बनाने का मामला प्रकाश में आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी ग्रामीण डॉ. इराज राजा ने शनिवार को बताया कि भोजपुर थाना क्षेत्र के दोसा बंजारपुर गांव में एक शादी समारोह था। जिसमें रोटी बनाने के लिए एक शख्स को बुलाया गया था। यह शख्स थूक लगाकर रोटी बना रहा था। जिसका वीडियो किसी ने बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कुछ लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने मोहसिन नामक इस शख्स को महामारी एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया।

आपको बता दें कि पिछले दिनों मेरठ में भी एक शादी समारोह में एक नान बाई द्वारा थूक लगाकर रोटी बनाने का मामला प्रकाश में आया था। कुछ लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था।

पुलिस अधीक्षक देहात के मुताबिक दोनों मामले के आरोपियों में कोई आपसी संबंध नहीं पाया गया है। पुलिस बाकी सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल की बात कह रही है।

कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क

गाजियाबाद। कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। तीन दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग को 115 ऐसे लोगों की सूची उपलब्ध कराई है, जो हाल ही में अलग-अलग देशों से यात्रा करके गाजियाबाद लौटे हैं। इनमें यूके से आने वाले 55 लोग भी शामिल हैं।

पता चला है कि इन लोगों की एयरपोर्ट पहुंचने पर कोरोना जांच हुई और रिपोर्ट नेगेटिव निकलने पर ही घर भेजा गया है, लेकिन इनकी 14 दिन तक होम आइसोलेशन में रखकर निगरानी जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग विदेश से लौटे उक्त सभी लोगों से दिन में दो बार मोबाइल से सेहत के बारे में पूछ रहा है।

खुले में शराब पीना पड़ा महंगा, पहुंचाया हवालात

पंचायत चुनाव और त्योहारों को लेकर पुलिस चला रही अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने शुक्रवार की शाम को सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाया और 191 लोगों को गिरफ्तार किया। यह अभियान पूरे जिले में चलाया गया था और देर रात तक चलता रहा।

नोएडा से जेवर तक सभी कोतवाली थाना पुलिस और चौकी इंचार्ज ने अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। दरअसल, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तथा त्योहारों के मद्देनजर गौतमबुद्धनगर पुलिस लगातार इस तरह के अभियान चला रही है।

हवालात में खड़े आरोपी।

गौतमबुद्धनगर पुलिस के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तथा त्योहारों को देखते हुए आपराधिक गतिविधियों में शामिल एवं असामाजिक तत्वों पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस

191 लोग गिरफ्तार

कमिश्नर की अगुवाई में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध शुक्रवार की रात को सघन अभियान चलाया गया। सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 191 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इन सबके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पंचायत चुनाव को लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस और जिला प्रशासन लगातार बैठकें कर रहा है।

तेज रफ्तार कार के कहर ने ली इनकम टैक्स कर्मी की जान

● हादसे में अन्य दो की हालत नाजुक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार का कहर बरपा। अनियंत्रित कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बिसरख थाना क्षेत्र का है।

ग्रेनो वेस्ट के एसकेएस वर्ल्ड स्कूल के पास गुरुवार शाम सैर पर निकले एक शख्स को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इसी कार ने स्कूटी पर सवार दो युवकों को भी पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर बेहद जोरदार थी। तेज रफ्तार की वजह से तीनों शख्स हवा में कई फुट ऊपर उछले और फिर कार की बोनट पर गिर गए। इस भयावह सड़क हादसे में शाम की सैर पर निकले इनकम टैक्स कर्मी मुकेश कुमार (57 वर्ष) की मौत हो गई। जबकि स्कूटी दोनों युवकों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ग्रेन व्हिस्की सोसाइटी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है।

हिंडन नदी में डूबे बच्चों को तलाशती एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम।

करैहड़ा के पास हिंडन में नहाने गए 4 बच्चे गहरे पानी में डूबे

● शोर मचाने के बाद लोगों ने दो को बचाया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना साहिबाबाद क्षेत्र स्थित गांव करहेड़ा के जंगलों से गुजर रही हिंडन नदी में अचानक चार बच्चे डूब गए जिनमें से दो को स्थानीय लोगों ने बचा लिया जबकि दो अन्य बच्चों को एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम खोज कर रही है।

चारों रिश्ते के भाई थे, जिनमें से दो को बचा लिया गया है तथा दो बच्चों को तलाशने के लिए एनडीआरएफ की टीम और पुलिस समाचार लिखे जाने तक खोजबीन में लगी हुई थी। थानाध्यक्ष साहिबाबाद विष्णु कौशिक ने बताया कि करहैड़ा गांव में किराए पर रहने वाले किरण पाल के बेटे पुनीत (7 वर्ष) अंशु (8 वर्ष), प्रियांशु (12 वर्ष) तथा शमशेर (11 वर्ष) शनिवार दोपहर नदी में नहाने गए थे। इस दौरान चारो बच्चे गहरे पानी में डूब गए। बाद में शोर मचाने पर पुनीत और शमशेर को बचा लिया गया लेकिन, प्रियांशु और अंशु का अभी पता नहीं चल पाया है।

प्रियांशु, अंशु और पुनीत तीनों सगे भाई हैं जबकि चौथा बच्चा शमशेर इनके रिश्ते का भाई है। एनडीआरएफ की टीम दोनों को तलाशने में लगी है। यह परिवार करहैड़ा गांव में किराए पर रहता है और इनके पिता चाट पकौड़ी बेचने का काम करते हैं।

एमिटी विश्वविद्यालय के पेटेंट का उपयोग करेंगे यूपी-डेक्कन वॉटर ट्रीटमेंट यूनिट

गंदे पानी से बिजली बनाने व साफ करने के तकनीक का हुआ हस्तांतरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गंदे पानी से बिजली उत्पादन और उसी पानी का स्वच्छ करने के एमिटी विवि के पेटेंट के व्यवसायिक उपयोग के लिए एमिटी विवि ने उत्तर प्रदेश और डेक्कन वॉटर ट्रीटमेंट के साथ तकनीकी हस्तांरण समझौता किया है।

एमिटी इंस्टीटूयट ऑफ एडवांस रिसर्च एंड स्टडीज के डा. वी के जैन और उनकी टीम द्वारा विद्युत निर्माण और अपशिष्ट जल शोधन तकनीक का अविष्कार किया है। एमिटी विश्वविद्यालय इस तकनीक का पेटेंट करवाया था। औद्योगिक अपशिष्ट जल से विद्युत निर्माण और उसके साथ बिना किसी बाहय स्रोत के उपयोग से जल को साफ करने वाले इस पेटेंट के व्यवसायिक उत्पाद में विकसित करने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश और पुणे के डेक्कन वाटर ट्रीटमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ तकनीक हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

इस तकनीक हस्तांतरण समझौते कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य डा. वी के सारस्वत, एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा. अशोक कुमार चौहान, एमिटी विवि उत्तर प्रदेश के चांसलर डा. अतुल चौहान की उपस्थिती में पुणे के डेक्कन वाटर ट्रीटमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन अनिर्बन सरकार और एमिटी विवि उत्तर प्रदेश के कुलसचिव डा बी एल आर्या ने हस्ताक्षर किये।

नोएडा में 3 लोगों ने की खुदकुशी

नोएडा। जिले में अलग अलग स्थानों पर तीन लोगों ने मानसिक तनाव के कारण कथित रूप से आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वालों में एक बुजुर्ग भी शामिल हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

सहायक पुलिस आयुक्त विमल कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 75 में स्थित व्हाइट हाउस सोसाइटी में रहने वाले 70 साल के एक व्यक्ति अश्विनी कुमार गांधी ने शनिवार की दोपहर करीब एक बजे अपनी सोसाइटी की सातवीं मंजिल से छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि मूल रूप से चंडीगढ़ के रहने वाले गांधी को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि वह मानसिक रूप से परेशान थे। एक अन्य मामले में गढ़ी चौखंडी गांव में रहने वाले देवेंद्र तिवारी (36) ने कथित रूप से मानसिक तनाव के चलते शुक्रवार की रात अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र के रोजा जलालपुर गांव में डाक्टर अंगद राय (42) ने शुक्रवार की शाम घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया।

जल निगम ने शुरू की रेनी वेल अमृत परियोजना

लोगों को अब घरों में नहीं लगाना पड़ेगा आरओ और फिल्टर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन पार क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों को 2022 के अंत तक पहली बार खनिज तत्वों से भरपूर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति रेनीवेल अमृत योजना के तहत शुरू हो जाएगी। नदी की प्राकृतिक नमी से पानी को शुद्ध करके आपूर्ति करने वाला एक बड़ा प्लांट मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर हिंडन नदी के समीप गांव मेवला आगरी में इस समय निर्माणाधीन है।

खास बात यह है कि विदेशी तकनीक पर आधारित विशेष प्रकार के तीन कुएं बनाए जा रहे हैं जिसमें एक विशेष प्रकार का होरिजेंटल बूस्टर लगा होगा जो नदी के किनारे वाली जमीन की नमी से पानी को रिचार्ज करेगा और उसके बाद एक प्रोसेस के तहत खनिज तत्वों से युक्त पानी को यहां की विभिन्न कॉलोनियों में सप्लाई किया जाएगा। परियोजना पर चल रहे काम की निगरानी करने वाले उत्तर प्रदेश जल निगम के रैनी वेल विशेषज्ञ भागीरथ मंडल ने बताया कि इस पानी की विशेषता यह होगी कि यह पूर्ण रूप से खनिज युक्त होगा।

उन्होंने बताया कि अभी तक जो कॉलोनियों में पानी सप्लाई हो रहा है लोग अपने घरों पर आरओ या फिल्टर के माध्यम से उसे शुद्ध करने का प्रयास करते हैं लेकिन इस दौरान उस पानी से सभी खनिज तत्व खत्म हो जाते हैं। अमृत योजना के तहत अब जो पानी जाएगा उसे एक विशेष प्रकार का बूस्टर उसे साफ-सुथरे ढंग से सप्लाई करेगा और उस पानी से हमारे शरीर को सभी प्रकार के खनिज तत्व भी मिलेंगे जो हमारे शरीर के लिए आवश्यक होते हैं।

जंतर-मतंर पर अभिभावक आज करेंगे प्रदर्शन

गाजियाबाद। निजी स्कूलों की मनमानी और अभिभावकों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये के खिलाफ आज गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, गुड़गांव एवं एनसीआर की अग्रणी पेरेंट्स एसोसिएशन एवं राजस्थान संयुक्त अभिभावक संघ मिलकर दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल धरना-प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन दोपहर 2 से 5 बजे तक किया जाएगा। प्रदर्शन के लिए सीमित समय की ही अनुमति मिलने के कारण सरकार के कानों तक अभिभावकों की पीड़ा पहुंचाने के लिए सभी एसोसिएशन ने ठोस रणनीति बनाई है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे रोकने के लिए काम शुरू

● आईआरपी की गिरफ्तारी के बाद हरकत में आया प्रबंधन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा बंदोबस्त पुख्ता करने का काम शुरू हो गया है। आईआईटी दिल्ली की सिफारिशों पर एक्सप्रेसवे प्रबंधन लंबे अरसे से ध्यान नहीं दे रहा था। पिछले दिनों मथुरा में एक परिवार के सात लोग हादसे में मारे गए। जिसके बाद एक्सप्रेसवे का मैनेजमेंट संभाल रहे आईआरपी अनुज जैन के खिलाफ यमुना अथॉरिटी ने एफआईआर दर्ज करवाई थी। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने आईआरपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया था। अब आईआईटी दिल्ली के सुझावों पर कंपनी ने काम तेज कर दिया है।

कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक सेंट्रल वर्ज पर क्रैश बैरियर लगाने का काम अगले महीने शुरू हो जाएगा। इसके बाद दुर्घटनाग्रस्त वाहन सेंट्रल वर्ज पार करके दूसरी लेन में नहीं जा पाएंगे। मतलब, लेन की गाड़ियां सुरक्षित गंतव्य तक जा सकेंगी। इस प्रोजेक्ट में 108 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके बाद एक कंपनी का चयन किया गया है।

इस वजह से जरूरी है सुझाव

इस अहम सुझाव पर अमल नहीं करने की वजह से यमुना एक्सप्रेसवे के आईआरपी अनुज जैन पर पहले ही मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। दरअसल, 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाओं की तीव्रता ज्यादा है। ज्यादातर मामलों में दुर्घटनाग्रस्त वाहन दूसरी लेन में जाकर अन्य गाड़ियों को भी चपेट में ले लेते हैं।

कई बार तो तेज रफ्तार वाहन डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ जा रही गाड़ियों से टकरा जाते हैं। इन सबसे से बचाव का सुझाव देने के लिए आईआईटी दिल्ली ने यमुना एक्सप्रेसवे का सुरक्षा ऑडिट किया था। अपने सुझावों में आईआईटी ने कहा था कि एक्सप्रेसवे के सेंट्रल वर्ज के दोनों तरफ क्रैश बैरियर लगाकर ऐसे हादसों को रोका जा सकता है। इस सुझाव के बाद भी कई हादसे ऐसे हुए हैं, जिसमें वाहन अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में आ गए।

संक्षिप्त समाचार

पिलखुवा के बाजार में जागरूकता रैली निकालते छात्र।

संचारी रोग से बचने के लिए निकाली जागरूकता रैली

हापुड़। आरकेजी इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने संचारी रोग पर जागरूकता के लिए पिलखुवा के बाजारों में जागरूकता रैली निकाली। रैली में बच्चों ने संचारी रोग जागरूकता पोस्टर हाथों में लेकर रैली में भाग लिया। रैली पिलखुवा के रेलवे रोड, मेन बाजार होते हुए कृष्णागंज पर खत्म हुई। रैली के बाद आरकेजी इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 6 से 8 के बच्चों की संचारी रोग पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा 8 की छात्रा आयुषी पुंडीर ने प्रथम स्थान, कक्षा 7 के वैभव तेवतिया ने दूसरा स्थान और कक्षा 8 के भव्य शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बदमाशों के बारे में जानकारी देते एएसपी सर्वेश मिश्रा।

दो दिन पूर्व हुई लूट का पुलिस ने किया खुलासा

हापुड़। थाना बाबूगढ़ पुलिस व एसओजी टीम ने दो दिन पूर्व कलेक्शन एजेंट से लूट करने वाले तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लुटेरों से लूटी हुई नगदी, बाइक, दो तमंचे, कारतूस व अन्य कागजात बरामद किए है। एएसपी सर्वेश मिश्रा ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों से लूटा हुआ टेबलेट, एक एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, एक मोटरसाइकिल, दो तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस व टूटे हुए मोबाइल का एक टुकड़ा बरामद हुआ है। वहीं लुटेरों से 25080 रुपये बरामद किए हैं। पकड़े गए लुटेरों ने अपने नाम इदरीश पुत्र शब्बीर निवासी मेरठ, अंकित पुत्र सुरेश सोनी निवासी नगला बागवाला थाना बीबीनगर और माजिद पुत्र ग्याशुद्दीन निवासी नगला बाग बागवाला थाना बीबीनगर जिला बुलंदशहर बताया है।

बाल फिल्म 'ठण्ड का भूत' का हुआ प्रीमियर

गाजियाबाद। जिले के आध्यात्मिक मीडिया स्टूडियो द्वारा एक बाल फिल्म 'ठण्ड का भूत' का निर्माण किया गया है। जिसका प्रीमियर शनिवार को गोल्फलिंक्स सोसाइटी के क्रिस्टल क्लब थिएटर में किया गया। प्रीमियर के दौरान चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार शिशु कल्याण राज्य मन्त्री अतुल गर्ग बतौर मुख्य अथिति मौजूद रहे। उन्होंने कम बजट और सीमित संसाधनों में बनाई इस बाल फ़िल्म को प्रेरणादायक बताया। फिल्म के निर्माता विपिन त्यागी ने बताया कि फिल्म की कहानी 6 बालकों के इर्द गिर्द घूमती है। फिल्म में केवल बाल कलाकारों ने ही भूमिका निभाई हैं। बच्चों के क्लब स्वैग पाथ फाइन्डर के यशवर्धन त्यागी, गौरांग जयसवाल, अक्षरा यादव, अर्जुन, आरना बिष्ट और देव जैन ने सभी रोल निभाये हैं।

सार्वजनिक सूचना

मैं, SUNWORLD RESIDENCY PVT LTD. व्यक्तिगत कारणों से उ0प्र0 रेरा में पंजीकृत परियोजनाओं Sunworld Arista (संख्या UPRERAPRJ6444) एवं Sunworld Arista (PH-2 T-5,7,8,9), Club (संख्या UPRERAPRJ11625) को सरेन्डर/ कैन्सिलेशन /निरस्तीकरण करा रहा हूँ। किसी व्यक्ति/संस्था आदि द्वारा इस परियोजना में यदि कोई बुकिंग करायी गई हो तो कृपया अपना क्लेम/दावा प्रस्तुत करें। उक्त क्लेम/दावा को विवरण सहित 15 दिनों के अन्दर यूपी रेरा की ईमेल आईडी contactuprera@up-rera.in पर भी भेजा जाए तथा क्लेम/दावा विवरण को सचिव उ0प्र0 रेरा मुख्यालय, नवीन भवन, राज्य नियोजन संस्थान, कालाकांकर हाउस, पुराना हैदराबाद, लखनऊ-226007 को प्रेषित किया जाएं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

दिल्ली बनेगी इलेक्ट्रिक गाड़ियों की राजधानी

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 10,000 चार्जिंग स्टेशन, जून तक 750 चार्जर होंगे चालू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में सबसे पहले तेल से इलेक्ट्रिक मोड पर आने के लिए दिल्ली सरकार तेजी से काम कर रही है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में चार्जिंग स्टेशन शुरू करने के लिए निजी ऑपरेटरों से बात चल रही है। आगामी जून तक 750 स्टेशन तैयार हो जाएंगे। इस समय शहर में 72 स्टेशन चालू हैं।

परिवहन मंत्री ने कहा कि राजधानी की सड़कों पर हर तीन किलोमीटर की दूरी पर चार्जिंग प्वाइंट होंगे। पार्किंग, मॉल, स्कूल, अस्पताल, सिनेमा आदि में भी चार्जिंग स्टेशन की सुविधा अनिवार्य की जा रही है। ऐसे 100 सरकारी स्टेशन भी बनेंगे। इस तरह आगामी दिसंबर तक शहरभर में कुल मिलाकर 10,000 चार्जिंग स्टेशन बन जाएंगे। लोगों को इस संबंध में सुविधाएं मुहैया कराने से दिल्ली इलेक्ट्रिक गाड़ियों की राजधानी कहलाएगी।

सरकार ने पहले ही प्रमुख स्थलों पर 100 चार्जिंग स्टेशन के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इनमें 500 चार्जिंग प्वाइंट होंगे। ये भी दिसंबर तक चालू हो जाएंगे। गहलोत ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की सुविधा देने में राजधानी दिल्ली पूरे देश में सबसे आगे है। हर तीन किलोमीटर पर चार्जिंग सुविधा देकर दिल्ली इलेक्ट्रिक गाड़ियों की राजधानी बन जाएगी।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार एक के बाद एक ऐलान कर रही है और लोगों को ईवी खरीदने को आकर्षित करने के लिए सुविधाएं भी जोड़ रही है। परिवहन मंत्री गहलोत ने कहा कि संबंधी आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के फैसले से दिल्ली को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की राजधानी बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

● 100 सरकारी स्टेशनों के लिए निविदा जारी

गहलोत ने कहा कि सरकार ने मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमाघरों, कार्यालय क्षेत्र, होटल, रेस्तरां, अस्पताल जैसी सभी इमारतों को जल्द ही ईवी के लिए उपयुक्त ईवी चार्जर्स के साथ अपनी कुल पार्किंग क्षमता का कम से कम पांच प्रतिशत स्थान रखना अनिवार्य कर दिया है। साथ ही अन्य सामान्य पार्किंग स्थलों पर 20 प्रतिशत जगह इलक्ट्रिक गाड़ियों के लिए आरक्षित होगी।

केजरीवाल की मौजूदगी में कई अधिवक्ता आप में हुए शामिल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में तीन बार एसोसिएशन के कई अधिवक्ताओं ने शनिवार को आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। सीएम आवास पर द्वारका बार एसोसिएशन, नई दिल्ली बार एसोसिएशन और दिल्ली बार एसोसिएशन के कई वकीलों का पार्टी की सदस्यता दिलाई गई और उनको टोपी और पटका पहना कर पार्टी में शामिल होने पर स्वागत किया गया।

दिल्ली बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और 'आप' के लीगल सेल के अध्यक्ष एडवोकेट संजीव नासियर ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने वकीलों के लिए इंश्योरेंस स्कीम शुरू करने और चैंबर में सस्ती बिजली मुहैया कराने समेत कई कार्य किए हैं। इन वकीलों के शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। पार्टी में द्वारका बार एसोसिएशन के दिनेश मुदगिल, अवनीश राणा, नई दिल्ली बार एसोसिएशन के सुनील चौधरी आदि ने पार्टी की सदस्यता ली।

कोरोना संक्रमित 400 के पार, सरकार बोली-घबराएं नहीं-सतर्कता बरतें

राजधानी में 24 घंटों में आए घातक महामारी के 419 नए मामले

● संक्रमित होने की दर 0.56 प्रतिशत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 के 419 नए मामले सामने आए, जबकि संक्रमित होने की दर 0.56 प्रतिशत रही। दिल्ली में लगातार तीसरे दिन कोरोना के 400 से अधिक नए मामले सामने आए है। सरकार ने कहा है कि केस बढ़ने से घबराएं नहीं, बल्कि सतर्कता बरतें और कोविड नियमों का सख्ती से पालन करें।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने पत्रकारों से कहा कि अचानक प्रतिदिन 400 से अधिक नए मामले सामने आना चिंताजनक नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संक्रमित होने की दर अभी भी एक प्रतिशत से नीचे है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नवीनतम बुलेटिन के अनुसार शहर में शनिवार को कोविड-19 के 419 नए मामले सामने आए जबकि तीन और मरीजों की संक्रमण से मौत हो जाने से मृतक संख्या बढ़कर 10,939 हो गई।

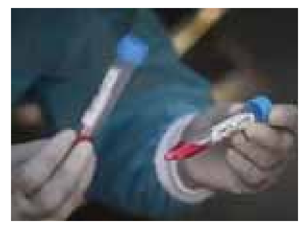

शुक्रवार को कोविड-19 के 431 नए मामले सामने आए थे जो कि दो महीनों से अधिक समय में एक दिन में सामने आने वाली सबसे अधिक संख्या है। वहीं बृहस्पतिवार को 409 नए मामले सामने आए थे। दिल्ली में बुधवार को 370 नए मामले और मंगलवार को 320 नए मामले सामने आए थे। शहर में बुधवार को संक्रमण से तीन और मंगलवार को चार मरीजों की मौत हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी को कुल 585 नए मामले और 3 जनवरी को 424 नए मामले सामने आए थे। प्रतिदिन सामने आने वाले कोविड-19 के मामले 11 जनवरी को घटकर 306 हो गए थे और 12 जनवरी को यह फिर से बढ़कर 386 हो गए थे।

फरवरी में संक्रमण के मामले कम होने लगे थे। बीते 26 फरवरी को महीने का एक दिन में सबसे अधिक 256 नए केस सामने आए थे। बुलेटिन में कहा गया है कि शनिवार को सामने आए कोरोना के इन नए मामलों से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 6,43,289 हो गई। शहर में उपचाराधीन मामलों की संख्या बढ़कर 2,207 हो गई जो कि शुक्रवार को 2,093 थी।

मुठभेड़ के दौरान वांछित अपराधी धरा गया

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के बक्करवाल क्षेत्र में शनिवार तड़के पुलिस दल के साथ हुई मुठभेड़ के बाद हत्या के मामले में आरोपी एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कमल गहलोत मुठभेड़ में घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीसीपी (विशेष प्रकोष्ठ) संजीव कुमार यादव ने कहा कि शनिवार को पुलिस के एक दल और वांछित अपराधी कमल गहलोत के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें आरोपी घायल हो गया। यादव ने बताया कि आरोपी के पास से हथियार, कारतूस बरामद हुए। उन्होंने कहा कि हत्या के एक मामले में मोहन गार्डन पुलिस थाने को भी गहलोत की तलाश थी।

हत्या की कोशिश के आरोपी को सामुदायिक सेवा करने की सजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 वर्षीय युवक के खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करते हुए उसे यहां बंगला साहिब गुरुद्वारे में एक महीने की सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है। अदालत ने एक लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए कहा कि युवक को अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना सीखने के साथ ही यह भी समझना चाहिए कि उसे कानून अपने हाथ में नहीं लेना है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने हत्या के प्रयास के आरोप में युवक के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि वह 21 साल का एक युवा है जिसके सामने उसका पूरा जीवन है। उन्होंने इस तथ्य का भी उल्लेख किया कि पक्षों ने एक समझौता कर लिया है। कोर्ट ने उसे 16 मार्च से 16 अप्रैल, 2021 तक बंगला साहिब गुरुद्वारे में एक महीने की सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया और कहा कि एक महीने की अवधि पूरी होने पर उसे आदेश का अनुपालन दिखाने के लिए गुरुद्वारे से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए।

● अदालत ने आरोपी के खिलाफ रद्द की प्राथमिकी

डीजे विवाद में गोली मारकर युवक की हत्या

गाना बजाने को लेकर हुआ था झगड़ा, आरोपी को पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के नजफगढ़ में जन्मदिन समारोह के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर कहासुनी के बाद 28 वर्षीय व्यक्ति ने एक अन्य व्यक्ति की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि नजफगढ़ के एक फार्महाउस में गुरुवार को अनुज शर्मा नामक व्यक्ति के छोटे भाई की जन्मदिन पार्टी चल रही थी। इस दौरान हुई कहासुनी के बाद आरोपी नवीन कुमार ने अनुज को गोली मार दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नवीन और अनुज के बीच डीजे पर गाना बजाने को लेकर कहासुनी हुई थी। नशे में धुत आरोपी ने अनुज को गोली मारी और फरार हो गया। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। तकनीकी सर्विलांस और आरोपी की कॉल डिटेल का इस्तेमाल कर शुक्रवार को बाबा हरिदास नगर से नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने कहा, आरोपी ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि जन्मदिन समारोह के दौरान डीजे पर गाना बजाने के लेकर उसका अनुज के साथ झगड़ा हुआ था और वह नशे की हालत में था। लिहाजा उसने गोली चला दी। पुलिस ने कहा कि आरोपी के पास से अवैध हथियार और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों वस्तुओं को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एनसीआर में गठित आयोग बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता का प्रबंधन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित आयोग अपनी स्थापना के पांच महीने बाद ही बंद हो गया। इस आयोग का गठन केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश के तहत पिछले साल अक्टूबर में किया था। अध्यादेश की अवधि समाप्त होने के साथ ही यह बंद हो गया है।

केंद्रीय पर्यावरण सचिव आरपी गुप्ता ने बताया कि अध्यादेश को कानून का रूप देने के लिए इसे संसद का सत्र शुरू होने के छह हफ्ते के भीतर सदन में पेश नहीं किया जा सका, जिसकी वजह से इसकी वैधता समाप्त हो गई और आयोग स्वतः भंग हो गया। उन्होंने कहा, अध्यादेश कानून नहीं बन पाया। किसी भी अध्यादेश को संसद का सत्र शुरू होने के छह हफ्ते के भीतर वहां पेश करना होता है। यह नहीं हुआ इसलिए अध्यादेश की वैधता समाप्त हो गई और आयोग भंग हो गया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पूर्व सचिव एमएम कुट्टी को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था।

● संसद में कानून न बन पाने से स्वतः हुआ भंग

अस्पतालों और नर्सिंगहोम कर्मियों को दिया जाएगा आग बुझाने का प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली दमकल सेवा एक नई योजना के तहत नर्सिंग होम और अस्पतालों में कार्यरत कर्मियों को आग बुझाने का प्रशिक्षण देने के लिए मौलिक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। ताकि ये कर्मी आपात स्थिति में बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम हो सके।

दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने शनिवार को कहा कि दमकल विभाग ने रोहिणी स्थित अग्नि सुरक्षा प्रबंधन अकादमी में आधे दिन के अग्निशमन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का प्रस्ताव किया है जहां पर नर्सिंग होम और अस्पताल के कर्मियों को अलग-अलग बैच में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया, प्रत्एक बैच में अधिकतम 40 कर्मी होंगे और नर्सिंग होम एवं अस्पताल में कार्यरत कर्मियों के लिए यह मूलभूत सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य है ताकि वे खुद को लोगों को निकालने एवं आग बुझाने की प्रक्रिया के लिए तैयार कर सकें। मरीजों की सुरक्षा और देखभाल को देखते हुए इस प्रशिक्षण से आग की स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी।

● सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दमकल विभाग की पहल

दमकल विभाग ने कहा कि विभिन्न संगठनों से मिलने वाले नामांकन के आधार पर कर्मियों को पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए प्रत्एक कर्मी को एक हजार रुपए के शुल्क का भुगतान करना होगा। उल्लेखनीय है कि जनवरी में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल की चौथी मंजिल पर ओपीडी ब्लॉक में आग लग गई थी।

'केजरीवाल ने बिजली कंपनियों के कैग ऑडिट का सिर्फ प्रचार किया'

● 6 साल बाद भी कंपनियों की जांच नहीं कराई : अनिल कुमार

नई दिल्ली। बिजली कंपनियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन कंपनियों के कैग ऑडिट कराने का प्रचार कर जनता को गुमराह कर वोट लिए थे। लेकिन छह साल बाद भी हजारों करोड़ों रुपये का भुगतान होने के बाद भी डीईआरसी ने ऑडिट तक नहीं किया है। यह आरोप दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने लगाया है।

प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्लीवालों 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने के नाम पर पिछले 6 वर्षों में बिजली कंपनियों को 11622 करोड़ रुपये सब्सिडी के रुप में दिए है और वर्तमान बजट में 3092 करो? राशि बिजली कम्पनियों को देने की घोषणा की है। जबकि शीला दीक्षित के अंतिम वर्ष 2013-14 में घरेलू उपभोक्ता के सभी श्रेणियों को सब्सिडी के रुप में दी जाने वाली राशि मात्र 621 करोड़ थी।

अवैध स्पा और मसाज सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी)एसएन श्रीवास्तव ने वीडियो क्रांफ्रेंसिंग द्वारा कानून-व्यवस्था को लेकर बैठक कर हालात और कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने अवैध स्पा और मसाज सेंटर के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सीपी एसएन श्रीवास्तव ने दिल्ली पुलिस स्टेशनों के लिए एक्शन प्लान के अनुसार की गई कार्रवाई की जांच और पीसीआर कॉल की निगरानी के आदेश दिए। उन्होंने विभिन्न जिलों में अपराधों के चिह्नित क्षेत्रों के नक्शों के आधार पर आंकड़ों की भी जांच की। सीपी श्रीवास्तव ने इसके अलावा पेट्रोलिंग के दौरान पिकेट्स पर होने वाली जांचों के बारे में भी चर्चा की।

● सीपी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से कानून व्यवस्था जांची

सीपी ने अवैध स्पा और मसाज सेंटरों के खिलाफ अभियान चलाकर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने रिहायशी इलाकों की निगरानी के साथ सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर देन के साथ ही पड़ोस की वॉच स्कीम और सुरक्षा ऑडिट का मूल्यांकन किया।

संक्षिप्त समाचार

शनिवार को पटेल नगर में शकुन्तला कृष्णलाल चड्डा पार्क का उद्घाटन करते उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर जयप्रकाश।

पटेल नगर में महापौर ने किया पार्क का उद्घाटन

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जयप्रकाश ने शनिवार को पटेल नगर में शकुन्तला कृष्णलाल चड्डा पार्क का उद्घाटन किया और सदर बाजार क्षेत्र के अंतर्गत रानी झांसी फ्लाईओवर के नीचे स्थित पार्कों का नामकरण 'स्व. चौ. रामजी लाल छावड़ी वाटिका' एवं 'स्व. बसंती देवी छावड़ी पार्क' के नाम से किया। महापौर जय प्रकाश ने पटेल नगर क्षेत्र में शकुन्तला कृष्णलाल चड्डा पार्क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर करोलबाग वार्ड समिति के अध्यक्ष तेजराम फौर, अध्यक्ष समुदाय सेवा समिति, सुनीता गाबा, पार्षद, रमेश कुमार, पूर्व पार्षद, भरत भूषण मदान व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। वहीं सदर क्षेत्र में दो पार्कों के नामकरण के अवसर पर महापौर ने कहा कि स्व. चौ. रामजी लाल छावड़ी जी एक स्वतंत्रता सेनानी थे। स्व. बसंती देवी छावड़ी जी एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में जो भी कार्य करने की प्रेरणा मिलती है वो हमें हमारे बुजुर्गों से मिलती है।

शनिवार को दक्षिण दिल्ली में प्रधानमंत्री वाई-फाई योजना की शुरूआत करते दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी।

दिल्ली में प्रधानमंत्री मुफ्त वाई फाई योजना की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को दक्षिण दिल्ली में प्रधानमंत्री वाई-फाई योजना का उद्घाटन किया। इस योजना के तहत बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के हरीनगर वार्ड में लगाए गए वाई-फाई हॉटस्पॉट से शुरुआत की गई। इस योजना के तहत पूरे देश में 10 लाख से ज्यादा हॉटस्पॉट लगाए जाने हैं। समारोह की अध्यक्षता दक्षिण दिल्ली नगर निगम की महापौर अनामिका सिंह ने की। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मिथलेश सिंह और पीएमओ की तरफ से इस योजना की कोआर्डिनेट कर रही अधिकारी शिवा भी इस मौके पर मौजूद थीं।

दोबारा खुली जेएनयू की सेंट्रल लाइब्रेरी

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने शनिवार को अपनी डॉ बी आर आंबेडकर सेंट्रल लाइब्रेरी के भूतल के अध्ययन कक्षों को दोबारा खोलने की अनुमति प्रदान कर दी है। जेएनयू की ओर से जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय ने कहा कि जेएनयू ने चरणबद्ध तरीके से बहाली प्रक्रिया के तहत जेएनयू के स्टिकर लगे वाहनों को सरस्वती पुरम और पूर्वी द्वारों से प्रवेश की भी अनुमति प्रदान की है। आगंतुक आईआईएमसी गेट से भी प्रवेश कर सकते हैं। लाइब्रेरी का उपयोग करने के दौरान कोविड-19 से बचाव के लिए मास्क पहनने और सामाजिक दूरी समेत अन्य नियमों का भी पालन करना होगा।

सरकारी अस्पताल के लैब टेक्नीशियन के परिवार को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि का चेक देते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

कोरोना से मृत हेल्थ वर्कर के परिजनों को दिए एक करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोविड-19 की वजह से जान गंवाने वाले, सरकारी अस्पताल के लैब टेक्नीशियन के परिवार से शनिवार को भेंट कर उन्हें एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की। केजरीवाल ने उत्तरी दिल्ली के हिन्दू राव अस्पताल में काम करने वाले राकेश जैन की मां, पत्नी और बच्चों से भेंट की।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, केजरीवाल ने कहा कि कोविड ड्यूटी के दौरान राकेश जैन संक्रमित हो गए थे। उन्हें मेट्रो अस्पताल स्थानांतरित किया गया, लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका। वह शहीद हुए, लेकिन अपनी अंतिम सांस तक वह दिल्लीवासियों की सेवा करते रहे। दिल्ली सरकार शहर के लोगों की अथक सेवा करने वाले ऐसे कोरोना योद्धाओं को सलाम करती है।

● सरकारी अस्पताल के लैब टेक्नीशियन के परिजनों को सौंपी राशि

उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार की ओर से आज मैंने राकेश जैन के परिवार को एक करोड़ रुपए का चेक दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी के जीवन के बदले में कोई मुआवजा नहीं होता, लेकिन मैं आशा करता हूं कि वित्तीय सहायता से परिवार को कुछ राहत मिलेगी।

पिछले एक साल में बड़ी संख्या में डॉक्टर, नर्स, अन्य स्वास्थ्य कर्मी तथा अग्रिम मोर्चे के कर्मी संक्रमित हुए और उनमें से कुछ की जान भी चली गई। केजरीवाल ने कहा, राकेश जैन का बड़ा बेटा नौकरी की तलाश में है। उसको भी नौकरी भी देगी।

आशीष विद्यार्थी कोरोना वायरस से संक्रमित

नई दिल्ली। अभिनेता आशीष विद्यार्थी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। वह फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं।58 वर्षीय अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अपने संक्रमित होने की सूचना दी।

सोशल मीडिया पर डाले एक वीडियो में उन्होंने कहा कि कल मुझे हल्का बुखार लग रहा था इसलिए मैंने कोविड-19 की जांच कराई। रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं यहां दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। सब सही है। मैं ठीक हूं। विद्यार्थी ने कहा कि उनमें कोई लक्षण नहीं हैं। उन्होंने अपने संपर्क में आए सभी लोगों से जांच कराने का अनुरोध किया है।

बारिश से मौसम हुआ सुहाना, प्रदूषण भी धुला

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज, तापमान 31 डिग्री पर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हल्की बारिश के बाद राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को मौसम सुहावना रहा। दिन में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से दो डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस वर्ष इस समय के लिए सामान्य है।

विभाग का कहना है कि रविवार को भी मौसम ऐसा ही बना रहेगा। वर्षा के कारण प्रदूषण भी काफी धुल गया है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को हल्की बारिश और ठंडी एवं तेज हवाओं के चलते पारा गिरकर 30.7 डिग्री सेल्सियस हो गया था। यह बृहस्पतिवार को 35.2 डिग्री सेल्सियस था जो कि इस वर्ष अभी तक का सबसे अधिक था।

● सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान 32 और 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एजेंसी सफर के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 153 दर्ज किया गया। यह मध्यम श्रेणी में आता है। नोएडा और फरीदाबाद में औसत वायु गुणवत्ता भी मध्यम श्रेणी में रही, जबकि ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में इसका स्तर खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार, दिल्ली के पास स्थित इन पांच स्थानों में हवा में प्रदूषक पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर भी उच्च रहा।

अस्पताल के 80 कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

स्वास्थ्य मंत्री ने संजय गांधी व अंबेडकर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मचारियों को सम्मानित किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना उल्लेखनीय कार्य कर मानवता सेवा में जुटे 80 कोरोना फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया है। सम्मानित वर्करों में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर अस्पताल और संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मचारी हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा चलाए गए कोरोना के खिलाफ युद्ध में चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मानव सेवा का उदाहरण पेश करते हुए अपने अमूल्य योगदान से पूरी दिल्ली को गौरवांवित किया है। कोरोना के दौरान लगातार आ रहे दबाव के बावजूद भी कोरोना कर्मचारियों ने निरंतरता के साथ लोगों की सेवा करने का काम किया।

कोरोना फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों सम्मानित करते स्वास्थ्य मंत्री।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा बनाए गए देश के सबसे बड़े कोरोना अस्पताल में अब तक 10 हजार से अधिक मरीज ठीक हो कर घर जा चुके हैं। केजरीवाल सरकार ने देश में सबसे पहले होम आइसोलेशन की शुरुआत की। होम आइसोलेशन मरीजों के लिए 15 मिनट के अंदर एंबुलेंस सुविधा मुहैया कराई गई।

कोरोना योद्धाओं के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल, उपसभापति राखी बिड़लान और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान सत्येंद्र जैन ने सभी कोरोना फ्रंटलाइन वर्कर्स को उनके त्याग के लिए उनकी प्रसंशा की और उन्हें धन्यवाद दिया।

20 मार्च से एक सप्ताह के लिए ट्रांसफोर्मिंग सदर बाजार प्रोजेक्ट का होगा ट्रायल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ट्रांसफोर्मिंग सदर बाजार प्रोजेक्ट पर सदर बाजार में 20 मार्च से एक सप्ताह के लिए ट्रायल होगा। यह निर्णय शनिवार को यहां विधायक सुधीर सिंगला और मेयर मधु आजाद ने यहां लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में अधिकारियों के साथ बैठक में लिया।

बैठक में डब्ल्यूआरआई इंडिया के प्रतिनिधियों ने एक वीडियो के माध्यम से सदर बाजार की मौजूदा स्थिति के बारे में अवगत कराया। बताया कि मौजूदा स्थिति में बाजार में अतिक्रमण व बेतरतीब गाड़ियां होने के चलते भीड़ रहती है, जिससे पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। टीम ने बाजार में आने वाले ग्राहकों से फीडबैक भी लिया है। बाजार में बैठने की जगह न होने के कारण ग्राहकों को दिक्कत होती है। सदर बाजार में 90 प्रतिशत लोग पैदल चलने वाले होते हैं, जबकि मात्र नौ प्रतिशत लोग दोपहिया वाहन वाले होते हैं। बाजार में आने वाले 80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि सदर बाजार पैडेस्ट्रियन फ्रेंडली बनाया जाए। सदर बाजार में ग्राऊंड फ्लोर पर 302 दुकानें हैं, जबकि यहां पर लगभग 400 दोपहिया वाहन खड़े रहते हैं। बाजार में बैठने की जगह ना होने के कारण एक अनुमान के अनुसार दिन-प्रतिदिन महिलाओं की भागीदारी कम होती जा रही है, जो कि बाजार के दुकानदारों के व्यवसाय पर असर डाल रही है। इसके अलावा बाजार का अव्यवस्थित होना, सुरक्षा की दृष्टि से भी सही नहीं है। अतिक्रमण एवं बेतरतीब वाहनों के कारण इमरजेंसी गाड़ियों के आने के लिए जगह नहीं है।

गुरुग्राम के सदर बाजार में ट्रांसफोर्मिंग सदर बाजार प्रोजेक्ट की जानकारी लेते विधायक सुधीर सिंगला व अन्य।

सदर बाजार की 700 मीटर है लंबाई

ट्रांसफोर्मिंग सदर बाजार प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि सदर बाजार की मुख्य सड़क 700 मीटर लम्बी है तथा इसकी चौड़ाई नौ मीटर से 13 मीटर की है। प्रोजेक्ट के तहत जगह अनुसार लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था करने के साथ-साथ बाजार को सुंदर बनाने का कार्य किया जाएगा। बाजार के दुकानदारों एवं यहां आने वाले ग्राहकों के लिए व्यवस्थित पार्किंग की बेहतर व्यवस्था करने की योजना है। साप्ताहिक ट्रायल के दौरान बाजार का मुख्य स्ट्रैच पूरी तरह से व्हीकल फ्री किया जाएगा। तीन स्तर पर फीडर सिस्टम की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही एग्जीबिशन जोन व कल्चरल एक्टीविटीज की जाएंगी।

ट्रांसफोर्मिंग सदर बाजार प्रोजेक्ट के लाभ : बैठक में बताया गया कि इस प्रोजेक्ट से बाजार में आने वाले ग्राहकों, दुकानदारों, जनप्रतिनिधियों, आमजन, स्कूल, अस्पताल को लाभ होगा। इसके साथ ही सिविक एजेंसियों को यूटिलिटी मैनेजमैंट करने में मदद मिलेगी। इससे बाजार की इमेज बढ़ेगी तथा बाजार में अधिक ग्राहक आएंगे। दुकानदारों का व्यापार बढ़ेगा, प्रॉपर्टी की वैल्यू बढ़ेगी तथा प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी।

बैठक में नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह, निगम पार्षद सुभाष सिंगला, अतिरिक्त निगमायुक्त जसप्रीत कौर सहित नगर निगम के अन्य अधिकारीगण, डब्ल्यूआरआई के प्रतिनिधि तथा डिजाइनिंग टीम के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में ट्रांसफोर्मिंग सदर बाजार प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से चर्चा करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि 20 मार्च से एक सप्ताह के ट्रायल का शुभारंभ किया जाएगा। विधायक सुधीर सिंगला, मेयर मधु आजाद, निगम पार्षद सुभाष सिंगला ने पूरे प्रोजक्ट के बारे सहमति जताई। उन्होंने कहा कि इससे बाजार व्यवस्थित, सुंदर, स्वच्छ एवं बेहतरीन बनेगा और व्यापारियों को ही इसका लाभ मिलेगा।

अपनी भावी पीढ़ियों को दें समाजसेवा की शिक्षा : सुधीर सिंगला

गुरुग्राम स्थित जैन बारादरी में नि:शुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर में सदस्यों के साथ विधायक सुधीर सिंगला।

जैकबपुरा श्री दिगंबर जैन बारादरी ने लगाया नि:शुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला शनिवार को यहां जैकबपुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन बारादरी द्वारा आयोजित निशुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर में शिरकत की। शिविर वर्धमान सेवा संस्थान ने लगवाया।

शिविर में बोलते हुए विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि अपनी भावी पीढ़ियों को भी यही शिक्षा दें कि वे समाज में जरूरतमंदों, वंचितों की सेवा को सदैव तत्पर रहे। उन्होंने कहा कि वंचितों की सेवा करना पुण्य का काम है। समाज में अनेकों संस्थाएं सेवा को परम-धर्म मानकर जुटी हैं। उन्होंने कहा कि वंचित लोगों तक किसी भी प्रकार की सुविधा पहुंचाना बहुत बड़ा धर्म का काम है। क्योंकि बहुत लोग उन सेवाओं को अपने स्तर पर हासिल करने में असमर्थ होते हैं। यहां पर दिव्यांगों के लिए वर्धमान सेवा संस्थान द्वारा श्री दिगम्बर जैन बारादरी के साथ मिलकर लगाए गए निशुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर के लिए उन्होंने दोनों संस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाजसेवा के जरिये हम समाज को सही दिशा दे सकते हैं। मौके पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर से समिति के अध्यक्ष पद्मश्री वीआर मेहता भी उपस्थित रहे। जैन समाज से यहां मनोज जैन, श्रेयांस जैन, विपिन जैन, राजू जैन, समाजसेवी रविन्द्र जैन ने शिविर में अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

आपसी कहासुनी के दौरान युवक पर किया चाकू से हमला

पलवल। जमीन बंटवारे को लेकर हो रही बातचीत के दौरान दो युवकों ने एक युवक पर चाकू और पंच से हमला कर दिया। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस जांच अधिकारी धर्मेंद्र के अनुसार न्यू कॉलोनी निवासी आशीष कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि 11 मार्च को वह अपने पिता बच्चू सिंह के साथ पंजाबी धर्मशाला स्थित ताऊ सुमेर सिंह के मकान पर आए थे। वहां पीड़ित का ताऊ रमेशचन्द, चाचा फतेह सिंह और परिवार के अन्य लोग पहले से ही मौजूद थे। आपस में जमीने बंटवारे को लेकर बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान ताऊ रमेशचंद की पत्नी धर्मबती, पुत्र गौतम और गौरव आ गए। गौतम ने आते ही पीड़ित के पिता बच्चू सिंह के साथ बदतमीजी करने लगे। पीड़ित व परिवार के अन्य लोगों ने गौतम को रोका तो उसने चाकू से हमला कर दिया। चाकू पीड़ित के दांए हाथ में लगा, उसके बाद गौतम ने पंच से सिर पर हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि गौरव ने भी डंडे से हमला किया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सट्टा खाईवाड़ी करते युवक गिरफ्तार

पलवल। कैंप थाना पुलिस ने एक युवक को सट्टा खाईवाड़ी करते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी अमित कुमार के अनुसार उन्होंने राजीव नगर निवासी प्रेमचंद को किठवाड़ी चौक पर सट्टा खाईवाड़ी करते रंगे हाथों गिरफ्तार किया और साथ ही उसके कब्जे से 1150 रुपये की नकदी को बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हुई महिला

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र से 35 वर्षीय महिला रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने महिला की पीड़ित के पति की शिकायत पर गुमशुदी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी लक्ष्मण के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी गत दस मार्च को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसको काफी तलाश किया गया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भगौड़ा आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

पलवल। अदालत से भगौड़ा करार आरोपी के चांदहट थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी रामचंद्र जाखड़ के अनुसार उन्हें मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि अदालत से भगौड़ा करार आरोपी गांव अलावलपुर स्थित बनी वाले मंदिर के पास मौजूद है जो कि कहीं बाहर जाने की फिराक में है। एएसआई बादाम सिंह व धर्मपाल के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी और आरोपी को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम लालसिंह निवासी गांव बढ़राम बताया। आरोपी लाल सिंह वर्ष 2013 में चोरी के मामले में आरोपी पाया गया था। आरोपी अदालत में पेश नहीं हो रहा था। जिसके चलते अदालत ने आरोपी को भगौड़ा घोषि किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अवैध शराब सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

पलवल। चांदहट थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी राजेंद्र के अनुसार उन्होंने जिला फरीदाबाद के मोहना गांव निवासी धर्मेंद्र को अमरपुर रोड़ पर काबू कर उसके कब्जे से 18 बोतल, 2 अद्धा देशी व पांच बोतल व एक पव्वा अंग्रेजी शराब को बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो बाइकों पर चोरों ने किया हाथ साफ

पलवल। शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अलग-अलग जगह से चोर दो बाइकों पर हाथ साफ कर गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अनूप कुमार के अनुसार चोर गांव अल्लीका निवासी रणधीर सिंह की बाइक को प्रभा आई केयर अस्पताल के समीप से व गांव अगवानपुर निवासी तरुण कुमार की बाइक को बाबा फॉर्म हाउस के समीप से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में तीन नामजद

पलवल। स्कूल से घर आ रही नाबालिग छात्रा से रास्ते में छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। सदर थाना पुलिस ने पीड़िता छात्रा की शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी कविता के अनुसार 16 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह नौवीं कक्षा की छात्रा है। 17 नवंबर 2020 को पीड़िता स्कूल से घर आ रही थी तो रास्ते में गांव दीघौंट निवासी टिंकू और गोविंद ने छेड़छाड़ की। पीड़िता ने आपबीती घर आकर परिजनों बताई। पीड़िता के परिजनों ने आरोपियों का विरोध किया तो आरोपी टिंकू, गोविंद व बच्चू उल्टा गाली-गलौज की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दूल्हे की पिटाई कर दुल्हन ले गए मायके वाले

सोहना। आर्य समाज मंदिर में शादी करने के बाद किराए के मकान पर पहुंचे दूल्हे की पिटाई करके मायके पक्ष के लोग दुल्हन को उठाकर ले गए। भोंडसी थाना पुलिस दूल्हे की शिकायत पर सास, साला और साली के खिलाफमामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। राजस्थान मूल के संजय पुत्र दानाराम ने भोंडसी थाना पुलिस को बताया कि उसने राजस्थान की रहने वाली पूजा पुत्री रामबाबू से गुरुवार को आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था। विवाह करने के बाद वह दुल्हन को भोंडसी स्थित रियान इंक्लेव कॉलोनी में किराए के मकान पर लेकर आया था। उसकी शादी को हुए अभी 24 घंटे भी नहीं बीते थे। उससे पहले उसकी सास, साला पवन और साली भारती किराए के मकान पर पहुंच गए। तीनों ने पहले तो उसकी पिटाई की। उसके बाद उसकी पत्नी को जबरन अपने साथ उठाकर ले गए। मामले की जांच कर रहे एसआई किशन कुमार ने बताया कि नामजद आरोपियों के खिलाफ संजय की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस दुल्हन और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

सूरजपाल अम्मू के बेटे को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अनिल विज

गुरुग्राम। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल सिंह अम्मू के बड़े बेटे अनिरुद्ध राघव के निधन पर शोक जताने के लिए शनिवार को हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज समेत कई गणमान्य लोग पहुंचे। सूरजपाल अम्मू को उन्होंने बेटे के निधन पर शोक जताते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। यहां एमजी रोड स्थित एस्सेल टावर सोसायटी के पायलट कोर्ट स्थित निवास पर शोक व्यक्त करने पहुंचे गृहमंत्री अनिल विज अनिल विज ने कहा कि बेटे की क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती। उन्होंने अम्मू और उनके परिवार को इस दु:ख की घड़ी में धैर्य से काम लेने की बात कही। सूरजपाल सिंह अम्मू के बड़े बेटे अनिरुद्ध राघव के निधन की खबर से हर कोई हैरान है। शनिवार को अनिल विज के अलावा महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा, हरियाणा भाजपा प्रवक्ता रेनू भाटिया, सोहना के पूर्व विधायक तेजपाल तंवर, हिसार से वेदपाल तंवर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अजय सिंघल, भिवानी से कांग्रेस महासचिव संदीप तंवर, सुभाष डेरी वाले, सोहना, डब्बू मदान, सोहना, अनिल यादव चकरपुर, रविंदर यादव पार्षद, वक्फ बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन औरंगजेब, नगर निगम कमिश्नर विनय प्रताप सिंह, जिला उपायुक्त डॉ. यश गर्ग, सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव, डीसीपी दीपक सहारन, एसीपी करण गोयल आदि पहुंचे। बता दें कि अनिरुद्ध राघव उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में कविनगर में लैंड क्राफ्ट सोसायटी स्थित किराए के फ्लैट पत्नी के साथ रहते थे। मंगलवार देर रात फ्लैट में ही उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

योजनाओं का लाभ पहुंचाने को गांवों में लगाए वित्तीय साक्षरता कैंप

ग्रामीण क्षेत्र में वितीय साक्षरता की सोहना ब्लॉक के 5 गांवों से की गई शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से गांवों में वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन शुरू किया है। क्रिसिल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किये जा रहे इन शिविरों की शुरुआत जिला के सोहना खंड के 5 गांवों रायपुर, कुलियका, रायसीना, हरियाहेड़ा और सांचोली से की गई है।

गुरुग्राम के अग्रणी जिला प्रबंधक प्रह्लाद राय गोदारा के अनुसार शिविर में ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जिला समाज कल्याण कायाज़्लय के माध्यम से दी जाने वाली विधवा पेंशन, दिव्यांगता पेंशन व वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से लागू की जा रही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि इन योजनाओं का लाभ बैंकिंग व्यवस्था से जुड़कर ही प्राप्त किया जा सकता है क्योंकि अब योजना के तहत दी जाने वाली राशि सरकार ने सभी लाभ पात्रों के सीधे बैंक खाते में डालने की व्यवस्था कर रखी है ताकि लाभ पात्रों तक योजना का पूरा पैसा पहुंचे। यही नहीं, कैंप में मौके पर ही उन ग्रामीणों के बैंक खाते खोले गए जो अभी तक बैंकिंग व्यवस्था से नहीं जुड़े थे और आधार अपडेट करने का कायज़् भी किया गया।

इन गांवों में आयोजित शिविरों में सेंकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे जिनमें से 300 से अधिक ग्रामीणों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत आवेदन किये या बैंक में अपना खाता खुलवाया अथवा आधार अपडेट करने का कार्य करवाया। शिविरों में 100 से ज्यादा लोगों ने आधार अपडेट करवाया और 40 से ज्यादा लोगों ने अपना नया आधार बनवाने के लिए आवेदन किया।

पत्रकारों से धक्का-मुक्की निंदनीय : अमित नेहरा

गुरुग्राम। एनसीआर मीडिया क्लब ने मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के साथ हुई धक्का-मुक्की की निंदा की है। इस बारे में बुलाई गई एक आपात बैठक में क्लब के अध्यक्ष अमित नेहरा ने इस घटना की जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

अमित नेहरा ने कहा है कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव को घटना के लिए खेद व्यक्त करना चाहिए। उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र में इस तरह की घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। प्रशासन को पत्रकारों की सुरक्षा के लिए भी उचित प्रबंध करने चाहिये। गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमकर हंगामा हुआ था। पत्रकारों के साथ धक्का-मुक्की की गई। इस दौरान एक टीवी चैनल का पत्रकार नीचे गिर गया और उसे चोट लग गई। आरोप है कि पत्रकारों को अखिलेश यादव के सुरक्षाकर्मियों ने धक्का देकर जमीन पर गिराया। पत्रकारों का कहना है कि उन्हें सवाल पूछे जाने से भी रोका गया। बैठक में एनसीआर मीडिया क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप डबास ने कहा कि सत्तापक्ष हो या विपक्ष पत्रकार का धर्म सवाल पूछने का है। अगर उन्हें कोई सवाल अनुचित लगे तो उसका जवाब देने से इंकार किया जा सकता है लेकिन इसके लिए धक्का-मुक्की करना बेहद निंदनीय है। क्लब के महासचिव नवीन धमीजा ने बैठक में कहा कि पत्रकारों को अब विपक्षी नेताओं से भी असुरक्षा है जो कि चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अंहकार छोड़कर पीड़ित पत्रकारों से बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी और पत्रकार बिरादरी को भविष्य में उनके प्रोग्रामों में सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए। क्लब के ट्रेजरर राज वर्मा ने कहा कि विपक्षी नेताओं के सुरक्षाकर्मियों द्वारा ऐसी हरकत किये जाने से मीडिया जगत हतप्रभ है ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिक योजना को करें आवेदन

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिक योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य सुक्षम खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों, किसान के उत्पादन संगठनों, सहकारी उत्पादकों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना और क्षेत्र की औपचारिकता को बढ़ाना है। यह एक 5 वर्षीय योजना है। जिला एमएसएमई केंद्र के सहायक निदेशक दिग्विजय सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सुक्षम खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिक योजना के लिए पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है। इसके साथ-साथ अन्य किसी प्रकार की जानकारी के लिए जिला एमएसएमई कार्यालय गुरुग्राम में संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योजना में मौजूदा व्यक्तिगत और नए सुक्षम उद्यम के लिए क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सबसिडी जोकि पात्र परियोजना लागत का 35 प्रतिशत या अधिकतम 10 लाख रुपये है।

बीबीए, एमबीए के 30 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

फर्रूखनगर। वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में ओपन रोजगार मंच का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विषयों कंप्यूटर, बीबीए, एमबीए के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए।

रोजगार मंच में मधवी, दिल्ली यूनिवर्सिटी तथा विभिन्न कालेजों के छात्रों ने भाग लिया। जिसमें विभिन्न कंपनियों जैसे हेला आटोमेटिव प्राइवेट लिमिटेड, पीवीआर सिनेमाज, प्लेन रेअलिटी व अन्य द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। रोजगार मंच जैसे कार्यक्रमों का आयोजन वर्ल्ड कॉलेज द्वारा समय-समय पर अपने छात्रों को रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करने के लिए किया जाता है। रोजगार मंच में साक्षात्कार के माध्यम से लगभग 30 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ है।

श्रीखाटू श्याम के दिवाने की ओर से मनाया जाएगा फागुन कीर्तन महोत्सव

कैलाश मंगला। होडल

श्री खाटू श्याम के दिवाने मंडल की बैठक शनिवार को गढिया बाजार स्थित प्रधान सुनील गोयल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मौजूद मंडल के सभी सदस्यों ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया कि 27 मार्च को ताली मंडी श्री दिगंबर जैन धर्मशाला चौक पर श्याम बाबा का प्रथम फागुन कीर्तन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कीर्तन का शुभारंभ बाबा के अखंड ज्योत और मुस्कान अग्रवाल द्वारा गणेश बंदना के साथ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कीर्तन में भजन गायक फरीदाबाद से कोमल चोपडा, आगरा से भोला सामरिया व पलवल से मोनू वर्मा श्याम बाबा के भजनों का पान करेंगे। गोयल ने बताया कि महोत्सव में कोसीकलॉ से बॉबी बृजवासी द्वारा भोले-पार्वती व कृष्ण-राधा की भव्य झांकियां सजाई जाएंगी। इसके अलावा महोत्सव में फूल व इत्र वर्षा भी कराई जाएगी। एकादशी निशान यात्रा परिवार पलवल के द्वारा श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। बैठक के इस मौके पर मंडल सदस्य सुनील उर्फ सोनू मंगला, गौरव बंसल, राजेंद्र मंगला, सुभाष गोयल, मोहित मंगला, ओमप्रकाश तंवर, संजय मक्कड़, कैलाश मंगला, डोरीलाल गोला, रिषी अग्रवाल, उमेश मंगला, पवन कंसल, अरुण मंगला, भोला गर्ग, मनोज बंसल, योगेश गर्ग फरीदाबाद, पवन नागर के अलावा अन्य सदस्य मौजूद थे।

स्वास्थ विभाग कोविड वैक्सीन के शिविर लगाने की तैयारी में

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्वास्थ्य विभाग शहर के अलग-अलग वार्डों में कोविड वैक्सीन लगाने के लिए शिविर लगाएगा। स्थानीय नागरिक अस्पताल प्रशासन द्वारा तैयारी की जा रही है। केंद्र-राज्य सरकार के आदेश पर नागरिक अस्पताल में कोविड वैक्सीन फ्री में लगाने के लिए एक मार्च से कैंप शुरू किया था। पिछले 12 दिनों में 200 लोगों ने कोविड वैक्सीन लगवाई है। जागरुकता के अभाव में आम व्यक्ति नागरिक अस्पताल के कैंप में कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए कम संख्या में पहुंच रहे हैं। स्वास्थ विभाग सूत्रों के अनुसार एक दिन में जिले के अंदर 500 लोगों को वैक्सील लगाने का लक्ष्य रखा है। नागरिक अस्पताल वैक्सीन लगवाने के लिए एक दिन में 40 से 60 लोग ही पहुंच रहे हैं।

सोहना सब्जी मंडी में धरना पर बैठे आढ़ती।

वार्डों में वैक्सीन कैंप लगाने की तैयारी : नागरिक अस्पताल के कार्यवाहक एसएमओ डॉक्टर प्रवीन यादव ने बताया कि अधिक से अधिक लोगों को कोविड वैक्सीन लगाने के लिए बहुत ही जल्द वार्डों में शिविर शुरू किए जाएंगे। ताकि कोविड से सुरक्षा का टीका अधिक से अधिक लोगों को लगाया जा सके।

कोविड संक्रमित की शुरुआत : सोहना में मौसत परिवर्तन के साथ ही कोविड संक्रमित का मामला सामने आया है। कोविड संक्रमित का मामला करीब एक माह के बाद शहर की शिव कॉलोनी में आया है। संक्रमित को उसके ही घर में कोरेंटाइन किया है।

शहीद के जन्म दिवस पर 105 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

पायनियर समाचार सेवा। होडल

कारगिल शहीद लांस नायक राजवीर सिंह सौरोत के जन्म दिवस पर गढ़ी पट्टी स्थित शहीद राजवीर सिंह स्मारक पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त एकत्रित करके रक्तदानियों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का आयोजन कारगिल शहीद राजवीर सिंह सेवा समिति एवं मानव कल्याण गो सेवा समिति गढ़ी पट्टी होडल द्वारा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के संयुक्त तत्वाधान में नवजीवन चैरिटेबल ब्लड सेंटर होडल के मार्गदर्शन में किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ समाजसेवी प्रेमचंद बिन्दल द्वारा किया गया जबकि अध्यक्षता मा. मनोहर लाल सौरोत द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी उदय सिंह सौरोत, ज्ञानचंद, रामफल हुड्डा, मेजर नंबरदार, हरद्वारी लाल आदि ने विशेष रूप से शिरकत की। शिविर में कमलेश, अंजलि, रामश्री, समुंद्री, सविता, पुष्पा आदि महिलाओं ने भी रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में एचजीएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल, आर. एस. योगा संस्थान, कारगिल शहीद नायक समुन्दर सिंह हुड्डा यादगार सेवा समिति, ओमेगा क्रॉप केयर लिमिटेड एवं नाइस इंटरप्राइजेज सहयोगी संस्थाओं के रूप में शामिल रहीं। इस अवसर पर डीओसी योगेश सौरोत, सुखबीर सिंह, रंजीत सिंह, विनोद चौधरी, दीपक सौरोत, फतेह राम शर्मा, विष्णु गौड़, बृजेश शर्मा, गगन गुप्ता, यतेश गर्ग, महेश गौड़ आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शहीद के जन्मदिवस पर रक्तदान कर शहीद को श्रद्धांजलि देते रक्तदाता।

रक्तदान शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित

होडल। पुरानी जीटी रोड स्थित अग्रवाल भवन के प्रांगण में शनिवार को अग्रोहा हेल्प क्लब, अपना ब्लड बैंक व रेडक्रांस सोसयटी के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यअतिथि के रूप में नगर परिषद चेयरपर्सन आशारानी तायल मौजूद थीं जबकि अध्यक्षता डा. रंजना ने की। शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

अग्रोहा हैल्प क्लब द्वारा शनिवार को अग्रवाल भवन में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्यअतिथि व क्लब के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। शिविर में पलवल से पहुंची ब्लड बैंक की टीम ने 70 रक्तदाताओं से रक्त एकत्रित किया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि तायल ने कहा कि रक्त दान सबसे बड़ा दान है।

आढ़तियों का धरना दूसरे दिन भी जारी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

अनाज मंडी में सब्जी आढ़तियों को धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। कारोबारी ने आढ़तियों के खिलाफ अपना धरना समाप्त कर दिया है। स्थानीय मंडी में सब्जी आढ़तियों और फास्ट फूड विक्रेता का विवाद नरम पड़ने लगा है।

शनिवार को अनाज मंडी परिसर में कारोबारी तेजपाल सैनी के खिलाफ धरने पर बैठे आढ़तियों का धरना दूसरे दिन जारी रहा। आढ़ती सतबीर ने बताया कि कारोबारी तेजपाल सैनी जब तक अपनी आढ़तियों के खिलाफ आए दिन की जा रही शिकायतबाजी का सिलसिला समाप्त नहीं करेगा। प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई शिकायते वापस नहीं होती है। तब तक आढ़ती अपना धरना समाप्त नहीं करेंगे।

कृषिमंत्री के नाम ज्ञापन : कारोबारी तेजपाल सैनी ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को उसने प्रदेश कृषिमंत्री के नाम ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा है। अपनी शिकायत का समाधान होने तक धरना समाप्त कर दिया है। जरूरत पड़ने पर धरना शुरू कर दिया जाएगा।

व्यापार मंडल व संघ के प्रयास हुए फेल : पिछले करीब 15 दिनों से सब्जी आढ़तियों और कारोबारी के बीच चले आ रहे विवाद को शहर के दो व्यापार मंडल और व्यापार मंडल संघ संगठनों द्वारा सुलझाने के किए गए प्रयास फेल हुए हैं। इतना ही नहीं प्रशासनिक अधिकारी भी इस विवाद को बढ़ने से रोक नहीं सके हैं।

मुजेसर में किराया देकर पार करना पड़ रहा सीवर का तालाब

नगर निगम की लापरवाही से नरकीय जीवन जी रहे मुजेसर गांव के निवासी

कविता। फरीदाबाद

स्मार्ट सिटी में नगर निगम की लापरवाही से शहर के कुछ हिस्से आज भी नरकीय स्थिति में पहुंच चुके हैं। ऐसा ही एक नजारा मुजेसर गांव स्थित गली नम्बर दो में देखने को मिला। जहां पिछले पांच दिनों से सीवर ओवरफ्लों के कारण लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। कुछ साइकिल चालकों ने सीवर के पानी से पार कराने के लिए लोगों से पैसे कमाने शुरू कर दिए हैं।

पार कराने का किराया पांच रुपये

मुजेसर गांव में सीवरेज के पानी से पार कराने के लिए महिलाओं और यहां तक कि बच्चों से साइकिल सवार व्यक्ति नाविक बनकर किराया वसूल रहा था। वह करीब 150 कदम तक भरे सीवरेज के पानी को पार कराने के लिए प्रति व्यक्ति के हिसाब से पांच रुपये वसूल रहा था। वह वहां खड़े होकर सोचने वालों को साइकिल पर बैठाकर दूसरी तरफ ले जाता और वहां से वापस आने वालों से भी पैसे वसूल रहा था।

पैदल चलना दुर्भर

गली में भरे सीवरेज के पानी इतना था कि यहां पैदल निकलना भी दुर्भर है, लेकिन कुछ लोग इस गंदे पानी को पैदल ही पार करते नजर आए। उनका कहना था कि हर बार पार करने के लिए पांच-पांच रुपये कहां से लाएंगे। उन्होंने बताया कि कई बार नगर निगम को सूचना दी है, लेकिन इसका समाधान आज तक नहीं हो सका है।

बच्चों का कथन

सड़क पार करने के लिए खड़े दो-तीन बच्चों ने बताया कि नाली ओवरफ्लो है और सीवरेज जाम है, जिसके कारण से सड़क के मुख्य हिस्से में पानी भर गया है। ऐसे में न तो पढ़ाई करने के लिए यहां से पैदल जा सकते हैं और न ही गली में खेल सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ सामान लेने जाने में भी परेशानी होती है।

आती है बदबू

लोगों की मानें तो यहां भरे इस पानी से गंदी बदबू आती है। यदि यहां से कोई वाहन चालक तेजी से निकले तो यह पानी घरों के अंदर भी घुस रहा है। वहीं इसमें से मजबूरी में पानी से पैदल निकल कर जाने पर इंफेक्शन और अन्य कई तरह की बीमारियों का खतरा मंडराता रहता है। प्रशासन की तरफ से इस ओर जरा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

एनएसयूआई के छात्रों ने संसद का किया घेराव : सन्नी बादल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) डूसू प्रत्याशी अर्जुन चपराना के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों के साथ काफिला लेकर व फरीदाबाद एनएसयूआई से सन्नी बादल ने अर्जुन चपराना के साथ में कंधे से कंधा मिलाकर संसद घेराव किया। इस मौके पर अर्जुन चपराना ने कहा कि सरकार नौकरी दे या फिर डिग्री वापस ले। कहा कि भाजपा सरकार का हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा भी झूठा साबित हुआ है।

वही फरीदाबाद से नेहरु कॉलेज प्रेसिडेंट सन्नी बादल ने कहा कि हमारे सपनों का भारत कहीं खो गया हैं। कहने को भारत सबसे युवा देश हैं पर छात्र व युवाओं के लिए नौकरियों के अवसर में हम सबसे निचले स्तर पर हैं। आज भारत में बेरोजगारी की दर 45 साल के उच्चतम स्तर पर है। मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों और अनियोजित लॉक डाउन ने रोजगार के अवसरों की कमर तोड़कर रख दी हैं। अंतिम वर्ष वाले छात्रों को प्लेसमेंट मिला तो ऑफर लेटर कैंसल कर दिए गए, न जाने कितने रोजगार छिन गए और अब भारत के छात्र व युवा बदहाल हैं। बादल ने कहा कि कांग्रेस छात्र विरोधी सरकार को यह संदेश दे रही हैं कि अगर उसने नौकरी के अवसरों पर ध्यान नहीं दिया तो छात्र शक्ति जल्द ही सरकार को उखाड़ने का काम करेगी। अंकित डेंढा, प्रदेश महासचिव दिनेश पोशवाल, शुभम राठी मोहित तंवर अभिषेक चपराना, सुंदरी मुजेसर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

खबर का असर : सिविल अस्पताल में आए एंटी रेबीज के टीके

फरीदाबाद। शहर के सिविल अस्पताल में गत दिसंबर माह से अब तक एंटी रेबीज के इंजेक्शन खत्म हो गए थे। जिस पर पायनियर ने पिछले दिनों अपने समाचार पत्र के माध्यम से बताया था कि जिले के सिविल अस्पताल समेत हर जगह आवारा पशुओं का आतंक है, लेकिन जिले में इनसे बचाव के लिए इंजेक्शन ही समाप्त हैं। जिस पर अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया था कि फरवरी माह के अंत या मार्च माह में इंजेक्शन आ जाएंगे। शनिवार को सिविल अस्पताल में इंजेक्शन आ गए। इस बारे में फार्मासिस्टों से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि फिलहाल अस्पताल में 1200 एंटी रेबीज के इंजेक्शन आ गए हैं। आने वाले समय में और इंजेक्शन आने हैं। फिलहाल शनिवार से इंजेक्शन लगने शुरू हो गए। जिससे यहां आने वाले मरीजों को राहत मिल गई, वरना उन्हें 350 से 400 रुपये तक बाहर निजी मेडिकल स्टोरों से एंटी रेबीज के इंजेक्शन खरीदकर लाने को मजबूर होना पड़ रहा था।

जेसी बोस ने शिगन एवोल्टज के साथ किया समझौता

फरीदाबाद। इलेक्ट्रिकल वाहन विनिर्माण क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाओं पता लगाने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कम्युनिटी कॉलेज ऑफ स्किल डेवलपमेंट और एलुमनी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स सेल ने इलेक्ट्रिक वाहन की अग्रणी निर्माता कंपनी शिगन एवोल्टज लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता विद्यार्थियों का इलेक्ट्रिकल वाहन विनिर्माण के क्षेत्र कौशल विकास और बीटेक स्तर पर उनके अभिनव विचारों को सहयोग देने पर केंद्रित है, जिससे विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिकल वाहन विनिर्माण उद्योग की आवश्यकता के अनुसार जरूरी कौशल उपलब्ध होगा। कम्युनिटी कॉलेज ऑफ स्किल डेवलपमेंट के प्रिंसिपल तथा निदेशक, एलुमनी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स डॉ. संजीव गोयल और शिगन एवोल्टज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गगन अग्रवाल ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये। डीन एलुमनी, प्लेसमेंट एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रो. विक्रम सिंह, सहायक निदेशक डॉ. सपना तनेजा, तथा एलुमनी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स सेल के सदस्य नितिन गोयल भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नये युग के सभी वाहन अत्याधुनिक तकनीकी पर आधारित है जोकि अधिक उन्नत और स्मार्ट हैं। इसलिए भविष्य में उद्योगों को आगे बढ़ने के लिए नये कौशल और ज्ञान की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि शिगन एवोल्ट्ज के सहयोग से विश्वविद्यालय की कुशल कार्यबल की आवश्यकता पूरी होगी और विद्यार्थियों को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे। प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि समझौते का उद्देश्य विद्यार्थियों को नौकरी प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सुविधाएं प्रदान करना है। कंपनी छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए सेमिनार, प्रशिक्षण और कार्यशाला भी आयोजित करेगी। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को कौशल विकास को परियोजनाओं पर काम करने का अवसर भी मिलेगा।

विक्रांत पांचाल और सत्यवीर धनखड़ का स्वागत

फरीदाबाद। सेक्टर 16 स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के कला संकाय प्रथम वर्ष के छात्र विक्रांत पांचाल ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उपलब्धि को प्राप्त करने के बाद महाविद्यालय पहुंचने पर शुक्रवार को प्राचार्य डाक्टर एमके गुप्ता ने विक्रांत पांचाल, एथलेटिक्स हरियाणा मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ और अमर सिंह पांचाल, राजकीय महिला महाविद्यालय शिक्षा विभाग के प्राध्यापक बलवीर सिंह दहिया का स्वागत किया। मौके पर महाविद्यालय के खेल प्रभारी जोरावर सिंह, डाक्टर राजेंदर सिंह, डाक्टर अरुण अरोडा, डाक्टर लीना शर्मा, गिरिराज और पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

कैंप में अवेदित ऋण पत्रावलियों का अवलोकन

फरीदाबाद। उपायुक्त एवं आयुक्त नगर निगम यशपाल के मार्गदर्शन में नगर निगम कार्यालय फरीदाबाद में शनिवार को तृतीय कैंप का आयोजन किया। शिविर में सहायक महाप्रबंधक इंडियन ओवरसीज बैंक अंजनी प्रसाद, नगर परियोजना अधिकारी, एनयूएलएम द्वारिका प्रसाद भी उपस्थित रहे। पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैक आफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब एंड सिंध बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई, यूको बैंक, सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के जिला समन्वयकों और मुख्य प्रबंधकों ने अलग-अलग स्टालें लगा अपने अपने बैंकों में आवेदित ऋण पत्रावलियों का अवलोकन कर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार कार्रवाई की। शिविर में डिजिटल मोड़ पर बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से लेन-देन करने के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर ट्रेनिंग भी दी गई। अग्रणी जिला मुख्य प्रबंधक केनराबैंक, एलडीएम डॉ अलभ्य मिश्र ने बताया कि जिला में स्वनिधि योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों द्वारा 1500 से अधिक लोन स्वीकृत किए जा चुके हैं। जिसमें से 1002 का वितरण भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत ऋणो का निष्पादन भी बैंक अगले तीन दिन में करेंगे।

80 लाख की सड़कों के निर्माण कार्य की मंत्री ने की शुरुआत

बल्लभगढ़। हरियाणा के परिवहन एवं खनन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का अपनी विपक्ष की भूमिका उनका फर्ज है, लेकिन प्रदेश के मुखिया मनोहरलाल ने प्रदेश में विकास की गति को तेज रफ्तार से बढ़ाने वाला बजट पेश कर प्रदेश की जनता का दिल जीत लिया है। ये बात परिवहन मंत्री ने आदर्श नगर वार्ड 38 में करीब 80 लाख की लागत से बनाये जाने वाली सड़कों के निर्माण कार्य की शुरुआत करने के बाद कही। मूलचन्द शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य चले हुए हैं। आज भी इसी कड़ी में पानी की पाइप लाइन डाले जाने के बाद आरएमसी से बनाये जाने वाली करीब चार सड़कों के निर्माण कार्य का नारियल यहां के स्थानीय लोगों के हाथों से तुड़वाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की दुकान बंद हो चुकी है इसलिए कांग्रेस किसानों को आगे कर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगी है। परिवहन मंत्री ने यहां लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार किसानों के साथ हैं और हमेशा देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के हितों में फैसले लेकर ऐतिहासिक कार्य किये है। उन्होंने कहा कि बल्लबगढ़ विधानसभा में 100 किलोमीटर से ज्यादा आरएमसी रोड बनवाई गई है और नई सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, पार्षद हरप्रसाद गौड, पार्षद सविता राकेश गुर्जर, निगरानी कमेटी के चैयरमैन महावीर सैनी, प्रताप भाटी, संगीता नेगी, अशोक प्रधान, योगेश शर्मा, टेकचंद शर्मा, बुद्धा सेनी, पार्षद उमा सेनी, दर्शन ठाकुर, खेमचंद, कौशल शर्मा, चन्द्रसेन, सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नगर निगम भ्रष्टाचार का सागर : हरेन्द्र ढींगड़ा

फरीदाबाद। प्याली-हार्डवेयर सड़क निर्माण की मांग को लेकर अनशनकारी बाबा रामकेवल का धरना नौवें दिन में प्रवेश कर गया। इस गुड़गांव के प्रसिद्ध आरटीआई कार्यकर्ता हरेन्द्र ढींगड़ा, एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज शर्मा के बड़े भाई तथा टीम पंड़ित के सदस्य पं.मुनेश शर्मा, रविन्द्र ने अपनी पूरी टीम के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और बाबा रामकेवल को अपना समर्थन दिया।

आरटीआई कार्यकर्ता हरेन्द्र ढींगड़ा ने कहा कि फरीदाबाद नगर निगम भ्रष्टाचार का सागर है, बिना काम करे ठेकेदारों को पैसा लुटाना, फाईलो में आग लग जाना। प्रोजेक्ट पूरे ना होना दुर्भाग्यपूर्ण बात है। आज आजादी के 75 साल बाद भी छोटी-छोटी जन सुविधा के लिये नागरिकों को धरना अनशन प्रदर्शन करना पड़ रहा है। यहां जनता के काम करने वाला कोई नहीं है। सरकार व जनप्रतिनिधि भी मनमानी करके लूट में मगन हैं। पूरे हरियाणा का बुरा हाल है। उन्होंने कहा हम धरने को तन मन धन से समर्थन करते हैं प्रशासन व नेताओं को गम्भीरता से सोचना चाहिए सडक निर्माण जल्द से जल्द करना चाहिये। रविन्द्र कुमार व प्रमोद भड़ाना, प्रीतपाल, हरजिन्द मेंहदीरत्त ने कहा कि आज धरने को 9 दिन हो गये।

मां-बेटी ने कथित भाजपा नेता पर लगाया यौन शोषण का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद इलाके में रहने वाले एक महिला और उसकी बेटी ने एक कथित भाजपा नेता पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। इस नेता द्वारा मां बेटी के साथ घर में घुस कर मारपीट भी की गई है। जिसका महिला ने वीडियो भी वायरल किया है। पीड़ित मां बेटी ने मामले की शिकयत महिला थाना में की है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इलाके में रहने वाली एक युवती का कहना है कि उन्होंने यह मकान इस नेता दस लाख रुपये में खरीदा था। मकान के ग्राउंड फ्लोर में नेता अपना कार्यालय चलाता है। महिला कार्यालय में साफ सफाई का काम करती थी। महिला की बेटी का आरोप है कि नेता अक्सर उसे अपने कार्यालय में बुलाने कर उसकी मां को बहाने से ऊपर घर में भेज देता था। जिसके बाद आरोपी द्वारा छेड़छाड़ करते हुए यौन संबंध बनाने का दबाव बनाया जाता था। आरोपी पिछले करीब छह महीने से उसे व उसकी मां को परेशान कर रहा था। विरोध करने पर आरोपी एक मंत्री का नाम लेकर धमकी देता था। महिला का दवा कि आरोपी की पहुंच और आरोपी द्वारा बच्चों को जान से मारने की धमकी दी जाती थी। जिसके कारण उसने पहले कभी पुलिस को शिकायत नहीं दी। अब आरोपी ने घर में घुस कर उनके साथ मारपीट करनी भी शुरू कर दी है। जिसके कारण युवती आत्महत्या का प्रयास भी कर चुकी है। वहीं दूसरी तरफ कथित नेता का कहना है कि उस पर लगाए गए सभी आरोप निराधार है। उसके पास न तो भाजपा में कोई पद है और न ही उन्होंने किसी मंत्री के नाम से धमकी दी है। नेता का कहना है कि उसने अपना 50 लाख रुपये का मकान भी महिला के नाम पर किया हुआ है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अवैध हथियार के साथ मदर डेयरी दूध के डिस्ट्रीब्यूटर गिरफ्तार

फरीदाबाद। अवैध हथियार सहित दयाल बाग चौकी पुलिस ने मदर डेयरी दूध के डिस्ट्रीब्यूटर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से दो देशी पिस्तौल व छह कारतूस बरामद किए है। आरोपी ने शौकिया तौर पर आठ साल पहले राजस्थान निवासी हाल लकड़पुर निवासी एक युवक से खरीदे थे। थाना सूरजकुण्ड पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दयाल बाग चौकी विनोद कुमार को मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति के पास कुछ अवैध हथियार है। चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने पुलिस कर्मी मनोज कुमार, विक्रम व सिपाही बंटी के साथ रघुबर दयाल पुत्र रामरिख निवासी गांव डगरपुर थाना खेकड़ा तहसील बागपत जिला बागपत उतरप्रदेश को काबू किया है।

विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं

फरीदाबाद। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। चहुमुखी विकास करवाने के लिए देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार गंभीरता से विकास कार्य कर रही है।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर शनिवार को फरीदाबाद नगर निगम के वार्ड नंबर 9 और गांव नंगला गुर्जर में डी प्लान के तहत 20 लाख रुपए की धनराशि से बनने वाली बड़ी चौपाल की विधिवत शुरुआत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकारें प्रदेश में लोगों के जीवन में मूलभूत सुविधाओं के चहुमुखी विकास कार्यों का गंभीरता से क्रियान्वयन कर रहे हैं। सरकार द्वारा विशेष हिदायतें दी जाती है कि कोई भी विकास कार्य निर्धारित समय पर पूरा होना सुनिश्चित हो।

कारगर वैक्सीन बनाकर भारत ने दुनिया में बनाई पहचान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने सेक्टर-30 के एफआरयू अस्पताल में कोविड-19 के बचाव के लिए लगाए जाने वाले वैक्सीन के कैम्प की विधिवत शुरुआत की। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने वहां उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों से बातचीत कर कोविड-19 के बचाव के लिए लगाए जा रहे वैक्सीन की जानकारी ली।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे कोविड-19 के वैक्सीन के प्रति लोगों में फैली भ्रांतियों को यथाशीघ्र दूर करें। उन्होंने अस्पताल परिसर में आमजन को दी जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं का भी बारीकी से निरीक्षण कर जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने अस्पताल परिसर में आमजन के लिए कोविड-19 वैक्सीन के शुभारंभ अवसर पर कहा कि लोगों में इस वैक्सीन के प्रति तरह तरह की अफवाह फैलाई जा रही है। जो कि निराधार हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि भारत ने यह वैक्सीन तैयार करके कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी को मात देकर विश्व में अलग पहचान बनाई है। 21 वी सदी के भारत में उन्नति के शिखर की और अग्रसर हो कर विश्व के अन्य देशों को लोहा मनवा रहा है।

कोरोना : 33 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 46731

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में एक बार फिर कोरोना के रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग की तरफ से निर्देश दिए जा रहे है कि जल्द से जल्द बीमारी से ग्रस्त वरिष्ठ नागरिक और बुजुर्ग वैक्सीनेशन करवा लें। जिसके लिए शनिवार को जिला उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की और इस दौरान उन्हें कहा कि लोगों को जल्द से जल्द वैक्सीन की डोज लगाई जाए। ताकि बढ़ती हुई बीमारी को रोका जा सके।

2780 को वैक्सीन

जिले में शनिवार को 2780 को वैक्सीन लगाई गई। जिसमें प्रथम डोज निजी अस्पतालों में 1160 को और सरकारी अस्पतालों में 1403 को लगाई गई। वहीं दूसरी डोज निजी अस्पतालों में 175 को और सरकारी अस्पतालों में 42 को लगाई गई। जिले में फिलहाल 46 सरकारी और 32 निजी अस्पतालों में कोरोना का टीका लगाया जा रहा है।

33 पॉजिटिव

वहीं देखा जाए, तो शानिवार को जिले में जहां एक तरफ 16 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। वहीं दूसरी तरफ 33 मामले सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 46731 पर पहुंच गया है। 33 पॉजिटि० में सेक्टर-29, ग्रीन फिल्ड कालोनी, सेक्टर-7, सेक्टर-82, सेक्टर-21, सेक्टर-45, आईपी एक्सटेंशन, सेक्टर-77, सेक्टर-15, सेक्टर-11, आदर्श नगर, सेक्टर-31, सेक्टर-30 से 1-1 मरीज है। वहीं सेक्टर-14, सेक्टर-16, एसजीएम नगर, से 2-2 मरीज है। सेक्टर-86 से 4, सेक्टर-28 से 5 मरीज शामिल है।

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांच	: 552822
अब तक पॉजिटिव	: 46731
अब तक नेगेटिव	: 504851
रिपोर्ट आनी शेष	: 1240
ऑक्सीजन पर है	: 2
अब तक मौत	: 419
अब तक ठीक	: 46142
एक्टीव केस है	: 170
शनिवार जांच	: 1160
रिकवरी रेट	:98.7 प्रतिशत

नो स्मोकिंग डे पर धूम्रपान से दूर रहने का आह्वान

जागरुकता के अभाव में बढ़ रहा धूम्रपान का सेवन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जेआरसी और एसजेएबी ने प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में नो स्मोकिंग डे पर जागरुकता कार्यक्रम में धूम्रपान से दूर रहने का आह्वान किया। जेआरसी, एसजेएबी और गाइडस सदस्यों ने कार्यक्रम में प्रतिभागिता की। जूनियर रेडक्रॉस काउन्सलर और प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि धूम्रपान का सेवन बढ़ता ही जा रहा है।

सबसे व्यथित करने वाला तथ्य यह है कि धूम्रपान करने वाले कोरोना वायरस के संक्रमण के चुंगल में सरलता से आ रहे हैं क्योंकि वे सिगरेट को अंगुलियों के बीच पकड़ते हैं और उनकी अंगुलियों से उनके मुंह में वायरस आसानी से प्रवेश कर जाता है। इसके अतिरिक्त धूम्रपान करने वाला व्यक्ति पहले ही कमजोर फेंफड़ों या फेंफड़े के रोगों का शिकार होता है जो कि उनमें गंभीर बीमारी के जोखिम को और बढ़ा देता है। धूम्रपान से रक्त कैंसर, पित्त कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, बृहदान्त्र और मलाशय कैंसर, ग्रासनली कैंसर, किडनी और मूत्राशय कैंसर, पेल्विक कैंसर, गले, फेंफड़े, मुंह का कैंसर, अग्नाशय, आमाशय, श्वास नली के कैंसर आदि की संभावना बढ़ जाती है। हृदय रोग की समस्याओं से होने वाली हर चार में से एक मृत्यु बीड़ी व सिगरेट सेवन करने वाले लोगों की होती है। फेफड़ों के पश्चात स्मोकिंग का सबसे ज्यादा असर इंटीग्यूमेंट्री सिस्टम पर होता है। इस से आपके स्किन में साफतौर बदलाव देखा जा सकता है। हाल ही में हुई एक अध्ययन के अनुसार, स्मोकिंग करने से स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा स्किन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

स्मोकिंग से नाखूनों में फंगल इंफेक्शन होने लगता है और बाल तेजी से झड़ने और सफेद होने लगते हैं। स्मोकिंग से मुंह, गले और ग्रासनली का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। स्मोकिंग करने वाले ज्यादातर लोग पैनक्रिएटिक कैंसर का शिकार होते हैं स्मोकिंग का इंसुलिन पर भी प्रभाव पड़ता है जिसकी वजह से टाइप टू डायबिटीज और इससे जुड़े जोखिम बढ़ने की संभावना हो जाती है धूम्रपान से चर्बी, वसा व लिपिड रक्त में बढ़ जाते हैं। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल कम हो जाते हैं।

रविन्द्र कुमार मनचंदा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपने परिवार के सदस्यों, विद्यालय के छात्र छात्राओं, अध्यापकों, बंधुओं और सह कर्मियों में बीड़ी और सिगरेट व ऐसे उत्पादों की स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले तथ्यों को खुलकर बताएं और चर्चा करें, जिससे हमारे युवा पीढ़ी के भविष्य की रक्षा हो सके क्योंकि युवाओं को आकर्षित करने के लिए निकोटिन उत्पादों को बेचा जा रहा है। धूम्रपान करने वालों में से अधिकांश लोग इस आदत की शुरुआत करते हैं जब वे किशोर होते हैं, इसलिए उन्हें धूम्रपान से दूर रखना महत्वपूर्ण हो जाता है। छात्रा प्रीति, हर्षिता, संध्या, तबिंदा, अंशिता, शिवानी, भूमिका, कोमल राघव, निशा, तनु, यशिका और एकता ने बहुत ही ने शानदार पोस्टर बना कर धूम्रपान सेवन के दुष्प्रभावों को उल्लेखित करते हुए एन से दूर रहने की जरूरत बताई। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने विशेषत: जसनीत कौर और आशा वर्मा का बच्चों धूम्रपान सेवन से बचने और दूसरों को जागरूक करने के लिए प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया।

खाम्बी घासेडा रोड की दुर्दशा को दिखाते हुए ग्रामीण

क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराए बीएंडआर विभाग

पायनियर समाचार सेवा। खाम्बी

पलवल जिले एवं होडल ब्लॉक के प्रमुख गांव खाम्बी में घासैडा रोड पर सड़क पूरी तरह टूटी हुई पड़ी है। अरसे से क्षतिग्रस्त हुई पड़ी इस सड़क की मरम्मत पीडब्ल्यूडी के बीएंडआर विभाग के अंतर्गत आती है। किंतु लापरवाही का यह आलम है कि कभी रोड पर कोई पैचवर्क नहीं कराया है।

खाम्बी के प्रमुख समाजसेवी युगल किशोर शर्मा, टेकचंद शर्मा, लक्ष्मीनारायण, प्रख्यात कवि मोहित मनोहर जोशी, रमेश भारद्वाज, सीताराम लालचंद आदि लोगों ने बताया कि खाम्बी घासेडा रोड से प्रतिदिन की संख्या में हजारों ग्रामीण एवं वाहन चालक निकलते हैं। किंतु इस टूटी फूटी ऊबड़खाबड़ सड़क पर ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खाम्बी में बाल विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंध निदेशक मोहन श्याम शर्मा के अनुसार इसी रोड पर कई स्कूल हैं। और यहां आने वाले छात्र छात्राओं को काफी परेशानी होती है। लोगों की मांग है कि पीडब्ल्यूडी का बी एंड आर विभाग इस ओर ध्यान दें। ऐसा लगता है कि हरियाणा में ग्राम पंचायतों के चुनाव की चर्चा तो इलाकों में काफी हो रही है ,परंतु ना ग्राम पंचायत, न जिला परिषद के प्रतिनिधि और न ही हसनपुर ब्लॉक समिति के प्रतिनिधि इस ओर ध्यान दे रहे हैं। लोगों का पलवल जिले के निगमायुक्त से आग्रह है कि वह खाम्बी घासेडा रोड पर प्राथमिकता से मरम्मत कराने के लिए सर्वे कराएं और इसका टेंडर छोड़ें।

राजमार्गों पर अतिरिक्त सुविधाओं का महत्व

भारत में एक संभावित आर्थिक अभिप्रेरक के रूप में सड़क के किनारे सुविधा क्षेत्र विकसित हो रहा है। बाधा मुक्त भूमि अधिग्रहण और तेजी से मंजूरी के संदर्भ में केंद्र तथा राज्य सरकारों के स्तर पर सक्षम माहौल और हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

एसबी प्रसाद

पीटर शार्प

भारत में एक संभावित आर्थिक अभिप्रेरक के रूप में सड़क के किनारे सुविधा क्षेत्र विकसित हो रहा है। देश भर में आने वाले गुणवत्ता वाले राजमार्गों का एक विशाल नेटवर्क उत्प्रेरक साबित हो रहा है। जिस तरह से चीजें आकार ले रही हैं, खुदरा ईंधन के आउटलेट, खाने के जोड़ों, खाद्य न्यायालयों, सार्वजनिक उपयुक्तता और अन्य कम्प्यूटर-अनुकूल सेवाओं से युक्त सड़क के किनारे की सुविधाएं शहरी स्थानों से दूर लाभकारी नौकरियों और आर्थिक गतिविधियों का ढेर पैदा करेंगी और एक बड़ा बढ़ावा देंगी ग्रामीण इलाकों में स्थानीय अर्थव्यवस्था। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान औसतन 35 किमी प्रतिदिन के दौरान 11,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का निर्माण किया गया था। गडकरी ने 40 किमी प्रति दिन की दर से सड़क निर्माण की गति बढ़ाने की कसम खाई है और केंद्रीय बजट में राजमार्गों को 1.81 लाख करोड़ आवंटित किए हैं। सरकार ने पहले ही 5.35 लाख करोड़ की भारतमाला योजना के तहत 3.3 लाख करोड़ की लागत से 13,000 किमी सड़कों के ठेके दिए हैं।

बेहतर सड़क अवसंरचना विभिन्न अवसरों के साथ भरी हुई है, क्योंकि राजमार्गों और मार्गों के किनारे सुविधाओं को अपने शिल्प को बढ़ावा देकर स्थानीय कारीगरों के लिए बाज़ार के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह बदले में उस विशेष स्थान पर मूल्य जोड़ देगा। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की पहल के साथ, सड़क के किनारे की सुविधाओं की अवधारणा भी समन्वित है, जिसका उद्देश्य न केवल हमारे उत्पादकों की आय को बढ़ाना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनकी उपज एक पारिश्रमिक मूल्य पर बेची जाती है। एफपीओ सिकुड़ते संसाधनों और तेजी से बदलती जलवायु के साथ दुनिया की बढ़ती आबादी को खिलाने के लिए सदस्य-आधारित किसान संस्थान हैं। भारत के अलावा, चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने भी एफपीओ के दृष्टिकोण को बहुत सफलतापूर्वक अपनाया हैं। इस पहल को सफल बनाने के उद्देश्य से सरकार आवश्यक नीतिगत सहायता प्रदान कर रही है। नतीजतन, एफपीओ में छोटे और सीमांत किसानों के लिए गेम चेंजर बनने की क्षमता है, जिनके पास मूल्य संवर्धन सहित उत्पादन तकनीक, सेवाओं और विपणन को लागू करने के लिए आर्थिक ताकत नहीं है।

उदाहरण के लिए, फूड कोर्टों में एक समर्पित कोना हो सकता है जहां वे एफपीओ द्वारा आपूर्ति की जाने वाली कृषि उपज के लिए खुदरा दुकानों को चला सकते हैं, जिनके लिए केंद्र सरकार ने पांच साल के लिए 496 करोड़ (2019-20 से 2023-24) के लिए एक और प्रतिबद्ध दायित्व के साथ प्रावधान किया है 2024-25 से 2027-28 के बीच 2,369 करोड़ रुपये उनके हाथ में है। एफपीओ का गठन और प्रचार-प्रसार बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन (सीबीबीओ) के माध्यम से किया जा रहा है, जो राज्य या क्लस्टर स्तर पर एजेंसियों को लागू कर रहे हैं। सीबीबीओ के पास फसल की पैदावार, कृषि-विपणन, मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण, सामाजिक गतिशीलता, कानून और खातों, और सूचना प्रौद्योगिकी / प्रबंधन सूचना प्रणाली के विशेषज्ञों की पांच श्रेणियां होंगी। ये सीबीबीओ एफपीओ प्रमोशन में सभी मुद्दों के लिए एंड-टू-एंड ज्ञान का एक मंच होगा।

एग्री विजिट की अवधारणा विदेशों में बहुत लोकप्रिय है। भारत में, राजमार्गों पर कई स्थानों पर, इस उद्देश्य के लिए खेतों का विकास किया जा रहा है। इसी तरह की तर्ज पर, ऐसे स्थानों को राजमार्गों पर विकसित किया जा सकता है, जो वाणिज्यिक सेवाओं के अलावा, स्थानीय वस्तुओं और सेवाओं को भी बढ़ावा दे सकते हैं। इससे स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण और समावेशी विकास होगा। जैविक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं, जो सभी के लिए फायदेमंद है- किसान, उपभोक्ता और पर्यावरण। न केवल धनी राष्ट्र के लिए बल्कि स्वस्थ राष्ट्र के लिए भी जैविक कृषि को एक जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में जैविक खाद्य खंड 2015-25 के दौरान 10 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है और 2025 तक 75,000 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

अतीत में दुनिया भर में ऐसा कोई मानदंड विकसित नहीं किया गया है जो उपयोगकर्ता के दृष्टिकोण से राजमार्गों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। राजमार्ग की रेटिंग का मूल उद्देश्य राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण से एक तनाव-मुक्त वातावरण में अधिकतम सुरक्षा के साथ न्यूनतम समय है।बेहतर यातायात प्रवाह, आने-जाने में लगने वाले समय की बचत, ग्राहक के अनुभव में सुधार, ईंधन की बचत और देश के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद करता है। दूरदर्शी नेताओं की बदौलत, भारत में कई प्रतिष्ठित गलियारे हैं, जो विश्व स्तर के हैं।

केंद्र सरकार का लक्ष्य एनएच की लंबाई को बढ़ाकर लगभग 1,31,326 किलोमीटर की वर्तमान लंबाई के मुकाबले 2,00,000 किमी करना है। राज्य की सड़कों का एक बड़ा हिस्सा - लगभग 53,000 किमी - एनएच के रूप में विकसित किया जा रहा है। एनएच का लगभग 3,500 किमी हिस्सा जिसमें मदुरई-कोल्लम कॉरिडोर और चित्तूर-थाचुर कॉरिडोर शामिल है, को 1.03 लाख करोड़ के निवेश पर विकसित किया जाएगा। केरल में, 1,100 किमी एनएच को 65,000 करोड़ रुपये के निवेश पर विकसित किया जाएगा, जिसमें मुंबई-कन्याकुमारी गलियारे का 600 किलोमीटर का खंड शामिल है। ये राजमार्ग क्षेत्र की आर्थिक रूपरेखा को बदल देंगे।

पश्चिम बंगाल में 675 किलोमीटर लंबे एनएच को 25,000 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाना है, जिसमें मौजूदा कोलकाता-सिलीगुड़ी मार्ग का उन्नयन भी शामिल है, जो न केवल यातायात की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा बल्कि ओम्पटीन राजमार्ग पर्यटन के अवसर भी प्रदान करेगा। कोविड-19 महामारी के दौरान, कई ईंधन स्टेशनों ने किराने का सामान और अन्य आवश्यक चीजें भी लोगों के लिए खरीद के लिए उपलब्ध कराईं। चूंकि आंदोलन प्रतिबंधित था और स्वच्छता एक चिंता का विषय था, इसलिए ईंधन स्टेशन लोगों की दैनिक जरूरतों की वस्तुओं को खरीदने के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन गया। यह लोगों को राजमार्गों पर अच्छी सुविधाओं के मूल्य की सराहना करने का अवसर भी था।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पहले ही एनएच-3 के किनारे 183 स्थानों पर सड़क के किनारे सुविधाओं को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पांच एकड़ से अधिक के क्षेत्र वाली सुविधाओं को ब्रांड हाईवे विलेज के नाम से विकसित किया जाएगा और पांच एकड़ से छोटे प्लॉट पर सुविधाओं को ब्रांड हाईवे नेस्ट के तहत विकसित किया जाएगा। एनएच पर हर 50 किमी पर सुविधाओं का एक नेटवर्क विकसित करने की योजना है। इसलिए, देश भर में 1,000 से अधिक ऐसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। निजी खिलाड़ी भी इस प्रयास में शामिल होंगे।

हालांकि, अगर देश में राजमार्गों पर यातायात की आवाजाही सुरक्षित नहीं है, तो वे सड़क के किनारे की सुविधाओं द्वारा प्रदान किए गए आर्थिक अवसरों को भुना नहीं सकते। इसलिए, सड़कों की रेटिंग बहुत महत्वपूर्ण है और हाल ही में गडकरी ने चार-छह लेन एनएच के 18,668 किलोमीटर के लिए रेटिंग जारी की जिसमें 343 टोल प्लाजा शामिल हैं। एनएचएआई द्वारा की गई इस पहल का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं के प्रति अपनी जवाबदेही में सुधार करना है, जो विकसित एनएच-3 के उपयोग के लिए शुल्क का भुगतान करते हैं।

राजमार्ग की रेटिंग का मूल उद्देश्य राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण से एक तनाव-मुक्त वातावरण में अधिकतम सुरक्षा के साथ न्यूनतम समय है।

प्रत्येक टोल प्लाजा को तीन प्रमुख मानदंडों: दक्षता, सुरक्षा और उपयोगकर्ता सेवाओं पर आंका जा रहा है। इन्हें आगे कुल 39 मापदंडों में विभाजित किया गया है जिसमें औसत गति शामिल है; सड़क की स्थिति; जनता के लिए सुविधा; सर्विस रोड; टोल प्लाजा पर देरी; दुर्घटनाओं; घटना प्रतिक्रिया समय; बाहर की सुविधाएं; सामान्य सफाई और इतने पर। इन मानदंडों को एनएचएआई और एमओआरटीएच द्वारा आयोजित विस्तृत अध्ययन के बाद तैयार किया गया था। अतीत में दुनिया भर में ऐसा कोई मानदंड विकसित नहीं किया गया है जो उपयोगकर्ता के दृष्टिकोण से राजमार्गों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। बेहतर यातायात प्रवाह, आने-जाने में लगने वाले समय की बचत, ग्राहक के अनुभव में सुधार, ईंधन की बचत और देश के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद करता है। दूरदर्शी नेताओं की बदौलत, भारत में कई प्रतिष्ठित गलियारे हैं, जो विश्व स्तर के हैं, उदाहरण के लिए, मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे, ताज एक्सप्रेसवे, अंबाला-चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून आर्थिक गलियारा, जिस पर काम करते हैं, चल रहा है।

भारत एक तरह से सुविधाओं में उछाल के लिए तैयार है। परेशानी मुक्त भूमि अधिग्रहण और तेजी से मंजूरी के संदर्भ में, केंद्र और राज्यों से सक्षम माहौल और हस्तक्षेप की आवश्यकता है। यह एक सदाबहार क्षेत्र में सभी हितधारकों के लिए एक जीत-जीत की स्थिति होगी, जो एक आत्मनिर्भर भारत के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को स्वीकार करता है।

चीन-पाकिस्तान के साथ खड़ा है तुर्की

तुर्की द्वारा पाकिस्तान का अनावश्यक रूप से समर्थन आंशिक रूप से राजनीति और आंशिक रूप से उसकी चीन के निकट जाने की इच्छा का नतीजा है।

भूपिंदर सिंह
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

उपमहाद्वीप के बारे में तुर्की की सोच जटिल और विभाजनकारी है। यह स्थिति तैमूर लंग, महमूद गजनी और महमूद गोरी के समय से ही है। वास्तविक नियंत्रण रेखा-एलएसी से विभाजित आधुनिक भारत-पाक सरकारों के युग में भी सोच अलग-अलग है। इसका निर्धारण राजनीति तथा 'दो राष्ट्रों' के सिद्धान्त के बारे में पाकिस्तानी दृष्टिकोण से होता है और वह सुविधाजनक रूप से विदेशी हमलावरों द्वारा की गई लूट और विनाश को भुला देता है। सोमनाथ मंदिर जैसे स्थानों पर इन विदेशी हमलावरों द्वारा की गई लूट और विनाश की विरासत आधुनिक पाकिस्तान में स्वत: ही एक बिल्कुल अलग भावना पैदा करती है। पाकिस्तानी सेना ने उकसावे के तौर पर अपनी मिसाइलों का नाम इन क्रूर हत्यारों के नाम पर रखा है। इनमें मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल गौरी और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल गजनवी, आदि शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना अकादमी की 16 कंपनियों में से एक का नाम गजनवी है। कुख्यात और दुष्ट पाकिस्तानी नाभिकीय वैज्ञानिक ए.क्यू.खान ने व्यक्तिगत रूप से मुहम्मद गोरी के नाम पर एक मकबरा बनवाया था। अयूब खान और परवेज मुशर्रफ जैसे पाकिस्तानी तानाशाह खासकर कमालवादी माडल से प्रभावित थे और वे स्वयं को तुर्की राष्ट्रवादी कमाल अतातुर्क के साथ रख कर देखते थे। ऐतिहासिक रूप से तुर्की से आने वाले हमलावरों ने उप-महाद्वीप की समृद्ध धरती को लूटा था, लेकिन महात्मा गांधी ने खिलाफ्त आंदोलन का समर्थन किया था क्योंकि कमाल अतातुर्क सैद्धान्तिक रूप से शासन में धर्म के प्रयोग के खिलाफथे। इस प्रकार यह द्विराष्ट्र सिद्धान्त के खिलाफथा, लेकिन इस तथ्य को अनदेखा किया गया। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में तुर्की पाकिस्तान का समर्थक था, जबकि भारत से उसकी कोई स्पष्ट असंगति नहीं थी।

आज पाकिस्तान और तुर्की, दोनों राजनीतिक और सामाजिक संशोधनवाद की लहर का सामना कर रहे हैं और इसने उनको एक दूसरे के ज्यादा निकट ला दिया है। दोनों शीत युद्ध में अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और नई विश्व व्यवस्था में स्वयं को असंगत पा रहे हैं। यह व्यवस्था दुनिया को मोटेतौर से 'लोकतंत्रों' और विस्तारवादी 'तानाशाहियों', जैसे चीन, उत्तर कोरिया और तुर्की में बांटती है। पाकिस्तान भी स्वयं को शीतयुद्ध की मानसिकता से निकालने में विफल रहा है और अपनी धरती पर विदेशी विद्रोहियों को पालता-पोसता है। इस कारण उसकी अवस्थापना-सेना, नेता और मुल्ला आतंकी उद्योग चलाते हैं जो उसके एक समय के सहयोगी अमेरिका के हितों के खिलाफहै। इसी प्रकार धर्मिक रूप से कट्टर रेसिप इर्दोगान के नेतृत्व में तुर्की उम्मा में नेतृत्व प्राप्त करना चाहता है तथा शेखों के नेतृत्व द्वारा नियंत्रण को चुनौती देता है। शेखों के नेतृत्व के दृष्टिकोण में 'खुलापन' आया है और उनके भारत तथा इस्राइल के साथ संबंध सुधर रहे हैं। इस परिवर्तन से पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ रही है। इस्लामाबाद ने नगोरनो-कराबाख युद्ध के दौरान अंकारा के दृष्टिकोण का पूरी तरह समर्थन किया। यह उसी प्रकार था जैसे चीन को छोड़ कर कश्मीर मामले पर अंकारा पाकिस्तान का एकमात्र समर्थक बना। वाशिंगटन के सामने पाकिस्तान को नियंत्रित और संतुलित करने की कठोर चुनौती है जिसकी आवश्यकता उसे अफगानिस्तान में अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए है। तुर्की में अमेरिका का रणनीतिक इन्सिरलिक हवाई अड्डा है जहां नाभिकीय आयुध रखे गए हैं। इस कारण लगातार अस्थिरता के कारण टकराव की स्थिति बनी रहती है तथा पाकिस्तान और तुर्की के निकट आने की स्थितियां तैयार हुई हैं।

आज पाकिस्तान और तुर्की, दोनों राजनीतिक और सामाजिक संशोधनवाद की लहर का सामना कर रहे हैं और इसने उनको एक दूसरे के ज्यादा निकट ला दिया है। दोनों शीत युद्ध में अमेरिका के सहयोगी रहे हैं और नई विश्व व्यवस्था में स्वयं को असंगत पा रहे हैं। यह व्यवस्था दुनिया को मोटेतौर से 'लोकतंत्रों' और विस्तारवादी 'तानाशाहियों', जैसे चीन, उत्तर कोरिया और तुर्की में बांटती है।

हाल ही में अमेरिका ने तुर्की और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैनिक व्यापार को एक धक्का दिया। उसने तुर्की द्वारा 30 तुर्की अटैक टी-129 हेलीकाप्टर पाकिस्तान को देने पर रोक लगा दी जो अमेरिकी आगस्टा ए129 मैंगस्टा प्लेटफार्म पर आधारित हैं और उनमें अमेरिका-निर्मित इंजन लगे हैं। मजेदार बात है कि अमेरिका ने हाल ही भारत को 22 अपाचे हेलीकाप्टर बेचे हैं। महत्वपूर्ण बात है कि इस बिक्री पर रोक ट्रंप प्रशासन ने लगाई थी जिसे बाइडेन प्रशासन ने जारी रखा है। इससे पाकिस्तान को मजबूरी में चीन से जेड-10 अटैक हेलीकाप्टर प्राप्त करने पड़े हैं। इस घटना क्रम से तुर्की, पाकिस्तान और चीन का त्रिकोण बनने की प्रक्रिया तेज होगी। लंबी दूरी की साइपर मिसाइलों के बारे में पाकिस्तान और तुर्की के बीच संयुक्त प्रयास विकसित हो सकते हैं और चीनी तकनीक से टीएफ-एक्स लड़ाकू विमान तैयार हो सकते हैं।

तुर्की ने पाकिस्तान के साथ चार तुर्की निर्मित मिल्गेम कोरवेट के निर्माण व तकनीक हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जबकि दोनों देशों की वायुसेनायें पाकिस्तानी एफ-16 बेड़े के आधुनिकीकरण का प्रयास करेंगी। तुर्की द्वारा विद्रोह के प्रयास में शामिल अपने फाइटर पाइलेटों को हटाने के बाद पाकिस्तान ने 'मर्सिनरी मिशनों' हेतु तुर्क एफ-16 विमान उड़ाने के लिए अपने पाइलेट दिए थे। तुर्की द्वारा पाकिस्तान को आवश्यकता से अधिक समर्थन आंशिक रूप से राजनीतिक तथा आंशिक रूप से निराशा के कारण है।

दोनों देशों के पास इस्लामी दुनिया में दो सर्वाधिक शक्तिशाली सेनायें हैं और यह गठबंधन तुर्की को 'चीन अवसर' प्रदान कर सकता है। इसके बदले तुर्की पाकिस्तान को लगभग अस्पृश्य होने की स्थिति से बचाता है और उसका 'कश्मीर' दृष्टिकोण जीवित रखने का प्रयास करता है, जबकि उम्मा के अधिकांश देशों में यह अपना आकर्षण खो चुका है। तुर्की व पाकिस्तान के इरादों से पैदा खतरा उनके रणनीतिक 'दृष्टिकोण' की तुलना में बहुत बढ़ गया है। वाशिंगटन में प्रशासन बदलने व उसके द्वारा पक्षपात के बावजूद अमेरिकी क्रिया व प्रतिक्रिया एक खास तरीके से होती है। ऐसे में नई दिल्ली तुर्की, चीन व पाकिस्तान के बीच उभरते अपवित्र गठबंधन के खिलाफ अपना गठबंधन तैयार करने का प्रयास कर रही है।

खोल दो फाइल

महिला सदन में जब बड़े साहब को महिला पार्षद ने कहा सरकार होने के बावजूद प्रशासक काल जैसे हालात हैं। हक पाने के लिए कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों को विभाग की नीतियों की जानकारी ही नहीं है तो इसे प्रशासक काल न कहे तो क्या कहें। फिर क्या था। बड़े साहब भड़क गये। साहब ने कहा कि मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र दे दिए गए हैं लेकिन इन्हें तो पता तक नहीं है। बड़े साहब यहीं नहीं रुके। यह भी कह डाला कि अब इन्हें नाली सड़क खड़ंजा बनवाने के लिए राशि दी जाए। साथ ही इनके कामों की फाइल भी खोली जाए।

अपने आप को दलित कहलाने वाले सत्ताधारी पार्षद शिक्षा के मंदिर कायाकल्प कराने से खासे नाराज थे। बड़े साहब शिक्षा के मंदिर का कायाकल्प कराने पर भड़के हुए थे। इनका दर्द था कि मेरे कोटे से ही क्यों मंदिर की मरम्मत कराने में सबसे अधिक धन खर्च किया गया। सरकार को इनकी इतनी ही चिंता है तो जाएं और शासन और शिक्षा विभाग के खजाने टटोलें। हमारे धन पर ही क्यों सेंधमारी की। अब बताओ कैसे दिन आ गए हैं कि शिक्षा के मंदिरों का कायाकल्प करना भी रास नहीं आ रहा है जनता के सिपहसालारों को।

रोके से रुकेंगे क्या

अपने परिसर में कई ऐसे गुरुजी हैं जो पूरे दिन मुखिया जी के कार्यालय के आस पास भटकते रहते हैं। जब देखिए आप इन्हें मुखिया जी के कार्यालय के आस पास पाएंगे। अब यह नहीं समझ आता है कि आखिर ये कौन से प्रसाद के चक्कर में भटकते हैं। इसके बारे में तो यही बता पाएंगे या थोड़ा बहुत मुखिया जी। किसी तीसरे को इनके बारे में जानकारी नहीं हो पाएगी। इनके इस व्यवहार से विवि के प्रशासनिक महकमे के अधिकारी भी हैरान हैं। एक अधिकारी ने तो कहा कि उन्हें काम से फुर्सत ही नहीं है कि वह 10 मिनट का समय दे सकें। पता नही ये लोग कैसे समय निकाल लेते हैं। पिछले कई माह से चल रही इस व्यवस्था की भनक पाकर मैनेजमेंट गुरु ने इस पर रोक लगा दी है। मिलने वालों के लिए समय भी निर्धारित कर दिया है ताकि बाकी समय में गुरुजी अपनी जिम्मेदारियों को समझ सकें। अब देखना यह है कि यह रोक कब तक कायम रह पाती है।

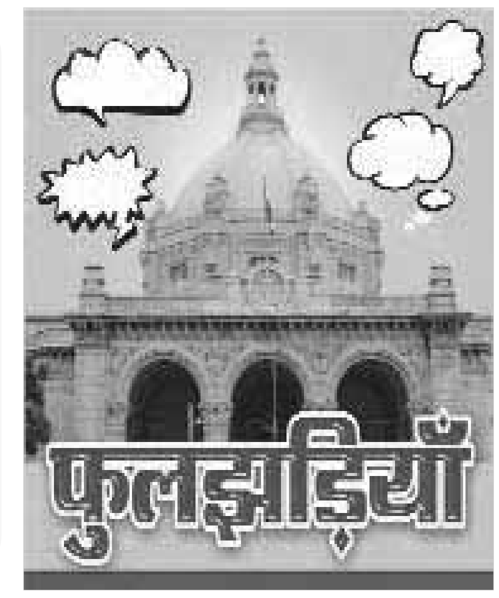

तोंद पड़ी फिक्र में

खाकी महकमे में मोटी तोंद वाले पुलिसकर्मियों की एक बार फिर शामत आ गई है। सालों बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे भारतीय सेवा के खाकी वाले अधिकारी की तैनाती पूर्वांचल की सबसे महत्वपूर्ण जोन में बतौर एडीजी के पद पर हुई है। भगवा सरकार के मुखिया के गृह जनपद का जोन होने की वजह से इसका महत्व इस समय वैसे भी प्रदेश में सबसे अधिक है। यहां पर होने वाली किसी भी घटना, दुर्घटना अथवा कार्रवाई का संदेश पूरे प्रदेश में जाता है। पदभार संभालने के बाद पिछले दिनों एडीजी साहब भ्रमण पर निकले तो उन्होंने महसूस किया कि ज्यादातर पुलिसकर्मियों का वजन बहुत बढ़ गया है और तोंद अधिक निकल आई है। फिर क्या। उन्होंने आनन फानन बड़ी तोंद वाले पुलिस कर्मियों की मीटिंग बुला ली। किसी बड़ी कार्रवाई की आशंका से भयभीत ये पुलिसकर्मी मीटिंग में शामिल हुए। साहब ने उनका वजन और तोंद बढ़ने का कारण पूछा और निवारण के तौर पर सुबह शाम चार-चार घंटे गश्त करने की ड्यूटी फिक्स कर दी। महकमे में चर्चा इस बात की है कि मामला पूर्वांचल के इस जोन तक ही सीमित नहीं है। एडीजी ने यह सिस्टम पूरे प्रदेश में लागू करने की मुखिया को सलाह भी दी है। बस इसी के बाद से अन्य जिलों के मोटी तोंद वाले पुलिसकर्मियों की नींद उड़ी हुई है।

आप मुझे अच्छे लगने लगे

अभी कुछ ही दिनों पहले राजधानी के गोमतीनगर इलाके में एक आयोजन हुआ जिसमें मौजूदा सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री और पिछली सरकार के पावरफुल आईएएस अधिकारी का आमना सामना हो गया। जब यह अधिकारी पावर में थे तो मौजूदा सरकार के मंत्री ने लखनऊ नगर निगम की सत्ता संभाल रखी थी और उन्हें किसी काम से इस अफसर से मिलना था लेकिन उन्हें समय नहीं मिल था। दरअसल आयोजन में देर हो रही थी और इस अधिकारी को कहीं जरूरी काम से जाना था। इसके लिये बार बार वह अपनी घड़ी देखकर आयोजकों की तरफ इशारा कर रहे थे। मंत्री जी ने यह देख लिया और उन्होंने इस अधिकारी की चुटकी लेने में जरा भी चूक नहीं की और बोले अब तो आपको समय देना ही पड़ेगा। इस पर अधिकारी ने भी फौरन हाजिर जवाबी से कहा कि अब तो आप मुझे अच्छे लगने लगे हैं। इसके बाद दोनों मंच पर खूब हंसे।

धक धक हुयी दूर

दिल्ली से वीआरएस लेकर राजनीति में कूदे एक नौकरशाह का गुबार अब ठंडा हो गया है। उनके वीआरएस लेने और भगवा दल में शामिल होने की जब खबर करीब डेढ़ माह पहले फैली थी तो सबको लगा कि साहब से माननीय हुए जनाब यूपी की राजनीति में बड़े गेम चैंजर साबित होंगे लेकिन उन्हें क्या मालूम था कि उप्र की राजनीति और यहां संगठन से जुड़े लोगों की जड़ें बहुत गहरी हैं। साहब का जोश ठंडा पड़ा तो एक डिप्टी सीएम साहब के भी चेहरे पर ताजगी झलकने लगी है। उन्होंने भी अब सुकून की सांस ली है कि चलो फिलहाल खतरा टल गया है। क्योंकि जैसे ही साहब ने विधान मंडल के उच्च सदन में जाने की शपथ ली थी लोगों ने यूपी का मंत्रिमंडल का विस्तार तक कर डाला था। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही इन सब खबरों को देखकर डिप्टी साहब का दिल धक-धक करने लगा था कि लेकिन अब दिल की धड़कन सामान्य हो गई है।

खुद पर हल्ला बोल

मुलायम समाजवाद चला गया। अब कठोर समाजवाद आ गया है। शायद यही कारण है कि अब हल्ला बोल दूसरों के लिए नहीं खुद के लिए किया जाने लगा है। लाल टोपी पहन कर जहां जाते हैं वहीं हल्ला बोल हो जाता है। यह शायद विपक्ष की योग माया है। करने कुछ जाते हैं और हो कुछ जाता है। एक पिताजी की राजनीति थी। जहां भी वह जाते थे हल्ला बोल कर आते थे। उनके हल्ला बोल की विपक्ष में दहशत थी। ऐसा ऐसा दांव मारते थे कि विपक्ष चारों खाने चित हुआ दिखाई पड़ता था। अब आलम यह है कि जब से कठोर समाजवाद आया है वह हर जगह खुद ही चित हुआ नजर आ रहा है। समझ में नहीं आ रहा है गलती कहां हो रही है। पिताजी से सीखा नहीं या फिर पिताजी ने सिखाया नहीं। कठोर समाजवाद सोच में पड़ गया है कि पिताजी के समय हल्ला बोल तो होता था लेकिन अब ध्यान नहीं आ रहा है कि वह खुद अपने लिए करते थे या फिर दूसरों के लिए। यहां तो स्थितियां यह हो गई हैं कि जहां जहां मैं जाता हूं वहां वहां मेरे लिए ही हल्ला बोल हो जा रहा है। अब तो दहशत सी होने लगी है। ऐसा लगता है कि जैसे लोग पहले से ही तैयारी में बैठे रहते हैं कि जैसे मैंने मुंह खोला वैसे लोगों ने हल्ला बोला।

काला नमक चावल को मिली नयी पहचान

सिद्धार्थनगर में आयोजित हुआ तीन दिवसीय काला नमक महोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एक जनपद, एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना से जुड़ने के बाद यूपी के काला नमक चावल को एक नई पहचान मिली है। उच्च श्रेणी की मार्केटिंग और ब्रांडिंग की बदौलत आज काला नमक चावल की खुशबू सिद्धार्थनगर से निकल कर देश और दुनिया में महक रही है। तकनीक के जरिए काला नमक चावल की उत्पादन क्षमता को बढ़ाया गया और लागत को कम किया गया। इसका सीधा फायदा किसानों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात सिद्धार्थनगर में काला नमक महोत्सव का अपने आवास से वर्चुअली शुभारंभ करते हुए कहीं। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश चंद्र द्विवेदी व डुमरियागंज के सांसद जगदिम्बका पाल मौजूद रहे। सरकार की ओर से झांसी के स्ट्राबेरी और लखनऊ के गुड़ महोत्सव की तर्ज पर सिद्धार्थनगर के राजकीय इंटर कालेज, नौगढ़ में तीन दिवसीय काला नमक महोत्सव का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने किसानों का बधाई देते हुए कहा कि सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में काला नमक चावल की उत्पादन क्षमता को लेकर नए शोध किए जा रहे है। भविष्य में इसकी उपज और गुणवत्ता और सुधरेगी। इसका लाभ किसानों को मिलेगा।

2600 साल पुराना है कालानमक का इतिहास: काला नमक का इतिहास करीब 26 व 27 सौ साल पुराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सिद्धार्थनगर में जब काला नमक चावल का उत्पादन होता था, तो आबादी कम थी और कृषि क्षेत्रफल अधिक। इससे काला नमक चावल के उत्पादन में लागत अधिक आती थी। जनपद सिद्धार्थनगर व आसपास क्षेत्रों के 22 हजार हेक्टेयर में फसल पैदा की जाती थी। नुकसान के चलते इसकी पैदावार कम होती गई। 2017 से पहले काला नमक का उत्पादन 22 सौ हेक्टेयर तक पहुंच गया। वैज्ञानिकों ने इस पर शोध किया और काला नमक की वैराइटी में व्यापक सुधार किया गया। इसकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाया गया। इसके बाद काला नमक को ओडीओपी योजना से जोड़ा गया। अब अकेले सिद्धार्थनगर में ही लगभग 5 हजार हेक्टेयर में काला नमक चावल धान का उत्पादन किया जा रहा है।

खुशबू और स्वाद के साथ पौष्टिक तत्वों से भी भरपूर: सीएम ने कहा कि 160 से कम दिनों में फसल तैयार करने के लिए वैज्ञानिकों ने काफी कार्य किया। काला नमक चावल का पौधा लम्बा होने से बरसात या तेज हवा के झोंके से गिर जाता था। इससे किसानों को काफी नुकसान होता था। वैज्ञानिकों ने तकनीक के जरिए पौधे की लम्बाई को कम किया और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सफलता हासिल की। काला नमक चावल में खुशबू के साथ.साथ प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व आयरन, ओमेगा.3, जिंक, आयरन ओमेगा 6 पाए जाते हैं। इसी कारण देश व दुनिया के अंदर काला नमक चावल की लोकप्रियता बड़ी है। इससे किसानों की आमदनी में भी बढ़ोत्तरी हुई है। खासकर पिछले तीन से चार सालों में।

किसानों की नयी पीढ़ी ने इतिहास रचः मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हाल में ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत पर स्ट्राबेरी का उत्पादन करने वाली झांसी के एक किसान की बेटी का जिक्र किया था। बुंदेलखंड की धरती हमेशा से सूखे की चपेट में रहती है लेकिन यहां पर कैसे परिवर्तन लाया जा सकता है। यह उस बेटी ने करके दिखा दिया। आज किसान की वह बेटी डेढ़ एकड़ में स्ट्राबेरी का उत्पादन करके 42 लाख रुपए का प्रोडक्शन कर चुकी है। ऐसे ही सुलतानपुर के किसान गया प्रसाद मुरारी सिंह ने ड्रैगन फ्रूट का उत्पादन कर इतिहास रचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और लागत को कम करने का प्रयास सरकार कर रही है। जिन किसानों ने फसल उत्पादन में नजीर पेश की उनको समाज के सामने लाने का काम भी सरकार ने किया है। सीएम ने कहा कि चंदौली के किसानों प्रगतिशील किसानों ने ब्लैक राइस चावल की पैदावार शुरू की है। जो किसान मणिपुर से लेकर आए हैं। यह चावल पूरी तरह से काला होता है। मुझे सपा के एक एमएलसी ने इसकी खीर खाने का आग्रह किया था। वाकई वह बेहद स्वादिष्ट थी। वहां के किसान काफी अच्छी आमदनी कमा रहे हैं। सिद्धार्थनगर के काला नमक की ऊपरी सतह ही सिर्फ काली होती है जबकि चावल सफेद होता है।

कालानमक की ब्रांडिंग में जनप्रतिनिधि करें मददः सीएम ने कहा कि जनप्रतिनिधयों को भी काला नमक चावल की ब्रांडिंग में सहयोग देना चाहिए। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। काला नमक चावल में विटामिन व प्रोटीन के साथ.साथ बड़े पैमाने पर पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो एक नए ब्रांड के रूप में इसे अन्तर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध करा रहा है। मधुमेह जैसी बीमारियों में भी यह लाभदायक है। हमें इस पर व्यापक शोध करके इसे आगे बढ़ाना चाहिए। अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, व महाराजगंज के कृषि वैज्ञानिकों ने इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य किया है। कृषि वैज्ञानिकों को स्थानीय किसानों के साथ संवाद कर उसकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने का काम करना चाहिए।

महिलाएं सामाजिक परिवर्तन लाने में सक्षम हैं: हृदय नारायण दीक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फिक्की फ्लो लखनऊ कानपुर चैप्टर ने अपने छठे वार्षिक फ्लो यूपी महिला पुरस्कारों का आयोजन किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाली 17 महिलाओं को 600 से अधिक महिलाओं के बीच से चुना। शनिवार को फिक्की फ्लो महिला पुरस्कारों का आयोजन विश्वश्वरैया ऑडिटोरियम लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने कहा कि महिलाएं हमेशा से सम्मानित रही हैं आज सामाजिक परिवर्तन का कार्य बहुत बड़ा और कठिन है लेकिन इस कार्य को फिक्की फ्लो बखूबी निभा रहा है फ्लो एक मजबूत संगठन है यह अन्य संगठनों से इसलिए भी भिन्न है क्योंकि इनके सदस्यों में असीम क्षमताएं हैं और यह सामाजिक परिवर्तन लाने में सक्षम है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कहा की यह संगठन महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में अपना भूतपूर्व योगदान दे रहा है। सरकार महिलाओं के प्रति अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है यदि हम छोटे अपराधों पर सख्ती बरतते हैं तो बड़े अपराधों में अपने आप कमी आ जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है प्रदेश की मौजूदा सरकार ने पुलिस बल में बड़े पैमाने पर महिलाओं की भर्ती की है। फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर की अध्यक्ष पूजा गर्ग ने कहा कि इन पुरस्कारों के माध्यम से हम जिन बहनों को सम्मानित कर रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की है। इनमें वह महिलाएं भी हैं जिन्होंने कोविड-19 जैसी महामारी के समय भी अपनी सेवाएं समाज को प्रदान की हैं हम उनके हौसले और जज्बे का सम्मान करते हैं।

पाठ्यक्रमों व आधारभूत ढांचे में बदलाव की आवश्यकता: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि शिक्षा और शोध की गुणवत्ता बढ़ाई जाए। इसके लिए केजी से लेकर पीजी तक के पाठ्यक्रमों एवं आधारभूत ढांचे में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे मानव संसाधन तैयार करने चाहिए जो वैश्विक चुनौतियों का आसानी से सामना करने में सक्षम हों। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक कार्य के साथ.साथ सामाजिक कार्यों में भी सहभागिता करनी चाहिए।

राज्यपाल शनिवार जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने दीक्षांत समारोह में स्नातक व परास्नातक छात्र.छात्राओं को उपाधियां दीं। समारोह में 32 छात्र.छात्राओं को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कुल 66.34 फीसदी छात्राओं ने उपाधि प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि छात्राओं द्वारा कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्राप्त करना महिला सशक्तीकरण और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं की सार्थकता का सशक्त उदाहरण है।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा के अंत का समारोह ही नहीं है, बल्कि यही से विद्यार्थी के जिन्दगी की कसौटी शुरू होती है। विद्यार्थी भविष्य की कठिनाइयों का सामना सफलतापूर्वक तभी कर पायेंगे, जब अपने भीतर के विद्याथी-भाव को सोने नहीं देंगे। जीवन में सफलता का मूलमंत्र कठिन परिश्रम है। सफलता की सीढ़ी कठिन परिश्रम से ही बनती है। शिक्षण संस्थाएं शिक्षा में नवीनता और आधुनिकता का ध्यान रखें और अपनी सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परम्पराओं एवं शाश्वत मूल्यों की निधि को भी विस्मृत न करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में उचित आधारभूत संरचना और वांछित संख्या में स्तरीय शिक्षक होने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को स्वायत्ता प्राप्त हो, परंतु उत्तरदायित्व भी निश्चित हो, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और सही दिशा में विकास के साथ विश्वविद्यालय विश्व क्षितिज पर पहचान बनाएं।

पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति की संकल्पना भारत को स्वदेशी ज्ञान और तकनीक के आधार पर विश्व गुरू बनाने में सहायक होगी। भारतीय ज्ञान-शक्ति से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। वर्ष 2021-22 के बजट में केन्द्र सरकार ने शिक्षा पर फोकस किया है। नई शिक्षा नीति इस दिशा में बढ़ाया गया एक अति महत्वपूर्ण कदम है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत की कल्पना की है। हम सभी को इसे साकार करना है। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय टीबी रोग से पीड़ित बच्चों को गोद लें, छात्राओं की एनीमिया जांच कराएं, गर्भवती महिलाओं का सौ प्रतिशत प्रसव अस्पताल में ही कराने, स्तनपान को बढ़ावा देने, आंगनबाड़ी केन्द्रों को पुष्टाहार उपलब्ध कराने जैसे कार्यों को भी करें। उन्होंने कहा कि समाज में फैली कुरीतियां, बाल.विवाह एवं महिलाओं पर होने वाले घरेलू अत्याचार पर रोक लगायी जानी चाहिए और इसका विरोध घर से ही शुरू किया जाए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की स्मारिका ष्मंथनष्, ष्अन्वीक्षणष् तथा दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की पुस्तक विचार-प्रवाह का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने इस मौके पर प्राथमिक विद्यालयों के 50 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, टिफिन, बॉक्स, किताबें फल एवं मिठाई वितरित की। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉण् दिनेश शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय एवं कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सदस्यगण सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र.छात्राओं उपस्थित थे।

बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक कल

● राजनाथ सिंह आज पहुंचेंगे लखनऊ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति बैठक सोमवार को शुरू होगी ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब प्रदेश कार्यसमिति बैठक की एक ही दिन की हो रही है अन्यथा इससे पहले प्रदेश कार्यसमिति हमेशा 2 दिन होती रही है प्रदेश कार्यसमिति की बैठक सोमवार को सुबह होगी जिसका उद्घाटन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और समापन शाम को 5:30 बजे योगी आदित्यनाथ सिंह करेंगे।

15 मार्च को होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पूर्व 14 मार्च को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक होगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता मे होने वाली प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह व पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल सहित सभी प्रदेश सह प्रभारी, प्रदेश सह संगठन मंत्री, प्रदेश पदाधिकारी व क्षेत्रीय अध्यक्ष सम्मिलित होंगे। सुनील बंसल ने देर शाम पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रदेश कार्यसमिति को लेकर अभी तक हुई तैयारियों की समीक्षा करते हुए पार्टी पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। प्रदेश महामंत्री व सदस्य विधान परिषद अश्वनी त्यागी ने बताया कि कल दोपहर 2 बजे से पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक होगी। पार्टी कार्यकर्ता व लखनऊ के जनप्रतिनिधि कल सुबह राजधानी लखनऊ में महापुरुषों की प्रतिमा पर पहुँचकर माल्यार्पण करके पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को लेकर पार्टी कार्यकर्ता लगातार तैयारियों में जुटे हुए है। कार्यकर्ता एयरपोर्ट से लेकर कार्यसमिति स्थल इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान तक जगह.जगह पार्टी के झंडे.बैनर लगाकर कार्यसमिति की बैठक में आने वाले प्रतिनिधियों के स्वागत व अभिनंदन की तैयारियों में जुट गए है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने आज सुबह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंच कर कार्यसमिति की बैठक की व्यवस्थाओं से जुड़े पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्होंने पंजीकरण, वाहन, आवास, भोजन, मंत्र, मीडिया, सजावट, चिकित्सा, स्वच्छता, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं में लगे पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारियों को लेकर जानकारी ली।

बांस आधारित शिल्प कला के लिए सुविधा केन्द्र किए जा रहे स्थापित: वन मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में बॉस आधारित शिल्प कला को बढ़ावा देने के लिए सहारनपुर, बरेली, झॉसी, मीरजापुर तथा गोरखपुर में सामान्य सुविधा केन्द्रों ;सीएफसीद्ध की स्थापना कराई जा रही है। राष्ट्रीय बॉस मिशन योजना के तहत स्थापित किये जाने वाले इन सीएफसी के माध्यम से किसानों, बॉस शिल्पकारों तथा उद्यमियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिये जायेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि अधिक से अधिक किसानों बॉस आधारित खेती तथा उसकी व्यापारिक गतिविधयों से अवगत कराया जाय और किसानों को बॉस के खेती करने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाय।

श्री चौहान शनिवार को कुकरैल स्थित मौलश्री आडिटोरियम में उत्तर प्रदेश में बॉस क्षेत्र का विकास विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीएफसी में क्रॉस कट, बाहरा गॉठ हटाना, रेडियल स्प्लिटर, स्लाइसर, सिलवरिंग, स्टिक मेकिंग और स्टिक साइजिंग आदि विभिन्न प्रकार की मशीनों की स्थापना होगी। ये केन्द्र बॉस कारीगरों के समूहों, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पादन संगठनों तथा वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किये जायेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएफसी से ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ा जाय। विशेष अभियान चलाकर किसानों को इस योजना की जानकारी दी जाय। बैम्बो मिशन के तहत किस प्रकार की सुविधा मिल रही है, इससे किसानों भली.भांति अवगत भी कराया जाय।

श्री चौहान ने कहा कि कहा कि किसानों एवं ग्रामीणों द्वारा निर्मित बॉस उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने के लिए सहारनपुर, बरेली, मीरजापुर, सोनभद्र तथा ओबरा में बॉस बाजार ;बैम्बू मार्केटद्ध स्थापित कराये जा रहे हैं। यह बाजार उत्पादों की बिक्री और बाजार की प्रवृति के अनुरूप पूरे वर्ष मंच प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगे। इसके अतिरिक्त बॉस के उपचार हेतु बरेली एवं चित्रकूट बॉस उपचार संयत्र की स्थापना कराई जा रही है। वहीं, बरेली में कार्बोनाइजेशन संयत्र भी स्थापित कराया जा रहा है। इन प्रयासों से किसानों की आय में वृद्धि होगी और चीनी उद्योग को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बैम्बो क्षेत्र के विकास में यह कार्यशाला मील का पत्थर साबित होगी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील पाण्डेय ने कहा कि बॉस नकदी फसल है। बॉस की कई प्रजातियां है, जो 60.70 मिमी एक घण्टे में बढ़ जाती हैं। साथ ही बॉस 35 प्रतिशत कार्बन डाई आक्साइड भी सोखता है। उन्होंने कहा कि बॉस के वृक्षों का वेदों में भी वर्णन किया गया है। इसकी महत्ता हमारे जीवन से जुड़ी है। बॉस ऐसा वृक्ष है, जिसके हर भाग का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को बॉस की खेती के लिए सब्सिडी दिये जाने का प्राविधान है। किसान अपनी भूमि पर हरा सोना उगाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते है। बॉस क्षेत्र के विकास हेतु क्लस्टर आधारित विकास कार्यक्रम चलाये जायेंगे। कारीगरों का समूह बनाकर हस्तकला, शिल्पकला में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी ।

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय बॉस मिशन, डा के इलन्गो ने कहा कि बॉस उत्पादकों की आय में वृद्धि, विपणन तथा कच्चेमाल की उपलब्धता को सुनिचित करने के लिए वर्ष 2019.20 में राष्ट्रीय बॉस मिशन की स्थापना हुई है। यह योजना बुंदेलखण्ड और विन्ध्याचल सहित 32 जनपदों में क्रियान्वित की जा रही है। योजनान्तर्गत बैम्बूसा बाल्कोआ, बैम्बूसा न्यूटन्स, बैम्बूसा बैम्बोस, डैन्ड्रोक्लेमस हैमिल्टोनी और डैन्ड्रोक्लेमस जाइजेन्टियस प्रजातियों के पौधों को उगाने वृक्षारोपण का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बॉस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए नई बॉस किस्मों को विकसित किया जा रहा है। अनुसंधान को प्रोत्साहन दिया गया है। जगह.जगह हाई.टेक नर्सरी स्थापित कराई जा रही है। पौधों में कीट एवं बीमार प्रबंधन पर कार्य किया जा रहा है।

ओमन चांडी के नेमोम सीट से चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच पुथुप्पल्ली में प्रदर्शन

भाषा। तिरुवंनतपुरम

केरल विधानसभा के लिए छह अप्रैल को होने वाले चुनाव में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी के नेमोम सीट से लड़ने की अटकलों के बीच शनिवार को कोट्टायम जिले स्थित उनके मौजूदा निर्वाचन क्षेत्र पुथुप्पल्ली में कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके घर के निकट प्रदर्शन किया और आत्महत्या करने की धमकी दी। नेमोम सीट तिरुवनंतपुरम जिले में उपनगर है और 2016 के केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकमात्र इसी सीट पर जीत मिली थी। भाजपा के नेता इस सीट को केरल का गुजरात बताते हैं, इसलिए राज्य की दो धुव्रीय राजनीति पर दशकों से पारंपरिक तौर पर दबदबा रखने वाले दोनों मोर्चे- एलडीएफ और यूडीएफ- की नजर भगवा पार्टी को हराकर इस सीट को जीतने पर है। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ओ राजगोपाल ने माकपा प्रत्याशी वी शिवनकुट्टी को हराकर नेमोम सीट जीती थी। इस सीट के लिए कांग्रेस की ओर से पार्टी सांसद शशि थरूर और के मुरलीधरन के भी चुनाव लड़ने की चर्चा थी, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने पहले ही साफ कर दिया है कि सांसद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और उनके समर्थक शनिवार सुबह से ही चांडी के घर के निकट नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे पुथुप्पल्ली से लंबे समय से उनके विधायक रहे चांडी को किसी और निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ने देंगे। इन प्रदर्शनकारियों में महिलाएं भी शामिल हैं। राज्य में दो बार मुख्यमंत्री रहे चांड़ी वर्ष 1970 से ही पुथुप्पल्ली का प्रतिनिधित्व राज्य विधानसभा में कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एक भावुक कार्यकर्ता एक घर की छत पर चढ़ गया और आत्महत्या करने की धमकी देने लगा। उसके हाथ में पार्टी का झंडा भी था। एक अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता ने कहा, हम अपनी जान दे देंगे लेकिन चांडी को नेमोम नहीं जाने देंगे...वह हमारे प्रिय नेता हैं। दिल्ली से सुबह ही घर पहुंचे चांडी को रास्ते में कार्यकर्ताओं ने रोक भी लिया और उनसे किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से नहीं लड़ने की अपील की। चांडी (77) किसी तरह अपने घर में प्रवेश कर सके। वरिष्ठ नेताओं केसी जोसफ और तिरुवनचूर राधाकृष्णन भी चांडी के घर पहुंचे। प्रदर्शन तीव्र होने पर चांडी ने समर्थकों को आश्वस्त किया कि वह पुथुप्पल्ली छोड़कर नेमोम नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, 81 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय किए जा चुके हैं। इस सूची में मेरा नाम भी पुथुप्पल्ली सीट से उम्मीदवार के तौर पर है। चांडी ने कहा, न तो राज्य के और न ही केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे नेमोम से चुनाव लड़ने को कहा है। उन्होंने कहा, मैं पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भावनाओं को समझता हूं और स्वीकार करता हूं। पुथुप्पल्ली से जाने का सवाल ही नहीं है। हालांकि, चांडी ने कहा कि नेमोम सीट के प्रत्याशी के लिए अब भी चर्चा जारी है। कयास लगाए जा रहे है कि चांडी को नेमोम से प्रत्याशी बनाया जा सकता है जहां पर आगामी चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है।

पटना में बजट सत्र के दौरान अपने विधायकों के साथ मद्य निषेध मामले को लेकर राजभवन की ओर रैली निकालते राजद नेता तेजस्वी यादव व तेज प्रताप यादव

योजनाओं का लाभ पाते रहने के लिए भाजपा को वोट दें: स्मृति ईरानी

● कांग्रेस को बताया सर्वाधिक भ्रष्ट पार्टी

मारीयानी (असम), भाषा

असम के मारीयानी में अपनी पहली चुनावी रैली के दौरान केन्द्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस को सर्वाधिक भ्रष्ट पार्टी करार देते हुए लोगों से अपील की कि केन्द्र तथा राज्य की विभिन्न योजनाओं का लाभ लगातार लेते रहने के लिए वे भाजपा को वोट दें। शनिवार को असम में अपनी पहली चुनाव रैली को संबोधित कर रहीं ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने ऐसी अनेक योजनाएं शुरू की हैं जिनसे राज्य की जनता को लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा, ...कांग्रेस से ज्यादा भ्रष्ट और कोई नहीं है। केवल भाजपा ही वह पार्टी है जो गरीबों के कल्याण के लिए काम करती है। ईरानी ने कहा, भाजपा सरकार ने राज्य भर में चाय बागानों में काम करने वाले लोगों के लिए अथक काम किया है। उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीब लोगों के लिए कभी काम नहीं किया। साथ ही उन्होंने लोगों से विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट देने की अपील की। केन्द्रीय मंत्री ने, राज्यसभा में असम का प्रतिनिधित्व कर रहे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का नाम लिए बिना कहा असम से कांग्रेस के कुछ बड़े नेता भी हैं, जो प्रधानमंत्री तक बने, लेकिन असम में एम्स केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन काल में ही आया। ईरानी यहां भाजपा के उम्मीदवार रमानी तंती के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रही हैं। इस सीट पर तंती का सीधा मुकाबला तीन बार के कांग्रेस विधायक रूपज्योती कुर्मी से है।मारीयानी विधानसभा सीट पर चुनाव पहले चरण के तहत 27 मार्च को होना है।

कोयला घोटाला: बंगाल सीआईडी ने प्रमुख आरोपी के निकट सहयोगी को गिरफ्तार किया

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल अपराध जांच शाखा (सीआईडी) ने करोड़ों रुपए के कोयला घोटाले के प्रमुख आरोपी अरूप माझी उर्फ लाला के एक करीबी सहयोगी को पश्चिम वर्धमान जिले के अंदल से गिरफ्तार किया है। राज्य की जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच शुरू होने के बाद से राज्य अपराध जांच विभाग द्वारा की गई यह पहली गिरफ्तारी है। गिरफ्तार किया गया व्यक्ति रणधीर सिंह काफी समय से लाल के लिए काम कर रहा था और घोटाले में शामिल है। अधिकारी ने बताया , एक सूचना के आधार पर सीआईडी के कर्मियों ने शुक्रवार रात को सिंह को अंदल से गिरफ्तार किया है। घोटाले में उसकी संलिप्तता के बारे में और पता लगाने के लिए उससे पूछताछ कर रहे हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं, वहीं राज्य सीआईडी ने घोटाले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। सीबीआई ने लाल के लिए लुक आउट नोटिस भी जारी किया है। केन्द्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रिश्तेदार एवं डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी की पत्नी और उनकी एक अन्य रिश्तेदार से भी पूछताछ की थी। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापे भी मारे गए थे। गौरतलब है कि राज्य सीआईडी के कर्मी कथित अवैध खनन मामले की जांच के लिए आसनसोल-रानीगंज कोयला इलाके और पश्चिम वर्धमान जिले के कुनुस्तोरिया तथा मजोरा कोयला खदान से कोयला चोरी के मामले की जांच के लिए इन स्थानों पर गए थे।

क्विक न्यूज

राकांपा कार्यकर्ता हत्या मामला: तीन महीने से फरार पत्रकार हैदराबाद से गिरफ्तार

पुणे मुंबई। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पिछले तीन महीने से फरार एक पत्रकार को शनिवार को हैदराबाद में गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि बाल बोथे, अहमदनगर में एक क्षेत्रीय दैनिक अखबार के लिए काम करता था और उसे सुबह गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि आरोपी को आज अदालत में पेश किया जाएगा। अहमदनगर की पारनेर तहसील के जातेगांव फाटा में पिछले साल 30 नवंबर को दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने राकांपा कार्यकर्ता रेखा जारे (39) की हत्या कर दी थी। जारे अपनी मां, बेटे और एक दोस्त के साथ कार में पुणे से अहमदनगर जा रही थी। इस मामले में बोथे मुख्य आरोपी है। अहमदनगर के पुलिस अधीक्षक मनोज पाटिल ने कहा, रेखा जारे हत्याकांड के संबंध में हमने शनिवार सुबह बोथे को हैदराबाद से गिरफ्तार किया। पाटिल ने कहा कि इस मामले में अब तक 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बोथे ने जारे की हत्या की साजिश रची।अहमदनगर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छह टीमों का गठन किया था। इस मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों ने जांच अधिकारियों को अपराध में बोथे की संलिप्तता की जानकारी दी थी।

सभी संघर्ष कर रहे हैं तो अडाणी की संपत्ति 50 फीसदी कैसे बढ़ी: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को सवाल किया कि जब कोरोना महामारी के कारण हर कोई संघर्ष करता नजर आ रहा है तो फिर उद्योगपति गौतम अडाणी की संपत्ति 50 फीसदी कैसे बढ़ गई। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है, जब एक खबर में कहा गया है कि 2021 में अडाणी की संपत्ति 16.2 अरब डॉलर बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गई। कांग्रेस नेता ने यह खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, 2020 में आपकी संपत्ति कितनी बढ़ी? जब उन्होंने 12 लाख करोड़ रुपए बनाए और उनकी संपत्ति 50 फीसदी गढ़ गई तो आप लोग संघर्ष कर रहे थे। क्या आप बता सकते है कि ऐसा क्यों है?

केरल कांग्रेस (जे) ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की

कोट्टायम। कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के सहयोगी दल केरल कांग्रेस (जोसेफ) धड़े ने शनिवार को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी के अध्यक्ष पी जे जोसेफ थोडुपुझा सीट से चुनाव लड़ेंगे। वही, वरिष्ठ नेता मोनसे जोसेफ कडुथुरुथी सीट से, के फ्रांसिस जॉर्ज इडुक्की से जबकि थॉमस उन्नीदान इरिंजालाकुडा सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे।यूडीएफ नेताओं ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि गठबंधन में सीट बंटवारे के मुताबिक केरल कांग्रेस (जोसेफ) 10 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने की आत्महत्या

सुपौल। बिहार के सुपौल जिले के राघोपुर थाना अंतर्गत गद्दी गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने शनिवार को बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों का दल घटनास्थल का मुआयना कर रहा है। मृतकों की शिनाख्त मिश्रीलाल साह (50), उनकी पत्नी (44) , दो बेटियों और नौ वर्ष के एक पुत्र के रूप में की गई है। क्षेत्र में चर्चा है कि आर्थिक तंगी से परेशान होने के कारण मिश्रीलाल ने अपने पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर ली है। इस संबंध में पूछे जाने पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होने बताया कि मिश्रीलाल कोयला बेचकर जीवकोपार्जन करते थे और उनकी बड़ी लड़की ने करीब ढाई साल पहले अंतरजातीय विवाह किया था, जिसके बाद परिवार गांव के लोगों से और रिश्तेदारों से अलग-थलग रहने लगा था।

जम्मू-कश्मीर : पुलिस ने शोपियां से हिज्बुल मजुाहिदीन से जुड़े सात लोगों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले से आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने ट्वीट कर कहा कि आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के लिए काम करने वाले सात लोगों को शोपियां पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार लोगों के पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने 150 से ज्यादा देशों की मदद की: पीयूष गोयल

● गोयल ने कहा भारत के लोगों की यही सोच और मजूबती है कि हम अपनी सुरक्षा करते हुए हमेशा दुनिया का ख्याल रखते है

भाषा। तिरुपति (आंध्र प्रदेश)

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोविड-19 संकट के दौरान दुनिया की मदद का सर्वोत्तम प्रयास किया है। तिरुमला में भगवान वेंकटेश के दर्शन करने के बाद गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि महामारी के दौरान 130 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले देश ने जानलेवा वायरस के कहर से शीघ्र उबर कर पूरी दुनिया को अपनी सामर्थ्य का एहसास कराया है। उन्होंने दावा किया कि महामारी के दौरान भारत किसी पर निर्भर नहीं रहा, बल्कि उसने संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में दुनिया भर की मदद की है। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत के तहत पहले 150 से ज्यादा देशों की दवाओं से मदद की और बाद में 75 से ज्यादा देशों को भारत से कोविड-19 के टीके की आपूर्ति की जा रही है। गोयल ने कहा, भारत के लोगों की यही सोच और मजूबती है कि हम अपनी सुरक्षा करते हुए हमेशा दुनिया का ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा कि तिरुपति बालाजी ने कोविड-19 के दौरान हमें आशीर्वाद दिया और दुनिया की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। रेखांकित करते हुए कि कोविड-19 महामारी अभी समाप्त नहीं हुई है, उन्होंने लोगों से सावधान रहने, मास्क पहनने और दो गज की दूरी की पालन करने सहित अन्य प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब तक सभी का टीकाकरण नहीं हो जाता और इस बीमारी का इलाज नहीं मिल जाता, तब तक हमें इंतजार करना होगा।

तिरुपति के वेंकेटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते रेलमंत्री पीयूष गोयल

राउत ने एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बेलगाम भेजने का आह्वान किया

भाषा। मुम्बई

● सीमा विवाद

शिवसेना के नेता संजय राउत ने शनिवार को कर्नाटक के बेलगाम में रह रहे मराठी लोगों को परेशान किए जाने का आरोप लगाया और कहा कि इस गतिरोध के समाधान के लिए महाराष्ट्र से एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पड़ोसी राज्य में भेजा जाना चाहिए। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पिछले आठ दिनों में बेलगाम में शिवसेना के नेताओं और पार्टी कार्यालय पर कन्नड़ समर्थक संगठनों द्वारा हमला करने की घटनाएं हुई हैं।उन्होंने कहा, बेलगाम भारत का हिस्सा है तथा महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच भाषाई विवाद है। इसे ज्यादा नहीं खींचा जाना चाहिए और यह कर्नाटक सरकार की भी जिम्मेदारी है। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य ने कहा, यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर चली जाती है तो शिवसेना एवं महाराष्ट्र सरकार पर ठीकरा नहीं फोड़ा जाना चाहिए क्योंकि जवाब तब आधिकारिक नहीं बल्कि राजनीतिक होगा। उन्होंने यह कहते हुए केंद्र को बेलगाम में हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया कि उसे पश्चिम बंगाल और उन अन्य स्थानों पर हिंसा नजर आती है जहां भाजपा चुनाव लड़ रही है लेकिन वह बेलगाम के घटनाक्रम को लेकर आंख बंद किए हुए है।राउत ने कहा, महाराष्ट्र सरकार को एक मजबूत कदम उठाना होगा.... बेलगाम में मनमानेपन के शिकार हो रहे मराठी लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वहां भेजा जाना चाहिए। शिवसेना नेता ने आरोप लगाया कि शिवसेना कार्यकर्ताओं पर हमला करने वाले कन्नड़ संगठन कर्नाटक रक्षणा वेदिके को भाजपा का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा, भाजपा से कोई भी नेता इस बारे में कुछ नहीं बोल रहा है। शिवसेना उसी शैली में जवाब दे सकती है लेकिन हम दोनों राज्यों के बीच दरार पैदा नहीं करना चाहते। केंद्र को दखल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह गतिरोध, कर्नाटक के एक पूर्व मंत्री से कथित तौर पर जुड़े सेक्स सीडी स्कैंडल से ध्यान भटकाने की एक कोशिश है। राउत ने कहा कि सीमा विवाद मामला अदालत में होने के बवाजूद कर्नाटक ने बेलगाम में विधान भवन का निर्माण कराया और इसे राज्य की दूसरी राजधानी बनाया।

वायुसेना ने जम्मू-कश्मीर में फंसे 381 यात्रियों को विमान के जरिए लद्दाख पहुंचाया

जम्मू। वायुसेना ने जम्मू-कश्मीर में फंसे 381 लोगों को शनिवार को विमान से लद्दाख पहुंचाया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। करगिल कुरियर सर्विस के मुख्य संयोजक आमिर अली ने कहा कि 197 यात्रियों को सी-17 विमान के जरिए श्रीनगर से लेह जबकि 184 यात्रियों को जम्मू से लेह पहुंचा। पिछले साल दिसंबर में हुई भारी बर्फबारी के चलते 434 किलोमीटर लंबे श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया गया था। इसके मद्देजनर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में फंसे यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए वायुसेना नियमित रूप से सी-17, सी-130 और एन-32 विमानों का संचालन करती है। राजमार्ग को 28 फरवरी को फिर से खोल दिया गया था। लेकिन इस सप्ताह की शुरुआत में ताजा बर्फबारी होने के चलते उसे बंद करना पड़ा।जनवरी में दोनों केन्द्रशासित प्रदेशों के बीच करगिल कुरियर सर्विस शुरू होने के बाद से वायुसेना हजारों यात्रियों को हवाई मार्ग से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा चुकी है।

भारत हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए कोरोना रोधी टीके का उत्पादन करेगा

भाषा। नई दिल्ली

चार देशों के क्वाड समूह के पहले शिखर सम्मेलन में गठबंधन के नेताओं ने शुक्रवार को निर्णय किया कि बृहद टीका पहल के तहत हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को कोविड-19 रोधी टीके की आपूर्ति के लिए उत्पादन क्षमता बढ़ाने को लेकर भारत में भारी निवेश किया जाएगा। इस कदम को टीके आपूर्ति के क्षेत्र में चीन के बढते प्रभाव से मुकाबले के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ चार देशों के समूह के नेताओं के पहले ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। क्वाड नेताओं ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में उभरती स्थिति पर भी चर्चा की और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्वाड समूह के पहले शिखर सम्मेलन में कहा कि गठबंधन विकसित हो चुका है और टीका, जलवायु परिवर्तन, उभरती प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के इसके एजेंडे में शामिल होने से यह वैश्विक भलाई की ताकत बनेगा। उन्होंने अपनी टिप्पणी में कहा, आज का सम्मेलन दिखाता है कि क्वाड विकसित हो चुका है और यह अब क्षेत्र में स्थिरता का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में हम एकजुट हैं, हमने सुरक्षित कोविड-19 टीकों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण क्वाड भागीदारी शुरू की है। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों की मदद के लिए भारत की टीका उत्पादन क्षमता को जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से विस्तारित किया जाएगा। डिजिटल तरीके से शिखर बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के लिए क्वाड महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है तथा एक खुला एवं मुक्त हिन्द-प्रशांत क्षेत्र हमारे भविष्य के लिए अहम है। स्पिरिट ऑफ क्वाड शीर्षक से एक संयुक्त बयान में नेताओं ने कहा कि उन्होंने अपने समय की निर्णायक चुनौतियों पर सहयोग मजबूत करने का संकल्प लिया और वे पूर्वी तथा दक्षिण चीन सागर में नियम-कायदा आधारित व्यवस्था के समक्ष चुनौतियों से मुकाबले के लिए समुद्री सुरक्षा पर तालमेल बढ़ाएंगे। म्यांमा में तख्तापलट के बाद की स्थिति का हवाला देते हुए क्वाड के नेताओं ने जोर दिया कि जल्द लोकतंत्र बहाल करने और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने की प्राथमिकता पर जोर दिए जाने की जरूरत है। सम्मेलन में नेताओं ने सुरक्षित और प्रभावी टीका वितरण के लिए एक टीका विशेषज्ञ कार्य समूह बनाने का फैसला किया। शिखर बैठक के बारे में विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने संवाददाताओं को बताया कि यह निर्णय किया गया कि भारत की निर्माण क्षमता का अमेरिकी टीके के निर्माण के लिए उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा, क्वाड टीका पहल सबसे अधिक जरूरी और मूल्यवान है। श्रृंगला ने कहा, आज के संदर्भ में यह सबसे महत्वपूर्ण पहल है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में देशों को निर्यात के लिए भारत में भारी निवेश पर चर्चा कर रहे है। हम साल 2022 के अंत तक एक अरब खुराक उत्पादन करने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड राष्ट्रों ने अपने वित्तीय संसाधनों, विनिर्माण क्षमताओं और साजो-सामान(लाजिस्टिकल) क्षमता को साझा करने की योजना पर सहमति व्यक्त की। श्रृंगला ने बताया कि अतिरिक्त क्षमता के निर्माण के लिए वित्त पोषण अमेरिका और जापान से आएगा जबकि ऑस्ट्रेलिया साजो सामान एवं आपूर्ति को लेकर योगदान करेगा। ऑस्ट्रेलिया उन देशों को वित्तीय मदद करेगा जिन्हें टीके प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि क्वाड टीका पहल का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कोविड-19 टीकों के विनिर्माण, वितरण में तेजी लाना है।

कोरोना के 24,882 नए मामले, 140 की मौत

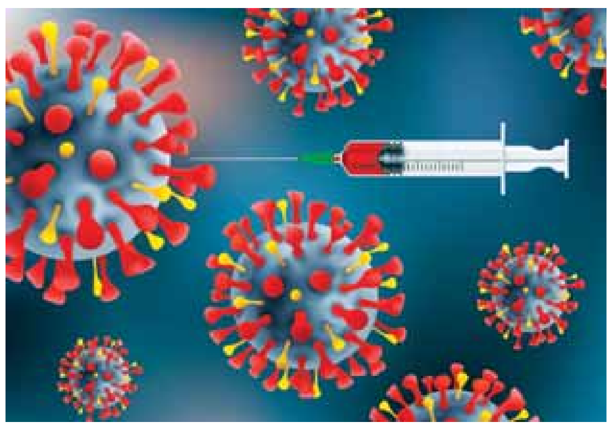

भाषा। नई दिल्ली

भारत में शनिवार को कोविड-19 के 24,882 नए मामले सामने आए। यह एक दिन में इस साल मरीजों की सर्वाधिक संख्या है। इसके साथ ही देश में अबतक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 1,13,33,728 हो गई है। मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक गत 24 घंटे में 140 कोविड-19 मरीजों की मौत हुई है जिन्हें मिलाकर अबतक देश में इस महामारी से 1,58,446 लोगों की जान जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक नए मामलों की संख्या गत 83 दिन में सबसे अधिक है। इससे पहले 20 दिसंबर को 26,624 लोगों के 24 घंटे में संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक देश में इस समय 2,02,022 मरीज उपचाराधीन हैं जो कुल संक्रमितों का 1.74 प्रतिशत है। वहीं, नए मामलों में बढ़ोतरी की वजह से मरीजों के ठीक होने की दर में भी गिरावट आई है और यह 96.82 प्रतिशत पर पहुंच गई है। मंत्रालय के मुताबिक देश में कोविड-19 से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 1,09,73,260 हो गई है। वहीं, संक्रमितों में मृत्युदर 1.40 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त में संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में अभी तक 22,58,39,273 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है। इनमें से 8,40,645 नमूनों की जांच शुक्रवार को की गई थी।

मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे में देश में 140 लोगों की मौत कोविड-19 से हुई है। इनमें सबसे अधिक 56 मरीजों की मौत महाराष्ट्र में हुई है जबकि पंजाब एवं केरल में क्रमश: 34 और 14 मरीजों की जान गई है। पिछले साल कोविड-19 महामारी शुरू होने से अबतक देश में कुल 1,58,446 लोगों की मौत वायरस के संक्रमण से हुई है जिनमें महाराष्ट्र के 52,723, तमिलनाडु के 12,539, कर्नाटक के 12,386, दिल्ली के 10,936, पश्चिम बंगाल के 10,287, उत्तर प्रदेश के 8,743 और आंध्र प्रदेश के 7,180 मरीज शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई है उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

हो सकता है ये नई लहर न हो

भाषा। नई दिल्ली

देश में पिछले 83 दिनों में शनिवार को कोरोना वायरस के सर्वाधिक मामले सामने आने के साथ भले ही हिंदुस्तान में कोरोना वायरस की नई लहर आने की आशंका पैदा हुई हो, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि अधिक से अधिक संख्या में लोगों का टीकाकरण कर और कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन कर इस पर काबू पाया जा सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 24,882 नए मामले सामने आए हैं जबकि एक दिन पहले 23,285 मामले सामने आए थे और यह ग्राफ ऊपर की तरफ बढ़ता जा रहा है। 20 दिसंबर 2020 के बाद यह सबसे अधिक संख्या है जब संक्रमण के 26,624 नए मामले सामने आए थे। वैज्ञानिक मंथन कर रहे हैं कि मामले में क्यों और किस तरह से बढ़ोतरी हुई है, लेकिन वे इस बात पर सहमत हैं कि कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन कर और टीकाकरण अभियान में तेजी लाकर संक्रमण के प्रसार पर रोक लगाई जा सकती है। सीएसआईआर इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के निदेशक अनुराग अग्रवाल ने कहा कि उनके संस्थान के वैज्ञानिक यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या वायरस के ज्यादा संक्रामक प्रकार के कारण मामले बढ़ रहे हैं या लोगों द्वारा एहतियात नहीं बरतने के कारण। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि महामारी की नई लहर चल रही है, लेकिन कुछ चीजें जरूर हो रही हैं। अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, महामारी रोकने के लिए कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन करना और टीकाकरण बेहतर तरीके हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की अप्लायड मेडिकल साइंसेज की प्रमुख मोनिका गुलाटी ने कहा कि भारत में मामलों में बढ़ोतरी अन्य देशों की तरह बहुत

● टीकाकरण और कोविड प्रोटोकॉल के पालन से रुक सकता है संक्रमण

ज्यादा नहीं है, जहां नए स्ट्रेन पाए गए हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह स्ट्रेन बहुत संक्रामक नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी नए प्रकार के कारण हो सकता है, साथ ही आम आदमी के ढीले-ढाले रवैए के कारण हो सकता है।

गुलाटी ने पीटीआई-भाषा से कहा, जिन देशों में नए स्ट्रेन ज्यादा घातक पाए गए हैं वहां नई लहर पुराने की तुलना में ज्यादा प्रचंड है। भारत में नए मामले ज्यादा नहीं हैं, जिसका कारण टीकाकरण अभियान और वर्तमान स्ट्रेन का कम संक्रामक होना है। संक्रमण के नए मामलों का सात दिनों का औसत भारत में 67 फीसदी बढ़ा है। 11 फरवरी तक एक सप्ताह में जहां औसत मामला 10,988 था वहीं बुधवार को समाप्त हुए सप्ताह में बढ़कर औसतन रोजाना 18,371 हो गया। सीएसआईआर सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मोलेक्यूलर बायोलॉजी के निदेशक राकेश मिश्रा ने चेतावनी दी कि अगर वर्तमान रुख बना रहता है तो नई लहर आ सकती है और यहां विकसित वायरस का नया प्रकार सामने आ सकता है। मिश्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा, नई लहर की संभावना है। फिलहाल यह कई राज्यों में हो रहा है जिसमें महाराष्ट्र भी शामिल है। लेकिन कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन कर इससे बचा जा सकता है। विषाणु विज्ञानी उपासना राय ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि वर्तमान में दूसरी लहर चल रही है, लेकिन कहा कि मामलों में बढ़ोतरी का रूख बना हुआ है।

जयपुर में शनिवार को गर्मी भरे दिन में ऐतिहासिक जंतर-मंतर घूमने आयीं पर्यटक।

इसरो ने ऊंचाई पर वायु में अंतर एवं प्लाज्मा डायनेमिक्स के अध्ययन के लिए रॉकेट प्रक्षेपित किया

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऊंचाई पर होने वाली हवाओं में आने वाले अंतर और प्लाज्मा गतिकी (डायनेमिक्स) का अध्ययन करने के लिए श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से एक परिज्ञापी रॉकेट (साउंडिंग रॉकेट) प्रक्षेपित किया है। इसरो के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय के मुताबिक , संगठन ने परिज्ञापी रॉकेटों की श्रृंखला विकसित की है जिसे रोहिणी श्रृंखला कहते हैं और इनमें से आरएच-200, आरएच-300 और आरएच-560 महत्वपूर्ण हैं। ए नाम इन रॉकेटों के व्यास को मिलीमीटर में इंगित करते हैं। इसरो ने ट्वीट किया, आज (शुक्रवार को) श्रीहरिकोटा स्थित एसडीएससी एसएचएआर से परिज्ञापी रॉकेट (आरएच-560) को ऊंचाई के साथ हवा और प्लाज्मा गतिकी में आने वाले अंतर का अध्ययन करने के लिए प्रक्षेपित किया गया।

स्वतंत्र व्यक्ति होंगे राज्यों में निर्वाचन आयुक्तः सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया है कि स्वतंत्र व्यक्ति राज्य निर्वाचन आयुक्त होंगे न कि केंद्र या राज्य सरकार की नौकरी करने वाला या उससे जुड़ा कोई व्यक्ति। इसके साथ ही न्यायालय ने गोवा के विधि सचिव को चुनाव आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने को संवैधानिक प्रावधानों का मजाक करार दिया।

एक महत्वपूर्ण फैसले में शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि अगर कोई व्यक्ति किसी भी राज्य में एसईसी के पद पर तैनात है तो ऐसे व्यक्ति को पद से तुरंत हट जाने के लिए कहा जाना चाहिए और संबंधित राज्य सरकार इस उच्च संवैधानिक पद पर केवल स्वतंत्र व्यक्ति को नियुक्त कर संविधान के अनुच्छेद 243 (के) को मानने के लिए बाध्य है। न्यायमूर्ति आर. एफ. नरीमन की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी किया। इस अनुच्छेद के तहत शीर्ष अदालत को न्याय के हित में कोई भी आदेश पारित करने का अधिकार है।

पीठ में न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति हृषिकेश राय भी शामिल थे जिन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं कि संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक चुनाव कराने के लिए स्वतंत्र राज्य चुनाव आयुक्त को नियुक्त किया जाना जरूरी है। ये टिप्पणियां और निर्देश 96 पन्नों के फैसले में दिए गए जिसे न्यायमूर्ति नरीमन ने गोवा में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने से जुड़ी कई याचिकाओं पर दिए। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर शनिवार को अपलोड किए गए फैसले में बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा गया है जिसने चार फरवरी को निगम प्रशासक के एक आदेश को दरकिनार कर दिया जिसमें गोवा में पांच नगर परिषद में स्थानीय शहरी निकाय चुनावों में महिलाओं और ओबीसी को आरक्षण देने को मंजूरी दी थी। पीठ ने गोवा राज्य निर्वाचन आयोग को यह निर्देश भी दिया कि शुक्रवार से दस दिनों के भीतर वह पंचायत चुनावों के लिए अधिसूचना जारी करें और चुनाव प्रक्रिया 30 अप्रैल तक पूरी करे।

न्यायमूर्ति नरीमन मुखतः चुनावों और एसईसी से जुड़े संवैधानिक प्रावधान देखते हैं। न्यायमूर्ति नरीमन ने कहा, राज्य निर्वाचन आयुक्त राज्य सरकार से इतर स्वतंत्र व्यक्ति होना चाहिए क्योंकि वह महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकारी होता है जो राज्य में पूरे चुनावी प्रक्रिया के साथ ही पंचायतों एवं नगर निगमों के चुनाव को भी देखता है।

नायडू ने राज्यसभा सदस्यों से कहा

ऐसा कुछ मत करिए या कहिए जिससे भारत की छवि खराब हो

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को सदन के सदस्यों से कहा कि वे ऐसा कुछ मत करें या कहें जिससे भारत की छवि को नुकसान पहुंचता हो और जिसका इस्तेमाल देश के दुश्मन कर सकते हों। ऊपरी सदन के नए सदस्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चर्चा, तर्क-वितर्क और निर्णय लेना लोकतंत्र के मंत्र हैं तथा सदस्यों को सदन में व्यवधान का रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। नायडू ने कहा कि स्वतंत्र लेखन और अभिव्यक्ति की लोकतंत्र में अनुमति है, लेकिन ए समाज में कड़वाहट का कारण नहीं बनना चाहिए। उन्होंने राज्यसभा सदस्यों का आह्वान किया कि वे नियमों का हवाला देकर सदन में व्यवधान पैदा नहीं करें। सभापति ने इस बात का उल्लेख किया कि विपक्षी सदस्य अक्सर नियम 267 का हवाला देते हैं, लेकिन इसका इस्तेमाल आपात परिस्थिति में ब्रह्मास्त्र के तौर पर होना चाहिए। नायडू ने कहा कि सदन में अक्सर व्यवधान पैदा हो जाता है और यह कुछ नियमों का हवाला देते हुए होता है...अगर आप बार-बार नियम 267 की मांग करेंगे तो सदन नहीं चला सकते। उल्लेखनीय है कि नियम 267 के तहत संबंधित दिन के संसदीय कामकाज को रद्द कर उस मुद्दे पर चर्चा की जाती है जिसकी मांग इस नियम के तहत की गई हो। विपक्षी सदस्य सदन में अक्सर इस नियम का हवाला देते हैं। मौजूदा बजट सत्र में भी कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने इसी नियम के तहत महंगाई और किसानों के मुद्दों पर चर्चा की मांग की। नायडू ने सदस्यों से कहा कि वे एकजुट और समावेशी भारत के लिए बात करें और काम करें।

ईडी ने झारखंड की कंपनी, उसके निदेशकों की 100 से अधिक अचल संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड की कंपनी, उसके निदेशकों और उनके परिवार के सदस्यों की 55 करोड़ रुपए मूल्य से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। उन पर कई निवेशकों को भूखंड दिलाने का वादा कर उनसे ठगी करने का आरोप है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। कुर्क की गई संपत्ति में 102 अचल संपत्ति शामिल है।

धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत संजीवनी बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड (एसबीपीएल) के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। ईडी के बयान में कहा गया है, कुर्क की गई संपत्ति में रांची स्थित 98 अचल संपत्ति, रायपुर में तीन दुकानें और एसबीपीएल, इसके निदेशकों और उनके रिश्तेदार जयंत दयाल नंद, उनकी पत्नी अनिता दयाल नंद, एक और निदेशक श्याम किशोर गुप्ता के अलावा एक अन्य निदेशक प्रकाश प्रसाद लाला की पत्नी रंजना श्रीवास्तव के नाम से सावधि जमा (एफडी) शामिल है।

प. बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दल नारों और पैरोडी का कर रहे हैं इस्तेमाल

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार तेज होने के साथ ही राजनीतिक दल अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधने के लिए नारों और लोकप्रिय गीतों की पैरोडी का इस्तेमाल कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के खेला होबे गीत की सफलता के बाद, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और राज्य में ममता बनर्जी सरकार की नीतियों की आलोचना करने के लिए वाम दल शाहरुख खान अभिनीत फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के गीत लुंगी डांस की पैरोडी लेकर आए हैं। तृणमूल कांग्रेस पर हमले को और तीखा करने के लिए पैरोडी में विभिन्न मुद्दों जैसे कि कोयला खदान से कोयला चोरी, सारदा घोटाले, कट-मनी आरोपों की ओर इशारा किया गया है। वाम ने भाजपा को भी नहीं छोड़ा है। वाम ने ईंधन की बढ़ती कीमतों, लाभकारी सार्वजनिक निकायों के निजीकरण सहित अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। करीब सवा तीन मिनट का गीत हाल फेरो लाल फेराओ में लोगों से पश्चिम बंगाल के गौरव को बहाल करने के लिए वाम मोर्चा को वोट देने की अपील की गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और जादवपुर से उसके उम्मीदवार सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि पैरोडी का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाना है और यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। माकपा की छात्र इकाई एसएफआई की राज्य समिति के सदस्य शुभाजीत सरकार ने कहा, हमें उम्मीद है कि हम संगीत के माध्यम से अपने संदेशों को लोगों तक तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी की ब्रिगेड रैली (वाम, कांग्रेस और आईएसएफ) में भाग लेने के लिए लोगों से अपील करने वाले टुम्पा सोना पैरोडी की अपार सफलता के बाद, हमें यकीन है कि यह भी काफी सफल होगा। इससे पहले, भाजपा ने इटली के प्रसिद्ध गीत बेला सियाओ के आधार पर अपना प्रचार गीत पिशी जाओ जारी किया था।

भाजपा सरकार के चार साल पूरे होने के कार्यक्रम रद्द

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने 18 मार्च को प्रदेश की भाजपा सरकार के चार साल पूरे होने के मौके पर सभी 70 विधानसभाओं में प्रस्तावित कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया है। मुख्य सचिव ने इसकी जानकारी दी। मुख्य सचिव ने इस संबंध में जारी अपने आदेश में कहा कि 18 मार्च को विधानसभा वार प्रस्तावित कार्यक्रमों को अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने 18 मार्च को अपनी सरकार के चार साल पूरा होने के उपलक्ष्य में हर विधानसभा में भव्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की थी। हालांकि, नौ मार्च को ही उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया और उनकी जगह तीरथ सिंह रावत प्रदेश के नए मुख्यमंत्री बने। नए मुख्यमंत्री के आने के बाद 18 मार्च को प्रस्तावित कार्यक्रमों में थोडा बहुत बदलाव करते हुए मुख्य सचिव ने शुक्रवार को सभी विधानसभाओं में एक साथ कार्यक्रम आयोजित करने के आदेश जारी किए थे।

उच्चतम न्यायालय ने हिप्र उच्च न्यायालय के एक फैसले को बताया समझ में नहीं आने वाला

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के एक समझ से परे फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह के अदालती आदेश न्याय तक नागरिकों की पहुंच को सुनिश्चित करने के उद्देश्य को पूरा नहीं करते हैं और उनकी समझ में नहीं आ सकते हैं। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि फैसलों में उसके पीछे के तर्क और उस विचार प्रक्रिया से अवगत कराने का मकसद होता है, जो अदालत को अंतिम निष्कर्ष तक ले जाती है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने एक अपील पर सुनवाई के दौरान यह कहा। यह अपील, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य ने एक कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनिक कार्वाई से उपजे विषय में दायर की थी। पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी और कहा कि बैंक और अन्य के खिलाफ केंद्र सरकार औद्योगिक अधिकरण के फैसले के मुताबिक कोई कठोर कार्वाई नहीं की जाए। पीठ ने शुक्रवार को जारी अपने आदेश में कहा, हमने यह पाया कि उच्च न्यायालय के फैसले की भाषा समझ में आने लायक नहीं है। फैसले का मकसद उस तर्क और विचार प्रक्रिया से अवगत कराना होता है, जो निर्णय करने वाले मंच को अंतिम निष्कर्ष तक ले जाता है। शीर्ष न्यायालय ने उस कर्मचारी को नोटिस जारी किया, जिसके खिलाफ अनुशासनिक कार्वाई की गई थी। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय की खंड पीठ के 27 नवंबर 2020 के फैसले में बताई गई वजह 18 पृष्ठों से अधिक में है, लेकिन समझ से परे है। उच्च न्यायालय के इस फैसले के जरिए एसबीआई और अन्य की संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर याचिका खारिज कर दी गई थी।

पेज 1 का शेष

कोविशील्ड के...

जोर दिया कि वैक्सीन और खून के थक्के जमने के बीच कोई लिंक नहीं पाया गया है। दो चरणों में अभी तक 2.82 करोड़ से ज्यादा लोगों को टीका लगाया जा चुका है। पहले चरण में फ्रंटलाइन तथा स्वास्थ्य कर्मियों को और दूसरे में 60 साल से ज्यादा तथा 45 साल से अधिक अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। इस बीच, देश में शनिवार को पिछले 83 दिनों में कोरोना के सबसे ज्यादा केस आए। वैज्ञानिकों का कहना है कि देश महामारी की एक नई लहर की ओर बढ़ रहा है लिहाजा ज्यादा से ज्यादा संख्या में टीकाकरण तथा कोविड प्रोटोकॉल को अपना कर इसको काबू किया जा सकता है। खतरे की घंटी बज चुकी है, विशेषज्ञ अभी इस बात में उलझे हैं कि इसे महामारी की नई लहर कहा जाए या नहीं। वैज्ञानिक इस चिंता में डूबे हैं कि मामलों में कैसे बढ़ोतरी हुई लेकिन इस बात पर सहमत हैं कि कोविड-19 प्रोटोकॉल तथा टीकाकरण की रफ्तार को तेज कर इस पर अंकुश लगाया जा सकता है। सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के निदेशक अनुराग अग्रवाल ने कहा कि इस संस्थान के वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं क्या यह बढ़ोतरी ज्यादा संक्रामक वैरिएंट के कारण है या लोगों द्वारा एहतियाती उपायों में ढिलाई बरतने से यह हुआ। हालांकि अभी तस्वीर कुछ साफ नहीं है लेकिन महामारी की नई लहर रास्ते में यह बात तो तय है।

मास्क सही...

पालन नहीं कर रहे हैं। इसमें सही से मास्क नहीं पहनना भी शामिल है। डीजीसीए ने कहा, यदि कोई यात्री बार-बार चेतावनी दिए जाने के बाद भी सही से मास्क नहीं पहनता है, तो उसे उड़ान से उतार दिया जाना चाहिए। विमान के उड़ान भरने के बाद यदि कोई यात्री मास्क सही से नहीं पहनता है या सामाजिक दूरी का पालन नहीं करता है, तो उसे अनियंत्रित यात्री माना जाना चाहिए।

भाजपा से...

ममता बनर्जी ने बंधक के रूप में वहां जाने की पेशकश की थी। सिन्हा ने 24 दिसंबर 1999 को एअर इंडिया के विमान के अपहरण की घटना को याद करते हुए कहा कि जब भारतीय विमान (आईसी 814) को हाईजैक कर लिया गया था और उसे अपहरणकर्ता अफगानिस्तान के कंधार ले गए थे, तब मंत्रिमंडल की एक बैठक हुई थी। उसमें ममता ने यह पेशकश की थी कि वह बंधक के रूप में जाएंगी, लेकिन शर्त यह होगी कि आतंकवादियों को अन्य यात्रियों को रिहा करना होगा। वह शुरू से ही योद्धा रही हैं। उन्हें अपनी जान का डर नहीं है। सिन्हा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में उस वक्त (1999 में) केंद्रीय वित्त मंत्री थे। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस तत्कालीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में सहयोगी पार्टी थी। सिन्हा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत समय की मांग है। उन्होंने कहा कि इससे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार की हार और देश को बचाने के लिए संदेश जाएगा।

नंदीग्राम की...

भाजपा की अगुवाई वाली सरकार किसानों और उनके आंदोलन की रीढ़ तोड़ने पर आमादा है। उन्होंने कहा कि यह जन-विरोधी सरकार है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि भाजपा को वोट मत देना। अगर उन्हें वोट दिया तो वे आपकी जमीन बड़े कारपोरेट्स और उद्योगों को देकर आपको भूमिहीन बना देंगे। वे आपकी आजीविका को दांव पर लगाकर देश के बड़े उद्योगपति समूहों को जमीन सौंप देंगे और आपको खतरे में डाल देंगे। टिकैत ने भाजपा को धोखेबाजों की पार्टी कहते हुए कहा कि हम भाजपा का विरोध करने वालों और किसानों तथा गरीबों के साथ खड़े होने वालों के पाले में रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में किसान महापंचायत का मतलब राज्य में किसी विशेष गैर-भाजपा पार्टी को समर्थन देना नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यहां किसी विशेष पार्टी के लिए वोट मांगने के लिए नहीं आया हूं। हम यहां बंगाल में किसानों की ओर से भाजपा के खिलाफ लड़ाई शुरू करने के लिए अपील कर रहे हैं। नंदीग्राम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन की यह भूमि केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन को एक नई दिशा देगी। दिल्ली की सीमाओं पर जारी आंदोलन पर उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी लंबे समय तक अपना आंदोलन जारी रखने के लिए तैयार हैं क्योंकि उनका उनका मनोबल ऊंचा है।

अंबानी केस...

कहा गया है, यह अदालत आवेदक (वाजे) को अंतरिम जमानत देने के लिए सहमत नहीं है क्योंकि आवेदक के विरूद्ध प्रथमदृष्टया साक्ष्य और सामग्री हैं। हिरासत में लेकर उससे पूछताछ करने की जरूरत है। वाजे ने अग्रिम जमानत के लिए शुक्रवार को याचिका दायर की थी। वाजे के वकील ए एम कालेकर ने शुक्रवार को इस आधार पर अदालत से अपने मुवक्किल को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने का अनुरोध किया था कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। लेकिन अतिरिक्त सरकारी वकील विवेक काडू ने इस अनुरोध का विरोध किया और दलील दी कि इस मामले में जांच अहम पड़ाव पर है। अंतरिम जमानत देने से इनकार करते हुए अदालत ने कहा कि इस मामले में आरोप भादंसं की धाराओं--302 (हत्या), 201 (सबूत नष्ट करना) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत हैं, जो गंभीर प्रकृति के अपराध हैं। अदालत ने कहा, इस अदालत ने पाया कि 27-28 फरवरी, 2021 को मनसुख हिरन मुम्बई में आवेदक के साथ थे। उसने कहा कि हिरन की पत्नी ने अपनी शिकायत में वाजे का नाम लिया है। अदालत ने कहा, सूचनाकर्ता (हिरन की पत्नी) ने प्राथमिकी में आवेदक के खिलाफ प्रत्यक्ष आरोप लगाए हैं। इसलिए यह अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि जांच शुरूआती चरण में है। अदालत ने याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 19 मार्च तय की है और महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के जांच अधिकारी को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। एटीएस इस मामले की जांच कर रहा है। वाजे ने याचिका में कहा है कि हिरन की मौत के संबंध में एटीएस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में किसी व्यक्ति के नाम का उल्लेख नहीं है।

प्रचंड की...

का निर्णय लिया है और यूएमएल द्वारा नामित नेताओं से कहा है कि वे 24 घंटे के भीतर अपना रुख स्पष्ट करें। पार्टी के फैसलों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्वाई शुरू की जाएगी। कानूनी प्रावधान के मुताबिक यदि सांसद पार्टी छोड़ते हैं या उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जाता है तो उनकी संसद सदस्यता भी रद्द हो जाती है। गौरतलब है कि कुछ ही दिन पहले नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने सीपीएन(यूएमएल) और सीपीएन (माओइस्ट सेंटर) का 2018 में हुआ एकीकरण रद्द कर दिया था। इन दोनों पार्टियों का नेतृत्व क्रमशः ओली और प्रचंड कर रहे थे। मई 2018 में दोनों दलों ने आपस में विलय कर एकीकृत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किया था। यह घटनाक्रम, 2017 के आम चुनावों में दोनों पार्टियों के गठबंधन को मिली जीत के बाद हुआ था।

पत्रकारों पर...

पहले लगभग पांच बजे फरीद शम्सी और उवैदुल रहमान नाम के व्यक्ति जो स्वयं को पत्रकार बता रहे थे, वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं पर लगातार छींटाकशी कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रेस कांफ्रेंस समाप्त होने के बाद समय करीब साढ़े सात बजे दोनों लोग अपनी प्रेस आईडी दिखाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा को धता बताकर जबर्दस्ती पूर्व मुख्यमंत्री की बाईट लेने के बहाने सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुस गए। वीआईपी सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों को धक्का देते हुए मारपीट करने लगे और और अपने कैमरों के साथ बेहोशी का नाटक करते हुए जमीन पर लेट गए। दोनों ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत पूर्व मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल किया। उल्लेखनीय है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 11 मार्च को मुरादाबाद के दौरे पर गए थे जहां उनकी पत्रकार वार्ता के बाद पत्रकारों से मारपीट का आरोप लगा है। इस मामले में मुरादाबाद के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने पुलिस को जांच के आदेश दिए थे। इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पत्रकारों ने अपना आक्रोश प्रकट किया था।

श्रीलंका बुर्के...

1,000 से अधिक मदरसों पर भी प्रतिबंध लगाएगी क्योंकि यह विभागों के पास पंजीकृत नहीं हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुसरण नहीं करते हैं। श्रीलंका की आबादी करीब दो करोड़ बीस लाख है, जिनमें से मुस्लिमों की आबादी करीब नौ प्रतिशत, हिंदुओं की 15 फीसदी और बौद्धों की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी है।

तमिल मूल...

एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को मुफ्त डाटा के साथ टैबलेट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर द्रमुक सत्ता में आती है तो पेट्रोल एवं डीजल पर लगे करों में कटौती कर क्रमशः पांच और चार रुपए की कमी की जाएगी। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलिंडर पर 100 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। स्टालिन ने कहा कि वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता की मौत की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित समिति (अरुमुगसामी समिति) की सिफारिशों को लागू करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर द्रमुक सत्ता में आई तो तमिलनाडु के उद्योगों में 75 प्रतिशत नौकरियां स्थानीय लोगों को देने के लिए कानून बनाया जाएगा। द्रमुक ने हिंदू मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 1000 करोड़ रुपए और गिरजाघरों एवं मस्जिदों की मरम्मत के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित करने का वादा किया है। पार्टी ने इनके अलावा बेहतर जल प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, सरकारी नौकरियों में महिला आरक्षण बढ़ाने, वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी करने और भूख उन्मूलन के लिए कलैगनार उनवगम नाम से भोजनालय खोलने का वादा किया है।

पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा के लिए पश्चिम बंगाल में जीत जरूरीः दिलीप घोष

भाषा। कोलकाता

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख दिलीप घोष ने शनिवार को कहा कि पार्टी को न केवल अपनी वैचारिक पहुंच को बढ़ाने बल्कि देश की पूर्वी सीमाओं की रक्षा करने के वास्ते भी राज्य के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के अपने मिशन को पूरा करना है।

घोष ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा की विचारधारा, उसकी बढ़ी हुई संगठनात्मक ताकत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता उसकी शक्ति है जबकि राज्य में विभिन्न स्तरों पर पार्टी में लोकप्रिय चेहरों की कमी चुनावों में भगवा खेमे की कमियों में से एक है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए न केवल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म यहां हुआ था बल्कि इसलिए भी क्योंकि देश की सुरक्षा इसके साथ जुड़ी हुई है। हमने राज्य की सत्ता में आने के अवसर के लिए लंबे समय तक इंतजार किया है। यह हमारा मिशन और चुनौती है। भाजपा नेता ने कहा, बांग्लादेश के साथ भारत की सीमा, जो पश्चिम बंगाल में आती है, वह देश में सबसे अधिक असुरक्षित है। केन्द्र कश्मीर और अन्य अशांत क्षेत्रों में शांति लाने में समक्ष रहा है लेकिन पूर्वी सीमाएं आतंकवादी तत्वों के लिए देश में घुसपैठ कर अशांति पैदा करने के वास्ते एक पारगमन बिंदु में बदल गई है। दो-तिहाई बहुमत के साथ पश्चिम बंगाल की सत्ता में आने का विश्वास व्यक्त करते हुए घोष ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार विफल रही है और उसने 2011 में राज्य की सत्ता में लाने वाले लोगों की आकांक्षाओं को धोखा दिया है। राज्य विधानसभा की 294 सीटों के लिए आठ चरणों में होने वाले चुनावों के पहले चरण में 27 मार्च को मतदान होगा जबकि आखिरी चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। परिणामों की घोषणा दो मई को की जाएगी। घोष ने कहा कि भाजपा पार्टी के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के बलिदान और राज्य में कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण राज्य की सत्ता में आने में सक्षम है लेकिन विभिन्न स्तरों पर लोकप्रिय चेहरों की कमी पार्टी के लिए एक खामी है। उन्होंने कहा, हमारी विचारधारा, मोदी जी की लोकप्रियता और हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत हमारी ताकत है लेकिन हमें तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए विभिन्न स्तरों पर कई लोकप्रिय चेहरों की जरूरत है। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के पास कई चेहरे हैं क्योंकि वे दस वर्षों से सत्ता में हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या पुराने नेताओं और नए चेहरों के बीच तकरार से चुनावों में भाजपा पर असर पड़ेगा तो उन्होंने कहा कि सभी को पार्टी के नियम कायदों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा, हर किसी को टिकट नहीं मिल सकता है। केवल कुछ उम्मीदवार होंगे और अन्य को उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों के अनुसार काम करना होगा। कोई भी पार्टी से ऊपर नहीं है। भाजपा के सूत्रों और खबरों में इस तरह के संकेत दिए गए है कि आरएसएस अन्य राजनीतिक दलों के कुछ नेताओं को भाजपा में शामिल करने से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, पार्टी छोड़ना अच्छी बात नहीं है और हम (पश्चिम बंगाल की सत्ता में आने के बाद) इसे रोकेंगे। लेकिन लोकतंत्र में संख्या महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मप्र डीजीपी को कांग्रेस नेता हत्याकांड में विधायक के पति की गिरफ्तारी के निर्देश दिए

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दो साल पहले हुई कांग्रेस नेता देवेंद्र चौरसिया की हत्या के मामले में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा आरोपी बसपा विधायक के पति को गिरफ्तार करने में नाकाम रहने को लेकर नाराजगी जताई और राज्य के पुलिस महानिदेशक को आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने दमोह पुलिस अधीक्षक द्वारा एक न्यायिक अधिकारी के कथित उत्पीड़न का भी संज्ञान लिया और राज्य के पुलिस प्रमुख को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के निर्देश दिए। इस मामले की सुनवाई कर रहे एएसजे ने बसपा विधायक रामबाई सिंह के पति गोविंद सिंह को इस मामले में हत्या आरोपी के तौर पर शामिल किया था। न्यायाधीश ने आठ फरवरी के अपने आदेश में उल्लेख किया था कि उन पर दमोह के पुलिस अधीक्षक और उनके अधीनस्थों द्वारा दबाव डाला जा रहा है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने पाया कि गैर जमानती वारंट के बावजूद गोविंद सिंह गिरफ्तारी से बचता रहा। पीठ ने कहा, हम मामले के मुताबिक मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को दूसरे प्रतिवादी गोविंद सिंह की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और इस अदालत में व्यक्तिगत हलफनामा दायर कर रिपोर्ट सौंपें। पीठ ने कहा कि न्यायिक अधिकारी ने दावा किया है कि आरोपी ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए, जोकि बेहद प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान

पूर्व विधायकों के समूह ने जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करने की अपील की

भाषा। जम्मू

विभिन्न राजनीतिक दलों से संबंधित पूर्व विधायकों के एक समूह ने शनिवार को यहां एक बैठक की, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को अराजक करार दिया और यहां लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रक्रिया को जल्द बहाल करने की मांग की। नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस से जुड़े पूर्व मंत्रियों, विधायकों और एमएलसी ने कुछ सरकारी कार्यालयों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता व्यक्त की और तंत्र को ठीक करने में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के हस्तक्षेप की मांग की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्व विधायक काजी जलाल-उद-दीन के नेतृत्त्व में आयोजित बैठक के बाद एक बयान जारी करते हुए, इसमें शामिल नेताओं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व विधायकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की वर्तमान राजनीतिक संकट से बाहर निकालने में रचनात्मक भूमिका होगी। पूर्व विधायक परिषद के बैनर तले जारी बयान में कहा गया, हम मौजूदा स्थिति के लिए मूकदर्शक नहीं बने रह सकते। इसके बजाय, हम सरकार और लोगों के बीच की खाई को पाटने के प्रयास में जनता और प्रशासन के पास जाएंगे। बयान में कहा गया कि परिषद ने जम्मू-कश्मीर की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर चर्चा की और उनका मानना है कि एक राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली पर मौजूदा गतिरोध आम जनता के दुखों को और बढ़ाएगा। बयान में कहा गया है कि उसने राजनीतिक प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए केंद्र सरकार को समझाने के लिए उपराज्यपाल के हस्तक्षेप की मांग की।

विवाद में 17 साल के लड़के को जूते चाटने पर किया मजबूर, एक आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (भाषा)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में पैसों के लेनदेन के विवाद में 17 साल के एक लड़के को कुछ लोगों द्वारा सिगरेट पीने और जूते चाटने पर मजबूर करने तथा उसकी पिटाई करने का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस ने शनिवार को चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर के गोरा बाजार पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक सहदेव साहू ने बताया कि आरोपी दीपक पासी सहित चार लोगों के खिलाफ अपहरण और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। इनमें से पासी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह विवाद दो हजार रुपए के लेनदेन को लेकर हुआ। पीड़ित लड़का जब बृहस्पतिवार रात को घर नहीं लौटा तो उसके माता-पिता ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद लड़के की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। साहू ने बताया कि पुलिस जांच में पता चला कि चारों आरोपी पीड़ित लड़के को नयागांव इलाके के एक मैदान में ले गए। वहां आरोपियों में से एक ने लड़के को कई थप्पड़ मारे, जबकि दूसरे ने उसे सिगरेट पिलाने की कोशिश की और उन सभी ने लड़के को जीभ से अपने जूते चाट कर साफ करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने बताया कि पासी को दो दिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जारकीहोली की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ जबरन वसूली और साजिश का मामला दर्ज

बेंगलुरु (भाषा)। बेंगलुरु पुलिस ने शनिवार को भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ साजिश और ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज किया। जारकीहोली ने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। पूर्व मंत्री ने अपनी शिकायत की कॉपी सौंपने के लिए पुलिस से सीधे संपर्क करने के बजाय, अपने विश्वासपात्र एम वी नागराज को दोपहर में सदाशिवनगर थाने भेजा। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, जबरन वसूली और जालसाजी का मामला दर्ज किया। शिकायत में, जारकीहोली ने किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन आरोप लगाया है कि पैसे वसूलने के इरादे से कुछ लोगों ने उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक करियर को खत्म करने और उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए एक फर्जी सीडी (वीडियो) बनाकर पिछले तीन महीनों से उनके खिलाफ साजिश चल रही थी। जारकीहोली ने अपने बयान में कहाकि इसमें कई लोग शामिल हैं, उनमें से कुछ ने राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए साजिश रची, फर्जी सीडी तैयार किया और इसे इंटरनेट पर डाला। पत्रकारों से बात करते हुए, जारकीहोली ने कहा कि उन्होंने कानूनी रूप से मुकदमा लड़ने का फैसला किया है। दिन में इससे पहले कथित सेक्स स्कैंडल की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल ने बेंगलुरु के देवनहल्ली के पास विजयपुरा से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, जो कथित रूप से साजिश का हिस्सा था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस मामले में अब तक एक हैकर सहित छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। गौरतलब है कि विधानसभा सत्र से ठीक दो दिन पहले चार मार्च को एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जारकीहोली पर एक महिला का शोषण करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

शेखावत ने ममता बनर्जी को लिया आड़े हाथों

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को उस घटना पर संदेह व्यक्त किया जिसमें चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री घायल हो गई थीं। उन्होंने जानना चाहा कि क्या यह घटना सुविचारित तो नहीं थी। बनर्जी बुधवार की शाम नंदीग्राम विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान अज्ञात लोगों द्वारा कथित तौर पर धक्का दिए जाने के बाद घायल हो गई थीं। हालांकि, इस घटना के बारे में चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा भेजी एक रिपोर्ट में बनर्जी के इस आरोप का कोई उल्लेख नहीं था कि चार से पांच लोगों ने उन पर हमला किया था।शेखावत ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की सुनामी आएगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा राज्य में तेजी से आगे बढ़ रही है। चुनाव परिणामों पर बनर्जी के घायल होने से पड़ने वाले प्रभाव के बारे में उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, सवाल यह है कि क्या यह घटना सुविचारित तो नहीं थी। वही सवाल है जब दिल्ली में एक थप्पड़ की गूंज सुनाई दी थी

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की थी और दावा किया था कि बनर्जी पर हमला एक साजिश है जबकि भाजपा ने मांग की थी कि इस कथित घटना के वीडियो फुटेज को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। डाक्टरों ने बनर्जी की हालत में संतोषजनक सुधार होने के बाद उन्हें शुक्रवार को कोलकाता में सरकारी एसएसकेएम अस्पताल से छुट्टी दे दी थी।

असम और पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे अमित शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रविवार से असम और पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे, जहां वह जनसभाओं के संबोधित करने के अलावा अन्य राजनीतिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

भाजपा सूत्रों ने कहा कि शाह रविवार को असम के मार्गरीटा और नाजिरा में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह बंगाल रवाना हो जाएंगे और शाम के समय खड़गपुर में रोड शो करेंगे। सोमवार को शाह पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम और रानीबंद में जनसभाओं को संबोधित करेंगे और फिर गुवाहाटी रवाना हो जाएंगे। वहां पर वह टाउन हॉल कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा पश्चिम बंगाल में पार्टी के उन 129 कार्यकर्ताओं के परिवारों से भी मुलाकात कर सकते हैं, जो बीते पांच साल में कथित रूप से राजनीतिक हिंसा में मारे गए हैं।

भाजपा हिंसा के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार बताती रही है। सूत्रों ने कहा कि दोनों नेता आने वाले दिनों और सप्ताहों में छोटे-छोटे समूहों में इन परिवारों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने कहा कि शाह पार्टी के 86 मृत कार्यकर्ताओं के परिवारों के सदस्यों से मुलाकात करेंगे जबकि नड्डा शेष परिवारों से मिलेंगे।

पीएम मोदी व श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे ने ज्वलंत घटनाक्रमों पर चर्चा की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शनिवार को टेलीफोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग और ज्वलंत घटनाक्रमों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी एक बयान में बताया गया है कि दोनों नेताओं ने संबंधित अधिकारियों के बीच नियमित संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमति जताई। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने कई ज्वलंत घटनाक्रमों पर चर्चा की और द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच जारी सहयोग की समीक्षा की। इस बीच टेलीफोन कॉल के बाद मोदी ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति गोटबाया आर के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। हमने कोविड-19 समेत हमारे द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। पीएमओ ने बयान में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर दोहराया कि श्रीलंका भारत की पड़ोस प्रथम नीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

लेवी के विवाद में मुंशी की हत्या

लातेहार। झारखंड के लातेहार में शुक्रवार रात झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के उग्रवादियों ने पुल निर्माण कार्य में लगे एक ठेकेदार के मुंशी विष्णु देव सिंह (32) की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना सदर थाना क्षेत्र के बरैनी गांव के निकट घटी।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री फेरे सिंह पुत्र स्व० श्री केहरी प्रसाद एक संपत्ति नं 745-A2/7, खसरा न. 93, गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली 110019 को श्री समीर राय पुत्र श्री संतोष राय को बेचने का इरादा रखते हैं। उपरोक्त संपत्ति मेसर्स हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा बंधक प्रस्तावित है। आगे सूचित हो की श्री राजवीर व् श्री फेरे सिंह के अलावा श्री खेरी प्रसाद के अन्य कोई विधिक उत्तराधिकारी नहीं है।
यदि किसी व्यक्ति(ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दवा हैं, तो हमे इस नोटिस की तारीख से 10 दिनों के भीतर ईमेल: heedvalues@gmail.com पर संपर्क करें या मेसर्स हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, कार्यालय मे: यूनिट न. 418, 4वी मंजिल, टावर-2, पर्ल ओमेक्स बिल्डिंग, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा 110034, से संपर्क करें। अगर कोई दावा नही आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।
राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटिआला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि जय डिबा माँ कॉपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लॉट नंबर 11, सेक्टर 5, द्वारका, नई दिल्ली 110075 द्वारा श्री शंकर अग्रवाल के नाम में उनके फ्लैट नंबर 84 के संबंध में जारी शेयर सर्टिफिकेट नं. 186 एवं अलॉटमेंट पत्र गुम/खोने कि सूचना दी गयी है और श्री शंकर अग्रवाल ने सोसाइटी को उक्त कागजात/डोकमेंट्स के ड्यूप्लिकेट जारी करने का आवेदन किया है
जिस किसी भी व्यक्ति को सोसाइटी द्वारा ड्यूप्लिकेट शेयर सर्टिफिकेट एवं अलॉटमेंट पत्र जारी किए जाने के बारे में कोई भी क्लेम/आपत्ति हो, वो सोसाइटी को इस सूचना के छपने के 15(पंद्रह) दिन के भीतर सूचित करे। कोई क्लेम/ आपत्ति नहीं प्राप्त होने की स्थिति में सोसाइटी ड्यूप्लिकेट शेयर सर्टिफिकेट एवं अलॉटमेंट पत्र जारी करने के लिए स्वतंत्र होगी।
उनके लिए और उनकी तरफ से
कृते
जय डिबा माँ कोप ग्रुप
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
दिनांक 11.03.2021 माननीय सचिव
स्थान : नई दिल्ली

LOST & FOUND

I Rajinder Singh Makkar s/o late S. Joginder Singh B-7Extn/82 Ground Floor Safdarjung Enclave, New Delhi - 110029, have lost my original paper partition Deed certificate No.IN-DL27765407621048R, dated 10 Jan 2019, If any one find it please contact me at: 9818644777.

NOTICE

(Case Reference No. ARB. CLAIM No. 01/2020)
Smt. Chanchal Lamba
Vs.
Ms. Poonam
Before Sh. Sanjay Kumar Visen, Sole Arbitrator, New Delhi
It is hereby notified to the respondent i.e. Ms. Poonam D/o. Sh. Lal Chand, R/o. Flat No. 984, 3 Floor, Four Storey Quarters, Tagore Garden Extension, New Delhi-110027 that an arbitration proceeding is pending before the Sole Arbitrator Sh. Sanjay Kumar Visen, Advocate-On-Record, Supreme Court and the next date of hearing is on 15.4.2021 at 3.00 p.m. in Room No. 17, Conference/Arbitration Room, M.C. Setalvad Lawyers Chambers, Supreme Court, Bhagwan Das Road, New Delhi-110001. If no appearance is made on your behalf, by yourself, your pleader, or one authorized by law to act for you in the said petition on the aforesaid date, no further notice of the subsequent date of hearing of the said petition will be given to you and the said petition will be heard and determined ex-parte in your absence.
(Sanjay Kumar Visen)
Office of the Sole Arbitrator
229, Asola Housing Complex
Fatehpur Beri, New Delhi
PIN-110074
Mob. 9899980152
Email: visen22@gmail.com
Date: 12.03.2021

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General public that Mr. Surender, is owner of Plot of land measuring 4 Biswa ie. 200 sq.yds.,Khasra No. 448, situated in the revenue estate of Village Chhawla within extended Lal Dora, Tehsil-Kapashera, New Delhi Said property" by virtue of sale deed dated 25.01.2021, registration No. 960. All persons are hereby informed that above mentioned owner want to take home loan from Fullerton India Home Finance Company Ltd. if anybody has any objection/s upon said property its ownership & Title/ its Sale and Mortgage, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200,Second Floor, 23 Shivaji Marg, Moti Nagar, N,Delhi-15
kumarassociates.advocate@gmail.com #011-41112527-28

Public-Notice

Mata Roop Rani Maggo Hospital C8/C9, Om Vihar, Phase-1, Uttam Nagar, New Delhi-110059
We are hereby to inform all concerned that we are going to destroy all medical records from March 2008 to December 2013 as Government's Documents Retention Policy. In Case Any Person thereof wants to see the Treatment records or to have a copy of the same, may please contact Medical Record Department of the Hospital by 2nd of April, 2021.
Dr. Aman Maggo (Medical Director)

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that **Shri Krishan Kant Chaurasia** S/o Shri Sita Ram Bhagat who is purchasing the **Built-up Property Bearing Plot No.37, area measuring 76.5 Sq. Yds., out of Khasra No.193, 194, situated in the revenue estate of Village Nawada, Colony known as C-Block, Bhagwati Garden Extension, New Delhi-110059** from **Smt. Chandrakanta** W/o Shri Satish Kumar Jain owner vide of Regd. General Power of Attorney dated 06.01.2017 executed by **Shri Rajesh Kumar Jain** S/o Shri Om Prakash Jain, along with Agreement to sell & Will and same to be finance & mortgage by **Vastu Housing Finance Corporation Ltd.** If any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **7 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Lucem Legal LLP
269, Rama House, Ground Floor, Masjid Moth ,Opp. Uday Park, South Ext.II, New Delhi-49, Contact #011-40046316

अपहृत/गुमशुदा की तलाश

साहिल

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़का जिसका **नामः साहिल, पुत्रः अली मोहम्मद, निवासीः** मकान नं. सी-289, जे.जे. कॉलोनी, बवाना, दिल्ली जोकि दिनांक **18.02.2021** को सांय 9:00 बजे से अपने घर से थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली क्षेत्र से अपहृत/लापता है। इस संदर्भ में **FIR No. 75/2021 U/s 363 IPC dated 18.02.2021** को थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में अपहृत/लापता की रिपोर्ट दर्ज है। जिसका ब्यौरा इस प्रकार है। **उम्रः** 10 साल, **लिंगः** महिला, **कदः** 4 फुट, **चेहराः** लम्बा, **रंगः** सांवला, **शरीरः** मजबूत, **पहचानः** सिर पर जले का निशान, **पहनावाः** लाल रंग की जैकेट टोपी के साथ, हरे रंग की पैन्ट और नंगे पैर है। पुलिस के भरसक प्रयास के बावजूद अभी तक इस लड़के का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जिस व्यक्ति के पास इस लड़के के बारे में कोई जानकारी हो तो कृप्या निम्नलिखित पर सूचित करें।

वेबसाइट: http//cbi.nic.in
ई-मेल - cic@cbi.gov.in
फोनः 011-24368638, 24368641
फैक्स नं. 011-24368639
DP/842/ON/2021

थानाध्यक्ष
थानाः नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली
फोनः 011- 27787592, 7065036324

मुंबई में केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री महेंद्र नाथ पांडे एलएंडटी स्किल ट्रेनर्स अकादमी के उद्घाटन के दौरान

कार्यालय नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी (बागपत)

पत्रांकः- 1149/न0पं0अ0मं0/2020-21 दिनांकः- 13.03.2021

ई-टेण्डर/ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी द्वारा समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है, कि नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी में 15वें वित्त आयोग अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्राप्त प्रथम किस्त की धनराशि से निम्नलिखित कार्य कराये जाने हैं। जिसमें दिनांक 22.03.2021 को समय 02.00 बजे तक वेबसाइट **www.etender .up.nic.in** पर निविदायें शर्तो के आधार पर आमंत्रित की जाती है। निविदा अगिलेख एवं शर्ते वेबसाइट **www.etender.up.ni.in** पर दिनांक 15.03.2021 से दिनांक 22.03.2021 तक दोपहर 12:00 बजे तक डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेगें। सभी निविदादाता दिनांक 22.03.2021 को दोपहर 02.00 बजे तक वेबसाइट **www.etender.up.ni.in** पर ऑनलाईन अपनी निविदा दर/दरें डाल सकते हैं। निविदा खोले जाने की दिनांक को कोई अवकाश हो तो निविदायें अगले कार्यदिवस को खोली जायेगीं। किसी भी निविदा को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार बिना कारण बताये सक्षम अधिकारी में निहित होगा। नियम व शर्तें किसी भी कार्य दिवस में आकर कार्यालय में देख सकते हैं।

Tender Reference	1149/NPAMT/2020-21
Publish Date and Time for RFP	15/03/2021 To 22/03/2021 12:00 PM
Last date and Time for Submission of E-Tender	22/03/2021 02:00 PM
Date opening Tender	23/03/2021 02:00 PM
Place of opening of E-Tender	Executive Officer, Office Nagar Panchayat Agarwal Mandi Tatiri, Baghpat (U.P.)
E-Tendre document Processing	As per tendre list

(संजय कुमार गुप्ता)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी
टटीरी-बागवत।

(विनोद कुमार)
अध्यक्ष
नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी
टटीरी-बागवत।

दो एथलीट पटियाला में आईजीपी में हुए नाडा डोप टेस्ट में विफल

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों के लिए प्रबल दावेदारों मे शामिल दो एथलीट पिछले महीने पटियाला मे हुई इंडियन ग्रां प्री मे कराए गए डोप परीक्षण में विफल रहे। नाडा के महानिदेशक नवीन अग्रवाल ने इसका खुलासा किया। माना जा रहा है कि इनमे से एक एथलीट महिला चौकड़ी टीम की सदस्य है जिसने चार गुणा 400 मीटर रिले स्पर्धा मे कई स्वर्ण पदक अपने नाम किए है और उसे तोक्यो जाने वाली टीम का हिस्सा बनना था।

डेमियन राइट पंजाब किंग्स के नए गेंदबाजी कोच बने

मुंबई। पंजाब किंग्स ने आस्ट्रेलिया के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर डेमियन राइट को नौ अप्रैल से शुरू हो रहे आईपीएल के आगामी सत्र के लिए नया गेंदबाजी कोच बनाया है। राइट बांग्लादेश की अंडर 19 टीम के कोच भी रह चुके है। वे पंजाब के मुख्य कोच और क्रिकेट संचालन निदेशक अनिल कुंबले के मार्गदर्शन मे काम करेंगे। मै पंजाब किंग्स का गेंदबाजी कोच बनकर बहुत खुश हूं।

रबलेव को हराकर बतिस्ता एगुट कतर ओपन के सेमीफाइनल में

दोहा। स्पेन के रॉबर्टो बतिस्ता एगुट ने कतर ओपन के सेमीफाइनल मे रबलेव को 6-3, 6-3 से हराकर खिताब का बचाव करने के उनके सपने को तोड़ दिया। रूस के रूबलेव रविवार को रोटरडम मे एबीएन एमरो विश्व टेनिस टूर्नामेंट जीतने के बाद यहां लगातार दूसरा खिताब जीतना चाहते थे। रबलेव इस टूर्नामेंट के पुरूष एकल मे एक बाई और दो वाकओवर मिला जिससे वह सीधे सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मैदान पर उतरे।

बत्रा ने फिर एफआईएच अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा

लुसाने। दोबारा अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) का अध्यक्ष बनने के लिए निवर्तमान नरिंदर बत्रा ने संचालन संस्था की दिल्ली में 22 मई को होने वाली 47वीं वैधानिक कांग्रेस से पहले अपना नामांकन भरा है। आईओए प्रमुख बत्रा 2016 में एफआईएच अध्यक्ष बने थे। उन्होंने 18 फरवरी को एफआईएच कांग्रेस को लिखे पत्र मे फिर से इस पद पर चुनाव लड़ने का खुलासा किया था।

भुल्लर संयुक्त तीसरे स्थान पर, खिताब की दौड़ में

दोहा (कतर)। भारतीय गोल्फर ने शनिवार को यहां कमर्शियल बैंक कतर मास्टर्स के तीसरे दौर मे तेज हवा के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 28वे स्थान से संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

बल्लेबाजों को पूरी जिम्मेदारी से उतरना होगा

दूसरा टी-20 आज इंग्लैंड भी तैयार

भाषा। अहमदाबाद

पहले मैच में अपने सितारा बल्लेबाजों और मैच जिताऊ खिलाड़ियों की नाकामी से स्तब्ध भारतीय टीम रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में बल्ले से बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। तीन महीने में सीमित ओवरों का भारत का यह पहला मैच था लेकिन केएल राहुल , हार्दिक पंड्या और युजवेंद्र चहल जैसे मैच विनर्स लय में नहीं दिखे। इंग्लैंड ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों में भारत को उन्नीस साबित कर दिया। एक हार से हालांकि भारतीय टीम की आलोचना नहीं की जा सकती क्योंकि हार के बाद शानदार वापसी के शऊर में विराट कोहली की टीम माहिर है। कोहली ने हालांकि मैच से पहले एक्स फैक्टर (मैच जिताने वाले खिलाड़ी) की बात की थी लिहाजा ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या से उन्हें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दोनों गैर जिम्मेदाराना तरीके से अपने विकेट गंवा बैठे थे। श्रेयस अय्यर को छोड़कर कोई भारतीय बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सका। पंड्या और पंत विकेट की रफ्तार को भांप नहीं सके और गेंद को मिल रही अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। कोहली ने मैच के बाद कहा था , इस विकेट पर मनचाहे शॉट नहीं खेल सके। श्रेयस की पारी इस बात का उदाहरण थी कि क्रीज की गहराई का इस्तेमाल कैसे करना है और उछाल से कैसे निपटना है। बाकी बल्लेबाज ऐसा नहीं कर सके। यह खराब बल्लेबाजी थी और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। अय्यर के अच्छे प्रदर्शन के बाद सूर्यकुमार यादव को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ सकता है और मध्यक्रम में एक ही जगह खाली है। वैसे कोहली अंतिम एकादश में बदलाव के लिए मशहूर हैं। टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी शिखर धवन लगातार खराब फॉर्म के बावजूद खेले और 12 गेंद में चार रन ही बना सके। रोहित शर्मा को लगातार छह टेस्ट खेलने के बाद आराम दिया गया जो आस्ट्रेलिया में 14 दिन कड़े पृथकवास में भी रहे थे। शीर्षक्रम पर हालांकि रोहित का खेलना बेहद जरूरी है। भले ही इस बारे में कोई बात नहीं करे लेकिन कोहली लंबे समय से टी20 क्रिकेट में बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। गेंदबाजों के पास पहले मैच में कुछ था ही नहीं क्योंकि रन बहुत कम बने थे। युजवेंद्र चहल की जगह कल राहुल तेवतिया को उतारा जा सकता है जो आक्रामक बल्लेबाजी में भी माहिर है। इयोन मोर्गन के पास ऐसे 12 खिलाड़ी हैं जो आईपीएल खेलते हैं। उनकी टीम अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की प्रबल दावेदार है और उन्होंने अपेक्षा के अनुरूप ही प्रदर्शन किया।

बल्लेबाजी का नया फ्लसफा नही बदलेगा लेकिन रणनीति पर बेहतर अमल जरूरी : अय्यर

अहमदाबाद। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने इंग्लैड के हाथो पहले टी20 मैच मे मिली हार के बाद कहा कि उन्मुक्त बल्लेबाजी का कप्तान विराट कोहली का दिया फ्लसफा नही बदलेगा लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आगामी मैचो मे रणनीति पर बेहतर अमल करना होगा। इंग्लैड के खिलाफ पहले मैच मे भारतीय टीम महज 124 रन ही बना सकी। इंग्लैड ने चार ओवर और तीन गेद बाकी रहते लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। यह पूछने पर कि हर हालात मे शॉट्स खेलने का भारत का यह नया बल्लेबाजी फ्लसफा क्या अब बदलेगा, अय्यर ने कहा , नही क्योंकि हमारे पास निचले क्रम तक पावर हिटर्स है और इस रवैए मे बदलाव की कोई जरूरत नही है। हमने एक रणनीति बनाई थी जिस पर अमल जरूरी था क्योंकि विश्व कप से पहले हमें सारे दाव आजमाने है। यह पांच मैचों की श्रृंखला है और इसमें प्रयोग करके देख सकते है कि क्या सही लगता है। दूसरा मैच रविवार को यहां खेला जाएगा। यह पूछने पर कि क्या उन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव है, अय्यर ने कहा , ऐसा कुछ नही है। मै खुलकर खेल रहा हूं और अपनी पारी का मजा ले रहा हूं। ऋषभ पंत को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने के कारण अय्यर पांचवें नंबर पर उतरे लेकिन उन्होने कहा कि बल्लेबाजी क्रम चिंता का विषय नही है। भारतीय टीम मे सभी को पता है कि बल्लेबाजी क्रम को लेकर लचीला होना पड़ेगा। मैने कोई बदलाव नही किया। यह बस मानसिकता की बात है कि टीम की क्या जरूरत है और मैने हालात के अनुरूप बल्लेबाजी की।

विजय हजारे फाइनल : उप्र के सामने मुंबई के साव सैलाब को रोकने की चुनौती

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में रविवार को उतरेगी तो उसका फोकस शानदार फॉर्म में चल रहे मुंबई के कप्तान पृथ्वी साव के बल्ले पर अंकुश लगाने पर रहेगा जिन पर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की भी नजरें होंगी। साव अभी तक टूर्नामेंट में 754 रन बना चुके हैं जिसमें नाबाद 105, नाबाद 227, नाबाद 185 और 165 रन शामिल है। रोहित शर्मा अगर विश्राम लेते हैं तो इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला में उन्हें मौका मिल सकता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा होगा या नहीं लेकिन 21 वर्ष के साव ने मैदान के भीतर और बाहर अपना सबक ले लिया है जिससे वह राष्ट्रीय एक दिवसीय चैम्पियनशिप में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। घरेलू सर्किट पर उनके प्रदर्शन का जवाब नहीं लिहाजा राष्ट्रीय चयनकर्ता ज्यादा समय तक उनकी अनदेखी नहीं कर सकते। वहीं कोच ज्ञानेंद्र पांडे की उत्तर प्रदेश टीम ने युवा कप्तान करण शर्मा के मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल फाइनल में अपनी इनस्विंगर से साव को परेशान करने की कोशिश करेंगे। साव के शानदार प्रदर्शन के कारण मुंबई के बाकी बल्लेबाजों को ज्यादा कुछ करना ही नहीं पड़ा लेकिन वे भी अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। इनमें यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान, आदित्य तारे , शम्स मुलानी और शिवम दुबे शामिल हैं। टूर्नामेंट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकार्ड बना चुके साव अगर नाकाम रहते हैं तो इनमें से एक को पारी के सूत्रधार की भूमिका निभानी होगी। गेंदबाजों में धवल कुलकर्णी 14 विकेट ले चुके हैं। तुषार देशपांडे और स्पिन तिकड़ी प्रशांत सोलंकी, तनुष कोटियां और शम्स मुलानी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात को पांच विकेट से हराने वाली उत्तर प्रदेश की टीम तीसरी बार फाइनल में पहुंची है। उनके लिए करण, विकेटकीपर उपेंद्र यादव और अनुभवी अक्षदीप नाथ का प्रदर्शन अहम होगा। मुंबबई तीन बार खिताब जीत चुकी है और आखिरी बार 2018-19 में जीता था। वह सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेगी। मैच सुबह नौ बजे से शुरू होगा।

यूकी ने दुबई क्वालीफायर्स में प्रजनेश को हराया, अगला मैच रामकुमार से

भाषा। दुबई

चोट से हाल ही में वापसी करने वाले टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने दुबई ड्यूटी फ्री चैम्पियनशिप के क्वालीफायर्स मुकाबले में शनिवार को यहां शीर्ष भारतीय खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन को आसानी से शिकस्त दी। युकी ने सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हार्ड कोर्ट पर खेले गए मुकाबले के शुरूआती दौर में 6-। 6-4 से हराया। प्रजनेश के खिलाफ तीसरी जीत दर्ज की और वह अभी तक इस खिलाड़ी से हारे नहीं है। उन्होंने इससे पहले 2017 में बाएं हाथ के खिलाड़ी प्रजनेश को बेंगलुरु और कारषि में हराया था। युकी ने चोट के कारण लगभग दो वर्षों तक खेल से दूर रहने के बाद हाल ही में सिंगपुर ओपन के साथ प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की है। इस 28 साल के खिलाड़ी को हालांकि सिंगापुर में मैथ्यू एब्डेन से हार का सामना करना पड़ा था। अगले मैच में उनका सामना एक और भारतीय खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन से होगा, जिन्होंने रूस के छठी वरीयता प्राप्त एवगेनी डोंस्कॉय को 6-4-6-4 से हराया।

गत चैम्पियन सिटसिपास ओपन 13 से बाहर, मेदवेदेव अगले दौर में

मार्सेली। यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास का लगातार तीसरा ओपन 13 टेनिस खिताब जीतने का सपना टूट गया और वह क्वार्टर फाइनल में युगल विशेषज्ञ पियरे हुगुएस हरबर्ट से 6-7, 6-4, 6- 2 से हार गए। हरबर्ट ने युगल मे कैरियर ग्रैंडस्लैम जीता है लेकिन एकल रैंकिंग मे वह 93वे स्थान पर है।वही आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे सिटसिपास पांचवे स्थान पर है। हरबर्ट का सामना सेमीफाइनल मे फ्रांस के ही चौथी वरीयता प्राप्त उगो हुम्बर्ट से होगा जिन्होंने आर्थर रिंडरनेच को 4-6, 7-5, 7-6 से मात दी। इससे पहले दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के दानिल मेदवेदेव ने पांचवी वरीयता प्राप्त जानिक सिनेर को 6-2, 6- 4 से हराकर सेमीफाइनल मे जगह बनाई। मेडवेदेव का सामना क्वालीफायर मैथ्यू एबडेन से होगा जो टूर्नामेंट के 28 साल के इतिहास मे सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले सबसे कम रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पावर हिटर्स से भारत को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

महिला क्रिकेट का चौथा वनड आज

लखनऊ । भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पावर हिटर्स की कमी लंबे समय से महसूस हो रही है और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां चौथे वनडे मैच में टीम को हरफनमौला दीप्ति शर्मा और विकेटकीपर सुषमा वर्मा से इस कमी को पूरा करने की उम्मीद होगी। पहले मैच में मिली हार के बाद भारत ने दूसरे वनडे में जीत के साथ वापसी की। मिताली राज की टीम हालांकि तीसरा मैच डकवर्थ लुईस प्रणाली से छह रन से हार गई। दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेले ली ने 131 गेंद में 132 रन की नाबाद पारी खेली। भारतीय टीम एक समय बड़े स्कोर की ओर बढती दिख रही थी लेकिन आखिरी पांच ओवर में 27 रन ही बना सकी और स्कोर पांच विकेट पर 248 रन रहा। अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी में जुटी भारतीय टीम को इस पर ध्यान देना होगा। कप्तान मिताली राज ने शुक्रवार को कहा था , हमें आखिरी दस ओवर में तेज खेलने वाले बल्लेबाज चाहिए। पुछल्ले बल्लेबाजों से उम्मीद नहीं की जा सकती लिहाजा हरमनप्रीत या दीप्त को यह जिम्मेदारी लेनी होगी ताकि आखिरी दस ओवरों में अच्छे रन बन सके। भारतीय टीम के अहम सदस्यों में से एक दीप्ति अब तक कोई कमाल नहीं कर सकी है और आक्रामक खेल दिखाने में नाकाम रही है। नीतू डेविड की चयन समिति ने शेफाली वर्मा जैसी युवा खिलाड़ी को वनडे टीम से बाहर रखा जिसकी वजह से हरमनप्रीत अकेली पावर हिटर रह गई है। जेमिमा रौद्रिगेज, पूनम राउत और कप्तान मिताली एक ढर्रे पर रन बनाते हैं और उनका स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा नहीं है। स्मृति मंधाना ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन रौद्रिगेज और राउत से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दस हजार रन पूरे करने वाली कप्तान मिताली ने दोनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी में झूलन गोस्वामी आठ विकेट ले चुकी है और उनका फॉर्म में रहना जरूरी है। राजेश्वरी गायकवाड़ ने अच्छी स्पिन गेंदबाजी की है। दक्षिण अफ्रीका के लिए लिजेले ली ने अब तक 219 रन बनाए हैं जिसमें पहले मैच में 83 और तीसरे में नाबाद 132 रन शामिल है। गेंदबाजों में शबनम इस्माइल ने छह विकेट लिए हैं।

पहले अपनी कोहनी का ध्यान रखना होगा : आर्चर

अहमदाबाद। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कहा है कि भारत में टी20 विश्व कप और आस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला खेलने के अपने दोहरे लक्ष्य पर नजरें गड़ाने से पहले उन्हें अपनी कोहनी की समस्या दूर करनी होगी। भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट से बाहर रहे आर्चर ने पहले टी20 मैच में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने शुक्रवार को मैच जीतने के बाद कहा , मुझे भविष्य के बारे में सोचने से पहले अपनी कोहनी का ध्यान रखना होगा। इस श्रृंखला के बाद मैं अपनी ओर से पूरी कोशिश करूंगा कि विश्व कप और एशेज खेल सकूं। पहले टी20 में मिली जीत के बारें में उन्होंने कहा , मुझे खुशी है कि इस जीत में योगदान दे सका।

आईपीएल में न चुने जाने से निराशा नही : आदिल

अहमदाबाद। इंग्लैड के अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से अनुबंध नही मिलने की कोई निराशा नही है, क्योंकि इस टूर्नामेंट मे पहले से ही बड़ी संख्या मे स्पिनरो की मौजूदगी के कारण उन्हें चुने जाने की उम्मीद नही थी। पिछले कुछ वर्षो मे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के बाद भी राशिद कभी भी आईपीएल फ्रेंचाइजियों का ध्यान आकर्षित करने मे सफल नही रहे और लीग की पिछली नीलामी मे भी ऐसा ही हुआ।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को हराकर वनडे श्रृंखला जीती

नॉर्थ प्वाइंट। एविन लुईस और शाइ होप के बीच पहले विकेट की 192 रन की साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। लुईस ने 103 और होप ने 84 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को दो गेंद बाकी रहते लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले श्रीलंका ने आठ विकेट पर 273 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के मध्यक्रम के बल्लेबाज लड़खड़ा गए और कप्तान कीरोन पोलार्ड 46वें ओवर में आउट हो गए जिससे टीम दबाव में आ गई। निकोलस पूरन ने हालांकि 38 गेंद में नाबाद 35 रन बनाकर आखिरी ओवर में टीम को जीत तक पहुंचाया। श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज की लक्ष्य का पीछा करते हुए यह सबसे बड़ी जीत है। वेस्टइंडीज को आखिरी 18 गेंद में 31 रन चाहिए थे। फेबियन एलेन ने नुवान प्रदीप की पहली गेंद पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर आउट हो गए।

एक अप्रैल, 2020 से 15 साल पुराने सरकारी वाहनों के पंजीकरण का नवीकरण नहीं होगा

नई दिल्ली। सरकारी विभाग एक अप्रैल, 2022 से अपने 15 साल से अधिक पुराने वाहनों के पंजीकरण का नवीकरण नहीं करा पाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यह प्रस्ताव किया है। यदि इसे अंतिम रूप दे दिया जाता है, तो यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। मंत्रालय ने इस बारे में नियमों में संशोधन के लिए अधिसूचना जारी कर अंशधारकों से टिप्पणियां मांगी हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि एक बार इस प्रस्ताव को मंजूरी के बाद यह नियम सभी सरकारी वाहनों....केंद्र और राज्य सरकार, संघ शासित प्रदेश, सार्वजनिक उपक्रमों, नगर निकायों और स्वायत्त निकायों के लिए लागू होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ट्वीट किया, एक अप्रैल, 2022 से सरकारी विभाग अपने 15 साल से अधिक पुराने वाहनों के पंजीकरण का नवीकरण नहीं करा पाएंगे। यह नियम केंद्र, राज्य, संघ शासित प्रदेश, सार्वजनिक उपक्रमों, नगर निकायों और स्वायत्त निकायों के लिए लागू होगा। इससे पहले एक फरवरी को पेश आम बजट में सरकार ने वाहन कबाड़ नीति की घोषणा की है। इसके तहत निजी वाहनों का 20 साल बाद और वाणिज्यिक वाहनों का 15 साल पूरे होने पर फिटनेस परीक्षण कराना जरूरी है। मंत्रालय ने नियमों के मसौदे पर अधिसूचना 12 मार्च को जारी की है। इस पर अंशधारकों से 30 दिन में टिप्पणियां, आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

डाटा का दुरुपयोग रोकने के लिए पर्याप्त रक्षोपाय करेगी सरकार : ई-कॉमर्स नीति का मसौदा

नई दिल्ली। सरकार किसी उद्योग के विकास के लिए डाटा (संग्रहीत आंकड़ों) के इस्तेमाल के सिद्धान्त तय करेगी। साथ ही अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा डाटा के दुरुपयोग और पहुंच को रोकने के लिए पर्याप्य रक्षोपाय (सेफगार्ड) किए जाएंगे। राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति के मसौदे में यह प्रस्ताव किया गया है। नीति में कहा गया है कि सरकार निजी और गैर-निजी डाटा पर नियमन तैयार करने की प्रक्रिया में है। अभी यह नीति विचार-विमर्श की प्रक्रिया में है। मसौदे में कहा गया है कि औद्योगिक विकास के लिए डाटा साझा करने को प्रोत्साहित किया जाएगा। साझा करने की व्यवस्था के लिए डाटा के नियमन तय किए जाएंगे।

चुनावी आंकड़ों, आर्थिक जानकारियों के लिए नया मोबाइल ऐप पेश

कोलकाता। एक स्टार्टअप ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले आंकड़ों की जानकारी देने वाला एक ऐप पेश किया है। यह ऐप चुनाव तथा देश की अर्थव्यवस्था से संबंधित आंकड़े बताएगा। कंपनी का कहना है कि इससे मतदाताओं को मत देने के लिए सही विकल्प का चयन करने में मदद मिलेगी। स्टार्टअप डेमोक्रेटिका ने बोलसुबोल नाम से यह ऐप पेश किया है। इस ऐप में सभी विधानसभा क्षेत्रों के औसतन 60 साल के राजनीतिक व आर्थिक आंकड़े उपलब्ध हैं। कंपनी के एक निदेशक रितेश वर्मा ने शुक्रवार को कहा, चुनाव आयोग के प्रयासों को छोड़ दें, तो मतदाताओं को सशक्त बनाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा बहुत कुछ नहीं किया जाता है। इसलिए इस ऐप को पेश किया गया है। यह एक शक्तिशाली माइक्रोब्लॉगिंग टूल पेश करेगा। कंपनी के एक अन्य निदेशक शेषगिरी एंगोंडी ने कहा कि ऐप के अधिकांश फीचर मुफ्त हैं। कुछ सुविधाओं के लिए भुगतान करना होगा।

देश की फिनटेक कंपनियों का मूल्य बढ़ेगा

मूल्यांकन अगले पांच साल में 150-160 अरब डॉलर होगा : रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

देश की वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों का मूल्यांकन अगले पांच साल में यानी 2025 तक तीन गुना होकर 150-160 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) तथा फिक्की के अध्ययन पर आधारित रिपोर्ट के निष्कर्ष शनिवार को जारी किए गए। इसमें देश के फिनटेक क्षेत्र के मूल्यवर्धन की क्षमता का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, देश के फिनटेक क्षेत्र का मूल्यांकन 2025 तक 150 से 160 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। इस तरह क्षेत्र के मूल्यांकन में करीब 100 अरब डॉलर की वृद्धि होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस लक्ष्य को पाने के लिए देश के वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र को अगले पांच साल में 20 से 25 अरब डॉलर का निवेश करने की जरूरत होगी। देश के फिनटेक उद्योग में कुल इकाइयों की संख्या 2,100 है। इनमें से 67 प्रतिशत इकाइयों का गठन पिछले पांच साल के दौरान हुआ है। फिलहाल इस क्षेत्र का मूल्यांकन 50 से 60 अरब डॉलर है। रिपोर्ट कहती है कि कोरोना वायरस महामारी से इस क्षेत्र की वृद्धि प्रभावित नहीं हुई है। जनवरी 2020 से क्षेत्र में तीन नई यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन) और पांच नई सूनिकॉर्न (50 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) इकाइयां सामने आई हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं भागीदार प्रतीक रूंगटा ने कहा, हमारा मानना है कि भारत के वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के मूल्यांकन में अगले पांच साल में 100 अरब डॉलर की वृद्धि होगी। इस संभावना को हासिल करने के लिए उद्योग को 2025 तक 20 से 25 अरब डॉलर का निवेश करने की जरूरत होगी।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, इस समय आर्थिक वृद्धि सबसे जरूरी

कोलकाता। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन ने कहा है कि भारत को इस समय आर्थिक वृद्धि की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपना दबदबा बढ़ाना चाहता है और आत्म-निर्भरता हासिल करना चाहता है, ऐसे में वृद्धि अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुब्रमण्यन का यह बयान रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति के 31 मार्च से पहले नीतिगत ढांचे और मुद्रास्फीति के लक्ष्य में संशोधन से पहले आया है। रिजर्व बैंक को सबसे पहले जून, 2016 में मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) पर रखने का लक्ष्य दिया गया था। उसके बाद से यह रिजर्व बैंक की पहली समीक्षा होगी। सुब्रमण्यन ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), पूर्वी क्षेत्र द्वारा आयोजित वर्चुअल वार्षिक क्षेत्रीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा, इस समय हमारा ध्यान वृद्धि पर होना चाहिए। हमें दो विपरीत चीजों के बीच संतुलन बैठाना हो, तो हमारा झुकाव वृद्धि की ओर होना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य पर सीईए ने कहा कि निजी क्षेत्र को शुभ लाभ यानी ईमानदारी से मुनाफा कमाना चाहिए और मुनाफाखोरी से बचना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था में दिखने लगा है वी-आकार का सुधार : ठाकुर

मुंबई। वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में अब वी-आकार का सुधार दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत हैं। वी-आकार के सुधार से तात्पर्य तेज गिरावट के बाद अर्थव्यवस्था के तेजी से पुनरुद्धार है। ठाकुर ने भारतीय बीमांकक संस्थान द्वारा आयोजित एक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारत में पहले ही वी-आकार का सुधार दिखने लगा है। विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति सुधर रही है। फरवरी में देश में 25,787 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। लगातार दो तिमाहियों में भारी गिरावट के बाद अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 0.4 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। ठाकुर ने कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ रहा है। जनवरी, 2021 में यह 590 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले आठ माह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 100 अरब डॉलर बढ़ा है। वित्त राज्यमंत्री ने कहा, यह भरोसे का संकेत है। वैश्विक कोष और निवेशक भारत को निवेश गंतव्य के रूप में देखते हैं।

एमएसएमई क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने लिए प्रतिबद्ध : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार देश में विशेषरूप से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम (एमएसएमई) क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहन देने को प्रतिबद्ध है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने यह बात कही। गडकरी ने भरोसा जताया कि पांच साल के अंदर भारत दुनिया में वाहनों के लिए शीर्ष विनिर्माण केंद्र होगा। हम सौर ऊर्जा उपलब्ध कराकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बड़ा बाजार बनाएंगे। उन्होंने विदेशी निवेशकों को भारत के एमएसएमई क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इससे एमएसएमई क्षेत्र को काफी अवसर उपलब्ध होंगे जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र बन सकेगा। गडकरी शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत-सौर और एमएसएमई में अवसर पर एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में गडकरी ने कहा कि अच्छी पृष्ठभूमि वाली एमएसएमई इकाइयों को पूंजी बाजार में उतरने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वाहन कबाड़ नीति में निवेश के बड़े अवसर हैं।

आधुनिक ठेलागाड़ी का डिजाइन तैयार में एनआईडी के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिहाज से नई एवं कम लागत की आधुनिक ठेलागाड़ी को डिजाइन करने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की। चूंकि गली-मोहल्लों में सामान बेचने वाले विक्रेता, पारंपरिक बिक्री वाहनों का इस्तेमाल करते हैं इसलिए कोविड-19 बाद के दौर के लिए ऐसे वाहनों की जरूरत महसूस की जा रही है जिसमें सामानों की पैकेजिंग हो सके, बिक्री वाले सामान को प्रदर्शित करने की व्यवस्था हो, बिलिंग सुविधा हो, स्वच्छता हो, उसे आसानी से समेटा और छोटा बनाया जा सके, सरलता से कहीं ले जाया जा सके, डस्टबिन जैसे सामान, शेड, बिजली आपूर्ति और लाइटिंग व्यवस्था हो। इस प्रतियोगिता में अहमदाबाद, आंध्र प्रदेश, असम, हरियाणा और मध्य प्रदेश में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य कोविड-19 के कारण उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर नई और कम लागत वाली आधुनिक ठेलागाड़ी का स्वरूप तैयार करना है।

वैश्विक स्तर पर खाद्य तेल कीमतों में तेजी से घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के भाव में सुधार

नई दिल्ली। शादी-विवाह के मौसम तथा त्योहारी सीजन की मांग के साथ खाद्य तेलों का स्टॉक खाली होने से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को भी लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव में सुधार आया और कीमतें लाभ दर्शाती बंद हुई। बाजार सूत्रों का मानना है कि खाद्य तेल कीमतों की वैश्विक तेजी से जहां तेल तिलहनों की घरेलू कीमतों में भी सुधार हुआ है, वहीं इसकी वजह से देश में आगे तिलहन उत्पादन के बढ़ने की भी संभावना है। मौजूदा साल में सरसों और सोयाबीन के लिए जिस तरह किसानों को बढ़ा हुआ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिला, वह आगे जारी रहा तो किसान गेहूं और धान की जगह तिलहनों की बुवाई का रकबा बढ़ा सकते हैं। इससे न केवल खाद्य तेलों के आयात पर करोड़ों रुपए की विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि अधिशेष उत्पादन के निर्यात होने से हमें विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी।

आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज में महिलाएं बढ़ी

नई दिल्ली। पिछले दो दशकों में महिलाएं बहुत बड़ी तादाद में आगे आकर उन क्षेत्रों में भी जिम्मेदारियां उठा रही हैं जो अब तक पुरुषों का परंपरागत गढ़ माना जाता है। इसी के तहत कॉलेज ऑफ नर्सिंग ऑफ आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज के 4 साल के बीएससी नर्सिंग कोर्स में एडमिशन के लिए उन उम्मीदवारों की प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट साल में एक जारी किया जाता है, जो इस कोर्स में एडमिशन लेने की इच्छुक होती हैं। एमएनएस सबसे अच्छे प्रोफेशन में से एक है। 19वीं सदी के शुरू में केवल 55 एमएनएस ऑफिसर थे । जिनकी आज की तारीख में इतनी तादाद हो गई है कि वह सर्विस की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम है। सेंचुरियन डिफेंस एकेडमी अकादमी के संस्थापक और निदेशक शैलेंद्र दीक्षित ने कहा कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं के तहत मिलिट्री नर्सिंग सर्विस, खासतौर पर लड़कियों के लिए अपना करियर शुरू करने का शानदार मौका है।

क्वाड देशों के नेताओं ने की चीन की तरफ से पेश चुनौतियों पर चर्चा

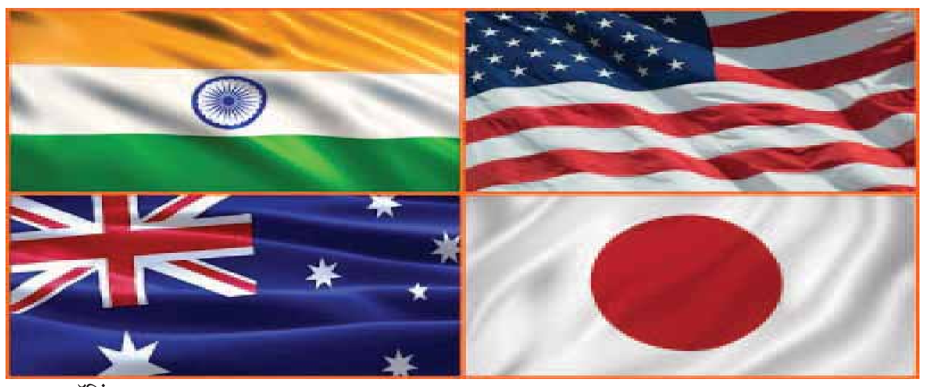

● पूर्वी लद्दाख में पिछले वर्ष मई से भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जारी सैन्य गतिरोध के बीच क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है

भाषा। वॉशिंगटन

अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं ने क्वाड देशों की पहली बैठक में चीन की तरफ से पेश चुनौतियों पर चर्चा की और उन्होंने स्पष्ट किया कि बीजिंग को लेकर उनमें से किसी को भी भ्रम नहीं है। यह बात अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान ने कही है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा के बीच ऐतिहासिक डिजिटल क्वाड शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमेरिका के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि चारों नेता इस वर्ष मिल- बैठकर शिखर सम्मेलन करने पर सहमत हुए हैं।

सुलीवान ने कहा कि नेताओं ने दक्षिण और पूर्व चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता और जोर-जबर्दस्ती से स्वतंत्रता सहित मुख्य क्षेत्रीय मुद्दों, उत्तर कोरिया परमाणु मुद्दा और म्यांमा में तख्तापलट तथा हिंसक दमन पर चर्चा की।चीन के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक से पहले सुलीवान ने कहा, बैठक में कठिन समय से गुजरने के बावजूद बेहतर भविष्य को लेकर उम्मीदें जताई गईं। उन्होंने कहा, चारों नेताओं ने चीन की तरफ से पेश चुनौतियों पर चर्चा की और उन्होंने स्पष्ट किया कि उनमें से किसी को भी चीन को लेकर भ्रम नहीं है, लेकिन आज की चर्चा मूल रूप से चीन को लेकर नहीं थी। सुलीवान और अमेरका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 18-19 मार्च को चीन के अपने समकक्ष यांग जाइची और विदेश मंत्री वांग ई से अलास्का के एंकरेज में मुलाकात करेंगे।सुलीवान ने कहा, हमारा प्रयास है कि चीन की सरकार को स्पष्ट रूप से बता दें कि किस तरह से अमेरिका सामरिक स्तर पर आगे बढ़ना चाहता है, हमारे मौलिक हित और मूल्य क्या हैं और उनकी गतिविधियों को लेकर हमारी चिंताएं क्या हैं -- स्पष्ट रूप से हमने अपने क्वाड सहयोगियों की बातें सुनींअ ऑस्ट्रेलिया पर उनका दबाव, सेनकाकू प्रायद्वीप के पास उनका दबाव बनाना, भारत की सीमाओं पर उनकी आक्रामकता की बातों को गौर से सुना। पूर्वी लद्दाख में पिछले वर्ष मई से भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जारी सैन्य गतिरोध के बीच क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है।

क्वाड नेताओं ने संयुक्त बयान में हमारे समय की चुनौतियों को लेकर सहयोग मजबूत करने का संकल्प जताया।सुलीवान ने कहा कि शुक्रवार को क्वाड शिखर सम्मेलन में ज्यादा ध्यान वर्तमान वैश्विक संकट पर था, जिसमें जलवायु परिवर्तन और कोविड-19 जैसे मुद्दे शामिल थे। कोविड-19 को लेकर चारों नेताओं ने संयुक्त प्रतिबद्धता जताई।

अमेरिका: रिपब्लिकन नेताओं ने क्वाड सम्मेलन की सराहना की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष नेताओं ने डिजिटल माध्यम से आयोजित चार देशों के समूह क्वाड के सम्मेलन का शुक्रवार को स्वागत किया और क्षेत्र में आर्थिक तथा सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अग्रणी लोकतांत्रिक देशों के साथ काम करने के लिए बाइडन प्रशासन की सराहना की। क्वाड के नेताओं की बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के शामिल होने पर हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के प्रमुख रिपब्लिकन पार्टी के माइकल मक्कॉल ने कहा, खुले और स्वतंत्र हिंद प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने और इसे बनाए रखने में क्वाड के सदस्य देश और आसियान जैसे अन्य क्षेत्रीय सहयोगियों का दीर्घकालिक हित है। क्वाड में अमेरिका के अलावा जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। मक्कॉल ने कहा, मुझे खुशी है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को प्रोत्साहन देने तथा नियम आधारित व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुंचाने का इरादा रखने वाले किसी भी देश को जवाब देने के लिए बाइडन प्रशासन, क्षेत्र के अग्रणी लोकतांत्रिक देशों के साथ काम कर रहा है। विदेश संबंध समिति के सदस्य और जापान में पूर्व राजदूत, रिपब्लिकन सांसद बिल हैगर्टी ने कहा कि हाल के वर्षों में अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच राजनयिक, सुरक्षा, आर्थिक, तकनीकी और स्वास्थ्य सहयोग ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने कहा, कम्युनिस्ट चीन के बढ़ते हुए खतरे और क्षेत्र तथा विश्व में उसकी दबंग कार्वाई के मद्देनजर क्वाड की ताकत और साझा मूल्य, मुक्त तथा स्वतंत्र हिंद प्रशांत क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अहम हैं। हैगर्टी ने कहा, जापान में अमेरिका के पूर्व राजदूत के तौर पर मैंने क्वाड के अपने समकक्षों के साथ मिलकर काम किया था इसलिए आज इस समूह के सर्वोच्च स्तर की बैठक आयोजित करने के लिए मैं राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री सुगा, प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री मॉरिसन की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि क्वाड के विस्तार के लिए उठाए गए ट्रंप के ऐतिहासिक कदमों को बाइडन प्रशासन आगे ले जाएगा।

हेरात में एक कार बम बिस्फोट के बाद क्षतिग्रस्त हुए मकान का निरीक्षण करते स्थानीय नागरिक

श्रीलंका में जमात-ए-इस्लामी का पूर्व नेता गिरफ्तार, इस्लामी कट्टरता को प्रोत्साहित करने का आरोप

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका में कथित रूप से चरमपंथ को बढ़ावा देने के आरोप में इस्लामिक संगठन जमात-ए-इस्लामी के पूर्व नेता 60 वर्षीय रशीद हज्जुल अकबर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता एवं महानिरीक्षक अजीत रोहना ने शनिवार को बताया कि अकबर को शुक्रवार को आतंकवाद जांच प्रकोष्ठ (टीआईडी) ने डेमाटागोडा इलाके से गिरफ्तार किया। बता दें कि अकबर सितंबर 2019 में पद छोड़ने से पहले 24 साल तक जमात-ए-इस्लामी का अध्यक्ष रहा है।पुलिस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि श्रीलंका में वहाबी और जिहादी विचारधारा को फैलाने के लिए अकबर जमात-ए-इस्लामी द्वारा प्रकाशित पत्रिका में लेख छापता था। यह गिरफ्तारी वर्ष 2019 में ईस्टर के मौके पर गिरिजाघरों व होटलों पर हुए हमले की जांच रहे जांच दल द्वारा देश में वाहबी विचारधारा पर रोक लगाने की मांग के बीच हुई है। उल्लेखनीय है कि 21 अप्रैल 2019 को स्थानीय चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनआईटीजे) के कथित नौ आत्मघाती हमलावरों ने श्रीलंका के तीन गिरिजाघरों एवं कई होटलों को निशाना बनाया था जिसमें 11 भारतीयों सहित 270 लोगों की मौत हुई थी जबकि करीब अन्य 500 लोग घायल हुए थे। इस हफ्ते के शुरुआत में जनसुरक्षा मंत्री सारथ वीरसेकरा ने संसद को बताया था कि वर्ष 2019 के हमले के सिलसिले में अबतक करीब 676 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि 66 से अधिक लोग हिरासत में हैं।

क्विक न्यूज

म्यांमा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में चार लोगों की मौत

मंडाले (म्यांमा)। म्यांमा मे तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगो पर सुरक्षा बलो की कार्वाई मे शनिवार को चार प्रदर्शनकारियो की मौत हो गई।म्यांमा के दूसरे सबसे बड़े शहर मंडाले मे तीन जबकि देश के दक्षिण-मध्य मे स्थित प्याय कस्बे मे एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है। दोनो स्थानो पर लोगो की मौत होने के बारे मे सोशल मीडिया पर कई खबरे देखने को मिली है। म्यांमा मे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ टॉम एंड्रयूज ने बृहस्पतिवार को कहा था कि विश्वसनीय जानकारी के अनुसार म्यांमा मे सुरक्षा बलो की कार्वाई मे अब तक कम से कम 70 लोगो की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि सेना द्वारा एक फरवरी को आंग सान सू ची की सरकार का तख्तापलट करने के बाद से देश मे लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे है। प्रदर्शनकारी हिरासत मे लिए गए नेताओ को रिहा करने की मांग कर रहे हैं।

जॉर्डन के स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में मौतें होने के बाद पद से इस्तीफा दिया

सल्त (जॉर्डन)। जॉर्डन के स्वास्थ्य मंत्री ने राजधानी अम्मान के निकट एक अस्पताल मे ऑक्सीजन आपूर्ति की कमी के चलते कम से कम छह लोगों की मौत होने के बाद शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जॉर्डन की सरकारी मीडिया ने यह खबर दी है। स्थानीय मीडिया मे आई खबरो के अनुसार जॉर्डन के प्रधानमंत्री बशर-उल-खसावना ने अम्मान से 20 किलोमीटर दूर सल्त कस्बे के एक सरकारी अस्पताल में हुई घटना की जांच का आदेश देते हुए स्वास्थ्य मंत्री नादिर उबेजात से इस्तीफा देने के लिए कहा था। सरकार के मुखपत्र अल-राई ने उबेजात के इस्तीफे देने की खबर की पुष्टि की है।

नेपाल में ढाई किलोग्राम यूरेनियम रखने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

काठमांडू । नेपाल की राजधानी काठमांडू मे ढाई किलोग्राम अपरिष्कृत यूरेनियम रखने के आरोप मे चार लोगो को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।अधिकारियो ने प्रेस वार्ता मे बताया कि एक गोपनीय सूचना पर बौध क्षेत्र मे एक घर मे छापेमारी की गई और चार लोगो के पास से 2.5 किलोग्राम यूरेनियम- 238 पाया गया। उन्होंने बताया कि यह संभवतः पहली बार है जब यूरेनियम तस्करी के सिलसिले मे गिरफ्तारियां हुई है। उन्होंने कहा कि नेपाल का ऐसा कोई प्रौद्योगिकी केंद्र या एजेंसी नही है जहां इस धातु का उपयोग किया जा सके। गिरफ्तार किए गए लोगो मे से दो लोग 20 वर्ष और दो 40 वर्ष के है। इनके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियो ने बताया कि पहली खुफिया जानकारी यह थी कि कुछ लोग यूरेनियम की कालाबाजारी करने का प्रयास कर रहे है। उन्होंने बताया कि इसके बाद जांच की गई। द काठमांडू पोस्ट की खबर के अनुसार गिरफ्तार लोगों मे से एक ने दावा किया है कि उसके ससुर 20 साल पहले भारत से यह सामग्री लाए थे, जहां उन्होंने एक यूरेनियम खदान मे काम किया था। पुलिस उसके दावे की जांच कर रही है। यूरेनियम- 238 प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली धातु है। इसका इस्तेमाल बिजली बनाने और परमाणु हथियारो मे किया जा सकता है।

बाइडन ने कोविड-19 टीके की 10 करोड़ खुराक खरीदने के निर्देश दिए

वाशिंगटन। एक तरफ जहां विश्व के कई देश कोविड-19 टीके की कमी से जूझ रहे है, वही, अमेरिका साल के अंत तक आवश्यकता से अधिक मात्रा में टीके की खरीद की योजना बना रहा है।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने प्रशासन को जॉनसन एंड जॉनसन के कोविड-19 टीके की 10 करोड़ खुराक खरीदने के निर्देश दिए है। बुधवार को दिए गए टीका खरीद के ऑर्डर से पहले ही अमेरिका के पास मध्य मई तक इतनी खुराक उपलब्ध होगी कि वह प्रत्एक व्यस्क का टीकाकरण कर सके। इसी तरह, जुलाई के अंत तक इस देश के पास 40 करोड़ लोगो के लिए खुराक उपलब्ध होगी। देश 20 करोड़ और लोगो को कोविड-19 टीके की खुराक दिए जाने के लिए पर्याप्त ऑर्डर दिए जा चुके है। जॉनसन एंड जॉनसन के नए टीके की खेप जून के बाद मिलने की उम्मीद है जिनके जरिए और 10 करोड़ लोगो का टीकाकरण किया जा सकेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा, हम टीके की अतिरिक्त खुराक और आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहते है। हम पूरी तरह तैयार रहना चाहते है। उन्होंने कहा, हम अब तक यह नही जानते है कि बच्चो पर कौन सा टीका अधिक प्रभावी होगा।

हैकिंग के बावजूद अमेरिका घरेलू निगरानी का नहीं चाहता है विस्तार करना

एपी। वाशिंगटन

विदेशी सरकार समर्थित हैकरों के हमले और साइबर अपराध में बढ़ोतरी के बावजूद बाइडन प्रशासन की योजना अमेरिका के इंटरनेट पर सरकारी निगरानी बढ़ाने की नहीं है। यह जानकारी वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने शुक्रवार को दी। अधिकारी ने बताया कि प्रशासन को निजता एवं नागरिक अधिकार पर इसके निहितार्थ का ख्याल है और वह मौजूदा परिस्थिति में अमेरिका आधारित इंटरनेट सेवा पर निगरानी के लिए अतिरिक्त प्राधिकार नहीं चाहता।उन्होंने कहा कि इसके बजाय प्रशासन अपना ध्यान निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ अधिक मजबूत साझेदारी और सूचना साझा करने की व्यवस्था को सुधारने पर केंद्रित करेगा। अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखते हुए बताया कि पहले ही निजी क्षेत्र की कंपनियों की घरेलू इंटरनेट क्षेत्र में व्यापक उपस्थिति है। यह टिप्पणी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के कॉन्ट्रैक्टर एडवर्ड स्नोडर द्वारा एजेंसी के दस्तावेजों को लीक करने के आठ साल बाद सरकारी निगरानी को लेकर चल रही राजनीतिक बहस और साइबर सुरक्षा एवं निजता के बीच संतुलन की चुनौती की स्वीकृति मानी जा रही है। विदेशी सरकार समर्थित हैकर लगातार अमेरिका के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के निर्देशों से बचने के लिए कर रहे हैं। इन एजेंसियों को कानूनी रूप से घरेलू डिजिटल अवसंरचना की निगरानी करने से रोका गया है। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन को हैकिंग की घटनाओं की जानकारी दी गई है और निजी क्षेत्र के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को व्हाइट हाउस के अधिकारियों से चर्चा में शामिल किया गया है। जब अधिकारी से पूछा गया कि सरकार नई निगरानी प्राधिकरण पर विचार कर रही है तो उन्होंने कहा अबतक नहीं, अभी नहीं।

कराची के जामिया बिनोरिया इस्लामिक सीमेनेरी में जमीन पर बैठकर अपनी वार्षिक परीक्षा देते धार्मिक विषयों के छात्र

अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन और राजनाथ सिंह बड़ी रक्षा साझेदारियों पर चर्चा करेंगे : पेंटागन

भाषा। वॉशिंगटन

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन अगले हफ्ते भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच बड़ी रक्षा साझेदारियों को मूर्त रूप देने के तौर-तरीकों पर चर्चा करेंगे। यह जानकारी पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी ने दी।

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ वर्षों से रक्षा संबंधों में तेजी आई है और जून 2016 में अमेरिका ने भारत को बड़ा रक्षा साझेदार बताया था।पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण रक्षा और सुरक्षा समझौतों पर दस्तखत किए हैं जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के अड्डों का इस्तेमाल सैन्य साजो-सामान की मरम्मत और आपूर्ति के लिए कर सकती हैं।

ऑस्टिन अगले हफ्ते भारत के दौरे पर जाएंगे। इससे पहले वह जापान और दक्षिण कोरिया जाएंगे। पहली बार बाइडन प्रशासन का कोई शीर्ष अधिकारी भारत दौरे पर आ रहा है। हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक कार्यवाहक रक्षा मंत्री डेविड एफ हेलवी ने संवाददाताओं से कहा, भारत में वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे और भारत के साथ बड़ी रक्षा साझेदारियों को क्रियान्वित करने पर चर्चा करेंगे। इसमें सूचना साझा करना, क्षेत्रीय रक्षा समझौता, रक्षा व्यापार और नए क्षेत्रों में सहयोग भी शामिल है। नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन 19 मार्च से 21 मार्च तक भारत के दौरे पर रहेंगे। हेलवी ने कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण सामरिक भागीदार है।

उन्होंने कहा कि भारत दौरे से महत्वपूर्ण सहयोगियों के साथ विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा कि किस तरह से नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए साथ मिलकर काम किया जाए। राष्ट्रपति जो बाइडन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा के बीच पहले डिजिटल क्वाड शिखर सम्मेलन के एक हफ्ते बाद ऑस्टिन का भारत दौरा होने वाला है।

एशियाई अमेरिकियों के खिलाफ नफरती हमलों की निंदा की

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नाडेला तथा अमेरिका के कई सांसदों ने कहा है कि वे एशियाई अमेरिकियों के साथ लगातार जारी नफरती कृत्यों से क्षुब्ध हैं और घृणा, नस्ली भेदभाव तथा हिंसा के सभी रूपों की निंदा करते हैं। एशियन अमेरिकन समूहों ने बताया कि संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के आंकडों के अनुसार मार्च से दिसंबर 2020 के बीच एशियाई अमेरिकियों के साथ दुर्व्यवहार की तीन हजार से अधिक घटनाएं हुई हैं, वहीं वर्ष 2019 में यह संख्या 216 थी।नाडेला ने ट्वीट किया, मैं विश्व भर में एशियाई अमेरिकियों और एशियाई समुदाय के लोगों के साथ लगातार हो रही घृणा की घटनाओं को लेकर क्षुब्ध हूं, नस्लवाद, घृणा और हिंसा का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। मैं अन्याय के खिलाफ एशियाई और एशियाई अमेरिकी समुदाय के साथ एकजुट हूं। नाडेला के ट्वीट के एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि देश में वैश्विक महामारी के दौरान एशियाई-अमेरिकी पर नस्ली नफरत की भावना से किए गए क्रूर हमले अमेरिकी भावना के खिलाफ है। माइक्रोसॉफ्ट ने एक बयान में कहा कि वह घृणा, नस्ली भेदभाव और हिंसा के सभी रुपों की निंदा करता है। इस बीच कई सांसदों ने एक ऐसा विधेयक पेश करने के लिए एकजुट होने की बात कही है जो कोविड-19 महामारी के दौरान एशियन अमेरिकन एंड पेसेफिक आइलैंडर्स (एएपीआई)समुदाय के खिलाफ बढ़े नस्ली घृणा अपराधों और हिंसा की घटनाओं पर लगाम लगाएगा।

फ्लॉयड परिवार 2.70 करोड़ डॉलर में समझौता करने पर सहमत हुआ

● पुलिस हिरासत में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मौत का मामला

एपी। मिनीयापोलिस (अमेरिका)

पुलिस हिरासत में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के मामले में परिवार द्वारा दायर दीवानी मुकदमे को निपटाने के लिए मिनीयापोलिस नगर प्रशासन, फ्लॉयड परिवार को 2.7 करोड़ डॉलर (करीब 196 करोड़ रुपए) देने पर सहमत हो गया है। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब हत्या के आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई के लिए ज्यूरी के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। परिषद के सदस्यों ने समझौते पर चर्चा के लिए निजी तौर पर परिवार से मुलाकात की और इसके बाद सार्वजनिक बैठक कर इस भारी-भरकम राशि के भुगतान पर मुहर लगाई। यह राशि दो साल पहले एक श्वेत महिला की पुलिस द्वारा की गई हत्या के मामले में भुगतान की गई दो करोड़ डॉलर की राशि से अधिक है। फ्लॉयड परिवार के वकील बेन क्रम्प ने इसे दीवानी मुकदमे में सबसे बड़ा समझौता करार दिया और शहर के नेताओं को जॉर्ज फ्लॉयड के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। क्रम्प ने कहा, न्याय की यात्रा लंबी होने वाली है। न्याय की यात्रा में यह पहला कदम है। यह समझौता बताता है कि जॉर्ज फ्लॉयड उससे बेहतर के हकदार थे जो 25 मई 2020 (हत्या) को हुआ। उल्लेखनीय है कि फ्लॉयड की हत्या के बाद जॉर्ज फ्लॉयड की जिंदगी मायने रखती है के नाम से प्रदर्शन हुए और अश्वेत की जिंदगी मायने रखती है के नाम से इसके खिलाफ दुनिया भर में प्रदर्शन हुए। फ्लॉयड के भाई फिलोनोइस फ्लॉयड ने कहा, मेरा भाई नहीं है लेकिन वह मेरे दिल में है। अगर वह मुझे वापस मिलता है तो मैं

बाइडन प्रशासन ट्रंप शासन के दौरान एच1बी वीजा पर दर्ज आपत्तियों पर पुनर्विचार करेगा

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने शुक्रवार को कहा कि वह पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी तीन नीतिगत परिपत्रों से विदेशी कामगारों के वीजा जैसे एच- ।बी पर प्रतिकूल निर्णयों या आपत्तियों को लेकर पुनर्विचार करेगा। तीनों नीतिगत परिपत्रों को वापस ले लिया गया है।

बाइडन प्रशासन के इस कदम से बड़ी संख्या में भारतीय आईटी पेशेवरों को राहत मिलेगी जो पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी विभिन्न नीतियों एवं अनुबोधकों से गैर आव्रजन कार्य वीजा खासतौर एच- ।बी वीजा पर मुश्किल का सामना कर रहे थे। अमेरिकी नागरिक एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह गैर आव्रजक कामगारों की याचिका फार्म आई-129 को दोबारा खोल सकती है या प्रतिकूल फैसले पर पुनर्विचार कर सकती है जो तीन वापस लिए गए परिपत्रों पर आधारित है।

यूएससीआईएस ने कहा कि सामान्यत: वह याचिका को दोबारा खोलने का विशेषाधिकार का इस्तेमाल तब करती है जब फैसले के 30 दिन के बाद आवेदन किया जाता है, अगर इसे वैध अनुरोध अवधि खत्म होने से पहले या श्रम स्थित आवेदन के तौर पर जो भी पहले दाखिल किया जाता है। एच- ।बी वीजा पर अब वापस लिए गए तीन परिपत्रों को आधार बनाकर तय की गई एक या उससे अधिक नीतियों के संबंध में हो।

पायनियर
रविवार, 14 मार्च, 2021
एजेण्डा

मेरा खयाल है कि एक अभिनेता को अभिनेत्री के मुकाबले जनता की निगाह में क्षमा मिलने की अधिक संभावना है
-मिला कुनिस

आस्था का महासागर शक्तिपीठ

प्रख्यात लेखिका और इतिहासकार डॉ. अलका पांडे बताती हैं कि शक्ति पीठ एक दार्शनिक आधार का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन वे शक्ति की विविध किवदंतियों के लिए एक वसीयतनामा हैं। प्रस्तुत है 'शक्तिः 51 सेक्रेड पीठ्स ऑफ द गॉडेस' के संपादित अंश

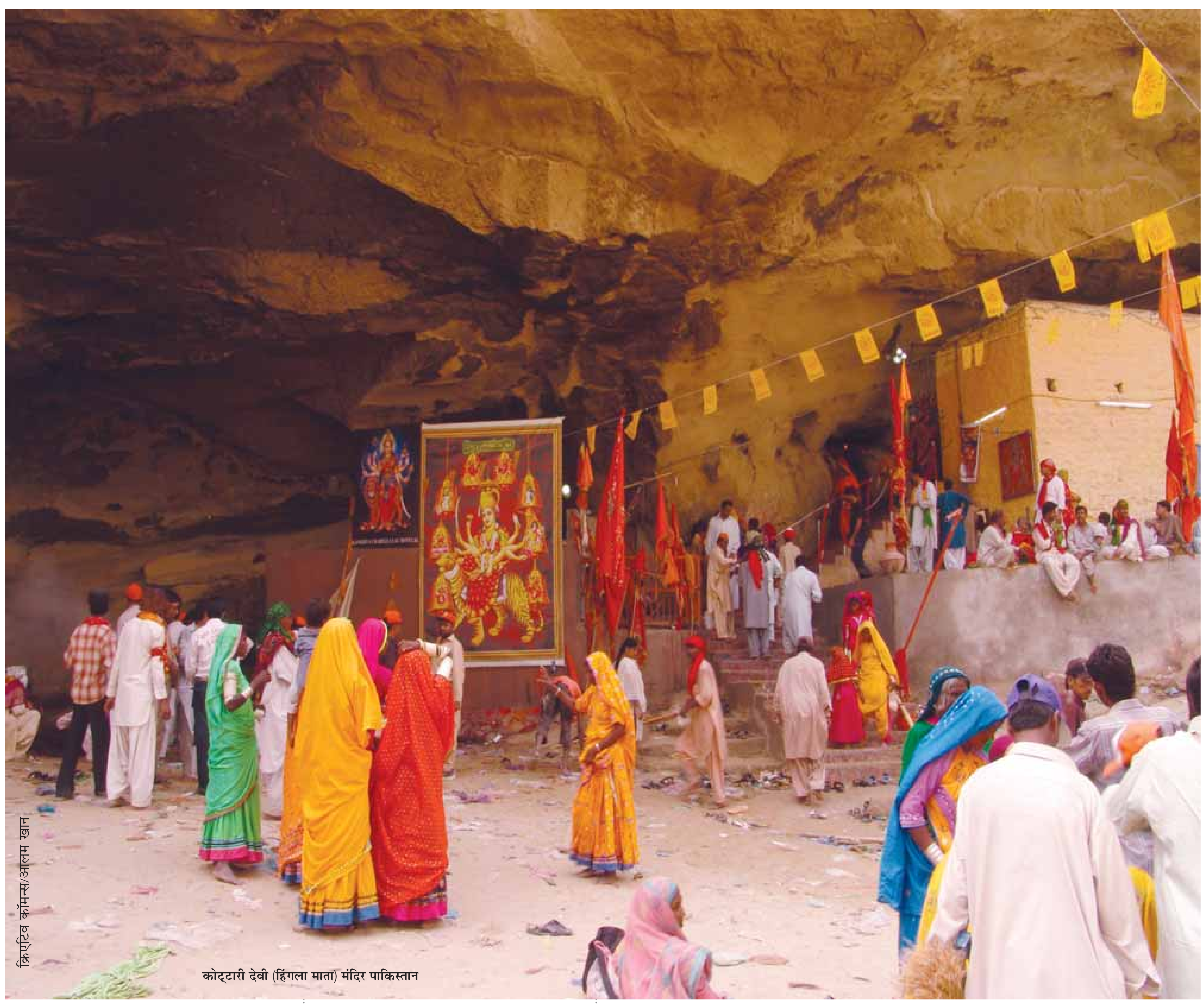

क्रिएटिव कॉमन्स/आलम खान

कोट्टारी देवी (हिंगला माता) मंदिर पाकिस्तान

संस्कृत से उत्पन्न, शब्द 'पीठ' का अर्थ है 'सीट, वेदी, तीर्थ या निवास।' शक्तिपीठों के मामले में, यह अत्यंत विशिष्ट है। यह वो पवित्र स्थान है जहां सर्वोच्च देवी पृथ्वी पर एक मजबूत, सुस्थापित खोज करती है। विभिन्न लोगों द्वारा, जो कि स्त्री की परम शक्ति में विश्वास करते हैं, प्रत्येक पीठ को देवी के मंदिरों में बदल दिया गया है। प्रत्येक स्थल जहां सती के 51 शरीर के अंग गिरे थे, उन्हें शक्ति पीठ कहा जाने लगा।

तीर्थ एक पारगमन या चौराहा है। अधिकांश संस्कृत शब्दों की तरह, इसके भी कई अर्थ हैं। तीर्थ भौतिक संसार से आधिभौतिक संसार को पार करते हुए आत्मा से परमात्मा तक पहुंचना भी है। ये 51 पवित्र स्थान वैज्ञानिकों और विद्वानों द्वारा संस्कृत भाषा के 51 अक्षरों से जोड़े गए हैं। प्रत्येक पीठ में कालभैरव भी निवास करते हैं, जो शिव का दूसरा नाम है। शक्तिपीठ के अधिकांश तीर्थों में प्राकृतिक रूप से दिखने वाला एक पत्थर होता है, जो पूजा की वस्तु बन जाता है जिसके इर्दगिर्द मंदिर बना होता है।

विंध्यवासिनी एक अतिरिक्त शक्तिपीठ है, जिसे मैंने जानबूझकर 51 पीठों में शामिल नहीं किया है। जबकि शक्ति का शक्तिशाली निवास, विंध्यवासिनी सती के शरीर के अंगों के रूप में शक्ति का धाम नहीं है। हालांकि, यह कृष्ण की बहन योगमाया की पसंदीदा पसंद और आश्रय है, जो मथुरा की कंस की जेल से भाग निकली थी

कालिका पुराण संकेत करता है कि चार आदि शक्ति पीठ हैं, जो बृहत् संहिता के भाष्य और पाठ में आगे की पुष्टि है। यह भारत के विभिन्न स्थानों – जैसे कि विमला मंदिर, ओडिशा, जहां शक्ति के पैर गिरे थे, ओड़िशा के बेहरामपुर में तारा तारिणी मंदिर, जहाँ उसके स्तन गिरे थे, असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर, जहाँ उसकी योनि या योनि गिरी थी, – के नामों को सूचीबद्ध करता है। और अंत में, पश्चिम बंगाल में कालीघाट मंदिर, जहां उसका दाहिना पैर का अंगूठा गिरा।

देवी का शास्त्र

प्राचीन काल से, देवी की पूजा भारत की इंडिक परंपरा का हिस्सा रही है। वास्तव में, देवी शिव और विष्णु से भी अधिक लोकप्रिय हैं। देवी के अनेक रूपों के समस्त रूप, अवतार या दर्शन शक्ति पंथ के मंदिरों से संबंधित हैं। परम देवी लक्ष्मी, सरस्वती या पार्वती के मामले में या दुर्गा, काली और चामुंडा के रूप में मृत्यु की स्वामिनी के रूप में सौम्य जीवन देने वाली हो सकती हैं। वह एक आकर्षक जूठन है, अपने जीवनदायिनी रूप में दोनों जीवन-स्थायित्व व भयंकर रूप में विनाशकारी। अपने जीवनदायी रूप में, शक्ति को सुंदर, परोपकारी, मातृ, ज्ञानी, दयालु और यहां तक कि सर्वश्रेष्ठ के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। वह पूरे ब्रह्मांड को खुश करती है, राज करती है और प्रकाशित करती है। उसे एक ऐसी आदर्श महिला के रूप में प्रदर्शित और वर्णित किया जाता है, जो सुंदरता, सदाचार और धार्मिकता का प्रतीक है, और गहनों से सजी है। वास्तव में, उनका प्रतीक सलाबंजिकों, अप्सराओं और सुरासुंदरियों के पूर्व-आधुनिक चित्रणों से खींचा गया है। इस रूप में, शक्ति वास्तविकता के सभी पहलुओं का आलिंगन करती है। विनाश और बीमारी की देवी के रूप में, वह और भी बदसूरत और संहारक रूप लेती है। सीता देवी मानसा या काली के रूप में, देवी को पाताल, कुरूप, अलौकिक और क्षीण दिखाया गया है। हालांकि, जो भी रूप है, वह हमेशा शक्तिशाली होता है।

मैंने अपार ऊर्जा और शक्ति के स्थलों के रूप में शक्तिपीठों की पूजा, अनुष्ठान, भक्ति और प्रतिनिधित्व से जुड़ी अनेक व्याख्याओं और पुराणों का अध्ययन करने के लिए पुराण और शाक्त दोनों ग्रंथों का गहन अध्ययन किया है। प्रत्येक भक्त महान देवी की अपनी समझ के माध्यम से, पूजा की अपनी पद्धति के जरिए पीठ के स्थान में प्रवेश करता है। वामा पंथी या शक्ति उपासक, जिनके लिए शक्ति या देवी सर्वोच्च है, तांत्रिक मार्ग से प्रवेश करते हैं, जो एक संप्रदायी आंदोलन है।

51 पीठों की अपनी खुद की एकल प्रतिमा है और उनके अपने कुछ विशिष्ट सामान्य अनुष्ठान हैं, जैसे कि फूल, मिठाई और सिंदूर के साथ अनुष्ठान, पूजा और यहां तक कि प्रसाद की अपनी विशिष्ट विधाएं हैं।

प्रार्थना और दर्शन की प्रथाएं

हालांकि शक्तिपीठ सती के शरीर के अंगों के लिए विशिष्ट थे, मगर आराधना, प्रार्थना और पूजा के अनुष्ठान इलाके की संस्कृति व इतिहास को देखते हुए भिन्न होते थे। समय के साथ, पीठ अपने संबंधित क्षेत्रों से जुड़ गए। स्थानीय लोगों ने उन पर अधिकार कर लिया और तीर्थों और स्थानों पर अधिकार का दावा करना शुरू कर दिया। स्वाभाविक रूप से, स्थानीय भोजन और धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं को कथित पौराणिक या मानक सनातन धर्मशास्त्रों पर प्राथमिकता मिलनी शुरू हो गयी।

मंदिरों में, पूजा के दैनिक अनुष्ठान पीठासीन देवता के समान थे, जो सामान्य रूप से पुरुष, अर्थात् विष्णु या शिव थे, और स्त्रैण उनकी पूजा के रूप में पूजे जाते थे। हालाँकि, शक्तिपीठों में, पीठासीन देवता एक शरीर का अंग था, जिसे उसकी विशिष्ट सेवा या प्रार्थना होने के बावजूद, देवी के रूप में शक्ति की पूजा के बड़े आख्यान में सम्मिलित किया गया था।

पूजा (प्रार्थना) का उद्देश्य शक्तिशाली देवी को प्रसन्न करना, मनाना और उन्हें शांत करना तथा जीवन शक्ति के रूप में अभिव्यक्त दिव्य ऊर्जा का आलिंगन करना है। स्वयं जीवन शक्ति में अनेक विविधताएं हैं, यानी शुभता, स्वास्थ्य, संतान की कामना से लेकर धन और सफलता, बौद्धिक और कलात्मक कौशल पर नियंत्रण हासिल करना, यहां तक कि शत्रुओं पर विजय प्राप्त करना भी। पूजा का अनुष्ठान मुख्यतया दर्शन में निवेशित होता है। पूजा करते समय, देवता के साथ आंख मिलाने की अवधारणा प्रमुख है। दर्शन एक दो-तरफा अवधारणा है जहाँ भक्त देवत्व को देखता है और बदले में देवत्व भक्त को देखता है। दर्शन की अवधारणा सभी स्थानों को पार करती है, जिसमें घरेलू दायरों में घर के अंतरंग पूजा क्षेत्रों से लेकर 51 शक्तिपीठों समेत बड़े सार्वजनिक मंदिर शामिल हैं।

दर्शन या दृष्टि का कार्य महत्वपूर्ण कुंजी है जो भक्त और परमात्मा को परस्पर लीन अवस्था में लाती है। यही कारण है कि शक्ति के उपासक शक्तिपीठों की लंबी व कठिन यात्रा करते हैं। मकसद है सर्वोच्च देवी का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उससे ऊर्जा हासिल करना। धार्मिक संस्कार के तीन अलग-अलग वर्गीकरण हैं: नित्य, जो रोजमर्रा है, सामान्य रूप से घर पर किया जाता है, नैमित्तिक, जो देवता के महत्वपूर्ण दिन हैं, और विशेष त्यौहार (घर में इष्ट देवता के लिए कुछ विशेष त्योहारया मंदिर के पीठासीन देवता के लिए कुछ विशेष त्योहार), और अंत में काम्या, जो वैकल्पिक हैं, लेकिन उनमें से एक अत्यंत अपेक्षित तीर्थ है।

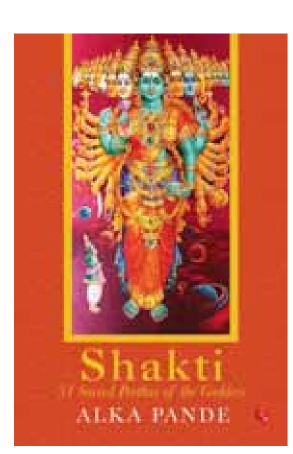

"प्राचीन काल से देवी की पूजा भारत की परंपरा का हिस्सा रही है। वास्तव में, देवी शिव और विष्णु से भी अधिक लोकप्रिय हैं। देवी के अनेक रूपों के समस्त रूप, अवतार या दर्शन शक्ति पंथ के मंदिरों से संबंधित हैं।"

शक्ति की प्रार्थना का अनुष्ठान भी पंचभूतों में निहित है, जहाँ पाँच ज्ञानेंद्रियाँ, या इंद्रियाँ पूजा के पहलू में शामिल होती हैं:

पंचभूता	ज्ञानेंद्रिय	भावना	पूजा	
आकाश	अंतरिक्ष	कान	सुनना	पुष्पम
वायु	वायु	त्वचा	स्पर्श	धूपम
अग्नि	अग्नि	नेत्र	दृष्टि	दीपक
जल	पानी	जीभ	स्वाद	जल या घी
भूमि	पृथ्वी	नाक	गंध	चंदन

प्रसाद

प्रसाद प्रार्थना और आशीर्वाद दोनों है। यह भक्त द्वारा पूजा का अनुष्ठान शुरू करने पर चढ़ाया जाता है। घरेलू स्थानों में, भक्त व्यक्तिगत, अंतरंग स्तर पर पूजा करता है, अक्सर प्रसाद या फल चढ़ाता है, और चावल और दूध को केसरयुक्त हलवा व मेवा या बादाम, विशेष रूप से बादाम और किशमिश के साथ दूध को छिड़का जाता है। मैंने भक्तों द्वारा प्रसाद के रूप में शक्ति पाने हेतु जो अर्पित करते देखा है, वो एक बलि है, या पशु बलि है, जिसमें आम तौर पर एक भेड़ के बच्चे और कभी-कभी भैंस की बलि चढ़ाई जाती है। शक्ति का अत्यंत मूल प्रसाद है मांस, भैरव के लिए शराब, और मिठाई, आम तौर पर चावल का हलवा। चूंकि शक्तिपीठों को क्षेत्रीय भक्तों द्वारा विनियोजित किया गया है, तो इससे स्वाभाविक रूप से पीठ का प्रसाद स्थानीय स्वाद भी प्राप्त करता है। पूर्वी भारत में, यह मुख्य रूप से खिचड़ी और खीर है जिसमें गरी और आलू की सब्जी होती है। जबकि दक्षिण भारत में, यह स्थानीय चावल की भिन्नता है, यानी पुलिहोरा, आंध्र प्रदेश में, एक गुड़ लड्डू और पश्चिमी भारत में, बनासकांठा में अम्बा मंदिर में, सिंघाड़े, व मखानों, या सूखे कमल के बीजों के साथ चने के आटे से बनी एक मीठी मीठी मिठाई मिलती है। इस तरह, लगभग हर क्षेत्रीय शक्तिपीठों में परोसे जाने वाले प्रसाद के हिस्से के रूप में उसका अपना क्षेत्रीय स्वाद और विशेषता शामिल होते हैं।

विशेष यज्ञ अनुष्ठान के अवसरों पर ही, जब विशेष बलि दी जाती है तो प्रसाद के रूप में मांस मंदिर में बांटा जाता है। अपने हाथों की हथेली में जल लेकर या आचमन करके , भक्त अपनी प्रार्थना शुरू करने से पहले क्षमा और आशीर्वाद मांगते हैं। बड़े सार्वजनिक मंदिरों में, यह पुजारी होता है जो भक्ति और श्रद्धा का पात्र बन जाता है। वह मध्यस्थ है जो अनुष्ठान कार्य करता है, मंदिर के संरक्षक देवता को भोजन और फूल प्रदान करता है। मंदिर और गर्भगृह की परिक्रमा से, जहां कि देवता रहते हैं, मंदिर में पूजा आरंभ होती है।

सती और 51 पीठों का मिथक परम देवी की पूजा में एक महत्वपूर्ण मिथक है। यह उन सभी लोगों के लिए खाका प्रस्तुत करता है, जो देवी की पूर्ण शक्ति में विश्वास करते हैं, तंत्र से मंत्र तक की सीमाओं को पार करते हुए, देवी भागवत पुराण से लेकर योगिनी ह्रदय तंत्र तक, गाँव में लोकप्रिय ग्राम देवी से लेकर राजपूत वंश की कुलदेवी तक।

शक्ति और उसका भैरव

प्रत्येक शक्तिपीठ की एक विशिष्ट विशेषता – भैरव के रूप में शिव के प्रकट होने की उपस्थिति है। सती, जिनके शरीर के अंग शक्ति पीठों का निर्माण करते हैं, का विवाह आदिम देवता शिव से हुआ था। हालांकि, शक्ति पीठ परिसर के भीतर एक भैरव मंदिर के निर्माण के साथ पूर्ण होती है।

>> पेज 3

एक दिन काफी है हमें थोड़ा बड़ा बनाने या किसी अन्य समय थोड़ा छोटा बनाने के लिए
- पॉल क्ली

ध्यान के लिए शांत मन

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

योग की स्थिति को बनाए रखना कुछ ऐसा है जैसे नदी का प्रवाह समुद्र के साथ विलय हो जाना, यानी जब नदी का पानी अपनी पहचान खो देता है और समुद्र के साथ एकाकार हो जाता है। इस प्रकार, अस्तित्व के मूल पर प्रहार करने से, मन को अपनी संपूर्ण शक्ति का एहसास होता है, जब उसके पास तलाशने के लिए ज्यादा कुछ नहीं होता है। इसी तरह, योग के दौरान, एकात्मक मन शांत हो जाता है, और उसी के साथ व्यक्तिवादी अस्तित्व की भावना भी, जो फिर किसी भी भेदभाव के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ती है। इससे व्यक्ति शांत भाव में आ जाता है।

आप पूछ सकते हैं : यदि मन किसी भी विचार से रहित होगा तो इससे वह कौन सा उद्देश्य साधेगा? क्योंकि, विचार हमारे स्तर पर सभी कार्यों के संचालक हैं। मैं यहाँ स्पष्ट कर दूं कि समाधि प्राप्त करना अंतिम ध्येय नहीं है। यह एक आत्म-सशक्तिकरण प्रक्रिया है, जो समूची मानव क्षमता को सक्रिय भूमिका में लाती है, जब व्यक्ति किसी भी सीमा से परे हो जाता है। इसके अलावा, मन क्रमबद्धता की भावना को पुन: प्राप्त करता है, जब इसके सभी कार्यात्मक घटक सहज ढंग से समन्वित भाव से संचालित होने लगते हैं। मन तब किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त हो जाता है, जब पूर्ण मन:स्थिति उपलब्ध हो जाती है। जिससे फिर दृष्टि का दायरा अपने सर्वोत्तम रूप में फैलता है। बुद्धि तीव्र हो जाती है। इस तरह से, मन एक खुले दिमाग के साथ लक्षित विषय की खोज करता है, और इसलिए चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में देखने तथा उसके अनुसार सही कदम उठाने में सक्षम होता है। वास्तव में, तब आप चेतना के उच्चतम छोर से चीजों को देखते हैं, जिसमें कुछ भी आपसे छिपा नहीं रहता है। सहज रूप से, आपने जो कुछ भी देखा होता है, आप उसकी जड़ तक पहुँच सकते हैं।

समाधि के साथ प्रक्रिया समाप्त नहीं होती है। पतंजलि ने अवश्य उन लोगों के खतरे को महसूस किया होगा जिन्होंने समाधि प्राप्त करने की प्रवृत्ति विकसित की और जो जीवन की सामान्य गति से मानसिक रूप से विमुख हो जाते हैं और एक अमूर्त काल्पनिक दुनिया में उलझ जाते हैं। लेकिन वो समाधि का उद्देश्य नहीं है। हमें न केवल स्वयं अपने स्तर पर बहुत सुधार करना होता है, बल्कि दूसरों को भी उस दिशा की ओर ले जाना होता है। और यह संभव नहीं होगा यदि साधक मानसिक रूप से मौजूदा दुनिया से कट जाए।

उसी के अनुसार, पतंजलि ने एक अंतरोन्मुखी प्रक्रिया का सुझाव दिया, जिसे उन्होंने समन्वय की प्रक्रिया का नाम दिया है। इसमें समाधि, ध्यान और धरना का पश्चोन्मुख ध्यान करना शामिल है। इस प्रक्रिया में स्थापित होने के बाद, जब किसी मुद्दे पर उचित ध्यान व चिंतन-मनन किया जाता है तो व्यक्ति सहजता से विषय की जड़ तक पहुंच सकता है और अत्यंत सहज भाव से सही नेतृत्व करने में सक्षम हो सकता है। इसी रूप में कश्मीर शैववाद को सहज समाधि में होने की संज्ञा दी जाती है।

इस प्रकार योग की अवधारणा पर चर्चा करने के बाद, अब आवश्यक है कि इसके अनुप्रयोग की चर्चा की जाए। ध्यान की सौ विभिन्न प्रकार की विधियां प्रचलित हैं, जिनका विभिन्न संस्कृतियों द्वारा पालन किया जाता है। इस संबंध में तुलना करने व पूर्वाग्रह पालने में कोई मजा नहीं है कि उनमें से कौन अन्य से बेहतर है। जैसा कि स्वामी राम कृष्ण परमहंस द्वारा प्राप्त पूर्व अनुभव के मुताबिक, आप अलग-अलग रास्तों का अनुसरण कर सकते हैं, लेकिन अंततोगत्वा, प्रेम का एक ही भाव आप पर आच्छादित होता है। हालाँकि, किसी नए व्यक्ति को यह जानने की उत्सुकता होगी कि ध्यान के किस विशेष पद्धति का अनुसरण किया जाए। प्रायोगिक तौर पर, एक त्रिअनुक्रम- प्रक्रिया का सुझाव दिया गया है - मन को शांत करना, मन को शुद्ध करना तथा मन को ध्यानरत रखना - जो कि ऊपर दिए गए सिद्धांतों के अनुरूप है।

मन को शांत करना : एक नवसिखुआ को, ध्यान प्रक्रिया को अपनाने से पहले, एक अनुकूल आंतरिक मन:स्थिति बनाने की जरूरत है। यह विधि अड़ियल मन को अपेक्षाकृत शांत करने, तत्कालिक स्तर पर मन के भीतर चल रहे अनगिनत हालांकि ज्यादा बेतुके व नकारात्मक विचारों के साथ जद्दोजहद न करने का प्रयास करने की मांग करती है। अन्यथा, मन की स्थिति उचित दिशा में ध्यान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अग्रसर नहीं हो सकेगी।

यह विधि सरल है, प्रत्याहार की शर्तों पर खरी। आप अपनी पीठ के बल, बिना किसी तकिए के सहारे, सहज मुद्रा से लेट जाएं। बिस्तर थोड़ा सख्त हो तो बेहतर है, ताकि रीढ़ की हड्डी सीधी रहे। अपनी आँखें बंद करें। आपके सभी संवेदी उपकरण स्वाभाविक रूप से बाहरी दुनिया से तथा उसी प्रकार जागृत चेतनावस्था से विमुख हो जाएंगे। अवचेतन मन तत्काल पूर्ण सक्रिय भूमिका में आ जाता है, जो तत्काल अतीत में उभरने वाले बेतरतीब विचारों को ध्यान में लाता है जो सतह के स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते होंगे। निरंतर इच्छाएं और भावनाएं भी आपके अंतरमन को खटखटाती रहती हैं। जाहिर है, आप विचारों से भर जाएंगे, जो आपको भीतर से परेशान कर देंगे। विचारों को स्वाभाविक रूप से अंदर और बाहर प्रवाहित होने दें। इस प्रक्रिया को कम से कम 20 मिनट तक जारी रखें। बार-बार उभरते विचारों पर ध्यान न दें। बस अपने मन को मूक गवाह के रूप में उनसे विमुख रहने के लिए प्रशिक्षित करें। याद रखें, केवल तभी आप प्रभावित होंगे जब आप ध्यान देंगे। हालाँकि, विडंबना यह है कि अप्रभावित रहना आसान नहीं है।

ज्ञान प्राप्त करें

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी कहते हैं कि लोगों को मूल्यों व नैतिकता को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि ये चरित्र का निर्माण करते हैं

हाल ही में, दुनिया भर में सरकारें इस तथ्य को स्वीकार करने लगी हैं कि सही मूल्यों की अनुपस्थिति उन विभिन्न बीमारियों का कारण है, जिसमें कोविड-19 महामारी भी शामिल है। लाखों - अरबों खर्च हो गए हैं और अभी भी विभिन्न देशों द्वारा हमारे मौजूदा पतित समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना पर खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन, जैसा कि परिणाम से स्पष्ट है, कि सफलता उन सभी की पहुंच से दूर है। बुजुर्ग लोग बड़बड़ाते हैं और शिकायत करते हैं कि लोगों ने मूल्यों को नकार दिया है। कुछ लोगों का आरोप है कि पूरा समाज भ्रष्ट हो गया है, तो दूसरों का कहना है कि भ्रष्टाचार के कारण सरकार लगभग दिवालिया हो गई है। समाचार-पत्र भयावह अपराध संबंधी समाचारों से भरे होते हैं। धार्मिक नेताओं का कहना है कि धर्म को बदनाम किया जा रहा है।

वास्तव में, प्रत्येक व्यक्ति नैतिकता के पतन का चश्मदीद गवाह है और सभी लोग मूल्यों की दुहाई दे रहे हैं। लेकिन सारे प्रयास कुछ हजार लोगों में भी कोई ठोस परिवर्तन क्यों नहीं दिखा पा रहे हैं? यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। यदि हम इस मामले पर गहराई से विचार करें तो हम पाएंगे कि कोई भी इंसान ऐसा नहीं है जो किसी भी प्रकार के मूल्यों को नहीं अपनाता है। हर कोई किन्हीं मूल्यों का पालन करता है। हालाँकि, मूल्य हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होते हैं, जो कि उनकी विश्व-दृष्टि या उनकी विश्वास प्रणाली पर निर्भर करता है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी खुद की पहचान, समाज संबंधी, मनुष्य के स्वभाव, समय और स्थान आदि से संबंधित कुछ विश्वास व मान्यताएं होती हैं ... उसी प्रकार हर किसी में धर्म, शिक्षा, व्यापार, मीडिया, सरकार, राजनीति आदि से संबंधित अपने विशिष्ट विचार होते हैं। विश्वासों का यही तानाबाना उसे एक विश्व-दृष्टिकोण देता है, जो दूसरों के विश्व-दृष्टिकोण से अलग होता है। यह वो विश्व-दृष्टिकोण है जो किसी व्यक्ति की दृष्टि, दृष्टिकोण और आचरण पद्धति को निर्धारित करता है।

दुनिया भर में लोग धार्मिक उपदेशकों या कुछ सार्वजनिक हस्तियों द्वारा सिखाए गए मूल्यों का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लोग वेदांती, बौद्ध, यहूदी, ईसाई, मुस्लिम मूल्यों का पालन करते हैं, जबकि कुछ अन्य गांधीवादी मूल्यों या कुछ नेताओं द्वारा सिखाए गए मूल्यों को अपनाने की कोशिश करते हैं। अब, उपरोक्त सभी मूल्यों की, उनके विश्व-दर्शन के अनुसार, विभिन्न शख्सियतों द्वारा पैरवी की गई थी। हालांकि, सभी लोगों के अनुपालन के लिए कोई सार्वभौमिक आचार-संहिता उपलब्ध नहीं है। किसी ने भी, अब तक, कोई व्यापक, सर्व-समावेशी, पूर्णतया तर्कसंगत और बिल्कुल सही विश्व-दृष्टिकोण नहीं दिया है क्योंकि इस तरह का दृष्टिकोण केवल ईश्वर द्वारा ही दिया जा सकता है, क्योंकि वही (भगवान) पूरी तरह से नैतिक है -सचमुच में ज्ञानवान, पूर्ण-सदाचारी और समस्त आत्मिक कमजोरियों से मुक्त, पूर्णतया निस्वार्थ से प्रेरित। वही प्रवीण हो सकता है, त्रुटिहीन चरित्र का है, बिना किसी कमजोरी के, अतुलनीय रूप से न्यायपूर्ण और निष्पक्ष, किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से मुक्त, किसी भी सांप्रदायिक, क्षेत्रीय, नस्लीय या संकीर्ण दृष्टिकोण से ऊपर और बिना किसी लाभ के विचार के। उसमें रत्ती भर भी स्वार्थ नहीं होता है, लेकिन वह सभी केप्रति प्रेम और उदारता, दया, करूणा, सहयोग, मित्रता और सदा-सहायक होने की इच्छा से अभिभूत है।

लेकिन वर्तमान संदर्भ में जो बात अनिवार्य रूप से प्रासंगिक है, वो यह है कि उसे वर्तमान, भूत और भविष्य का ज्ञान अपनी संपूर्णता में और निरंतरता के साथ होता है। जो ज्ञान उसके पास है, वह किसी विभाग या खानाबंदी में विभाजित नहीं है, बल्कि संपूर्ण है। इसमें कोई आंतरिक विरोधाभास नहीं है। यह अंतिम है और इसमें किसी भी शोध या भावी पुष्टि की आवश्यकता नहीं है। यह समस्त धर्मों, संस्कृतियों, भूभौतिकीय परिस्थितियों, मानव स्वभाव आदि को ध्यान में रखता है। यह सैद्धांतिक, व्यावहारिक और अनुभवात्मक भी है। इसन ज्ञान को आसुत किया है, अशुद्धियों, छद्म तत्वों व मिथ्या से पूर्णतया मुक्त। इसमें नकली या कृत्रिम सामग्री का कतरा भी नहीं है। इसलिए, उस प्रकट ज्ञान या ईश्वरीय ज्ञान के आधार पर गठित विश्व-दृष्टिकोण ही एकमात्र ऐसा चरित्र है जो किसी व्यक्ति के चरित्र की खामियों को दूर करने में सक्षम है। यह वो ज्ञान है जो व्यक्ति के जीवन में सही प्रकार के मूल्य और परिवर्तन लाता है।

इसलिए, यह जरूरी है कि जो लोग अपने हृदय की गहराई से महसूस करते हैं कि हमारे समाज को मूल्य-आधारित होना चाहिए, उन्हें भी वे सारे प्रयास करने चाहिए कि स्वयं उनमें और सभी अन्य लोगों में उचित विश्व-दृष्टिकोण विकसित हो। क्योंकि इसके बिना, उचित मूल्यों की खेती और विकास का खयाल- एक सदिच्छापूर्ण सोच या एक खयाली सपना मात्र बना रहेगा।

शुक्र है भगवान! आप हमारे पास हैं

अजीत कुमार बिश्नोई का कहना है कि हम सभी में ईश्वरीय गुण हैं जो हमें अपने भीतर और बाहर के राक्षसों से बचाने में मदद करते हैं

भागवत गीता के सोलहवें अध्याय में, भगवान कृष्ण कहते हैं कि इस दुनिया में दो प्रकार के व्यक्ति होते हैं। इनमें या तो दैवीय गुण होते हैं या आसुरी गुण। प्रत्येक व्यक्ति में दोनों में से किसी एक गुण की प्रधानता होगी। (16.6) हम जानते हैं कि दैवीय गुण क्या हैं: ये गुण हैं, अहिंसा और सत्यता। (16.2) जबकि आसुरी गुण हैं: कपटपूर्ण व्यवहार, अहंकार, क्रोध आदि। (16.4) कम बुद्धि होने के कारण, दानव, दुनिया को नुकसान पहुंचाने के लिए जन्म लेते हैं। (16.9)

इसलिए, हम, दैवीय गुणों वालों को, इन राक्षसी चरित्रों से खुद को बचाए रखना चाहिए। सोचिए कि महाभारत काल में क्या हुआ था। दुर्योधन और कंपनी के नेतृत्व में आसुरी शक्तियाँ सत्ता में आईं। पांडव - सिंहासन के वास्तविक दावेदारों को निकाल बाहर कर दिया गया था। उसी अवधि में, कंस - एक राक्षस भले लोगों पर कहर ढा रहा था और उस पर कोई पाबंदी नहीं थी। ईश्वर ने भगवान कृष्ण के रूप में अवतार लिया और दुनिया का कल्याण किया।

हालाँकि, भगवान बारंबार अवतार नहीं लेते हैं। फिर, हम क्या करें? वर्तमान समय में, अनेक तानाशाह अपने देशों पर नियंत्रण करने में कामयाब रहे हैं। ऐसे में उनके नागरिकों को क्या करना चाहिए? इन देशों में अच्छे लोगों को अपनी रक्षा करने के लिए एकजुट होना चाहिए, और यदि संभव हो, तो सरकार में बदलाव लाना चाहिए, जब भी ऐसा कोई अवसर मिले।

मैं एकजुट होने के इस दर्शन की स्पष्ट कर देता हूं। इस संदर्भ में, मैं स्वयं अपने उदाहरण का हवाला दूंगा। मुझे देश में होने वाली कई चीजें नापसंद हैं, लेकिन यह मुझे खुद को बुरी शक्तियों से बचाने से नहीं रोकती है। मैं ज्यादातर अच्छे लोगों के साथ जुड़ने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए सौभाग्य कि, मेरे परिवार में वास्तव में अच्छी आत्माएं हैं, मैंने इससे बेहतर नहीं पा सकता था। जहां तक रिश्तेदारों की बात है, तो मैं यह चुनने में बहुत सावधानी बरतता हूं कि मैं किसके साथ हूं। मैं केवल असलियत में अच्छे लोगों के साथ करीबी रिश्ते बनाए रखने की कोशिश करता हूं। दूसरों के लिए, मेरा नियम उनके प्रति पूरी तरह से औपचारिक हो जाना है, यानी अत्यंत न्यूनतम स्तर पर रिश्ता बनाए रखना। इसके अलावा, मैं ''शनिदेव'' की पूजा करता हूं, जैसा कि मुझे मेरे ज्योतिषी ने सलाह दी है, और मैं इसे बहुत गंभीरता से करता हूं। मेरे लिए देवी-देवताओं का पक्ष लेना भी महत्वपूर्ण है। मैं अपने आध्यात्मिक मित्र द्वारा सुझाए गए एक विशेष मंत्र का जाप करते हुए ''दुर्गा मां'' की पूजा करता हूं। इन सभी अच्छे लोगों, ''ग्रहों'' और देवी-देवताओं के साथ मिल कर रहना बहुत संतोषजनक है। हालांकि, मुझे अभी भी काफी खालीपन महसूस होता है।

कई दशकों की समयाविध के दौरान, मैंने महसूस किया है कि इस कमी को केवल भगवान द्वारा भरा जा सकता है। केवल वही, सर्वशक्तिमान, कुछ परिस्थितियों में मदद कर सकता है। केवल वही, सर्वज्ञ, सबसे कठिन परिस्थितियों में मेरा मार्गदर्शन कर सकता है। केवल वही, सर्वव्यापी, मुझे हर समय उपलब्ध हो सकता है। और केवल वही, सृष्टि का स्वामी- जो भी मुझे चाहिए, और जब भी मुझे चाहिए- मुझे प्रदान कर सकता है।

इसके अलावा, मैंने महसूस किया है कि भगवान हमेशा हम सभी को देख रहा है। जो कुछ हम कहते हैं उसे सुन रहा है और हम जो सोच रहे हैं, उसके बारे में जान रहा है। और इसके पीछे उद्देश्य बस इतना है - कि हम अच्छे लोगों को प्रोत्साहित करना, सहायता, मार्गदर्शन और पुरस्कृत करना व दण्ड देने का काम इन्हीं ईश्वरीय शक्तियों के हाथ में है। इस सच्चाई को पूरी तरह से महसूस करने में मुझे काफी समय लगा कि ईश्वर, जो सब कुछ है (7.19) ने स्वयं अपने लिए यह कर्तव्य चुना है। यह सच है जैसा कि कई लोगों ने इसे महसूस किया है। इस तथ्य के कारण, मैं शांति से रह सकता हूं। मैं कई नकारात्मक शक्तियों की उपस्थिति के बावजूद खुद को सुरक्षित महसूस करता हूं। मैं इतना कृतज्ञ हूं कि मैं सोने जाने से पहले, विभिन्न चीजों के लिए प्रभु का धन्यवाद करने के लिए, रोज पंद्रह मिनट उसका शुकराना अदा करता हूं। अंतर्निहित भावना यह होती है: भगवान, हमारे पास आप हैं। आपकी उपस्थिति के बिना मैं या कोई भी शांति, आनंद या सुरक्षा की भावना प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान का शुक्र है कि आप हमेशा हमारे साथ हैं।

- बिश्नोई एक आध्यात्मिक लेखक हैं।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

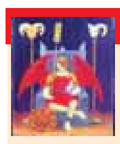

स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले याद रखें कि चीजें हमेशा समान नहीं होती हैं। आहार, व्यायाम पर ध्यान दें व आराम करने का समय सुनिश्चित करें। वर्तमान में रहें। कायाकल्प और अच्छे स्वास्थ्य में रहने के लिए अपने मनोरंजन का ध्यान रखें। करियर के मोर्चे पर, अब काम से अवकाश लेने का समय है। परिप्रेक्ष्य हासिल करने के लिए आपको इस अवकाश की आवश्यकता है। चीजें वैसी नहीं हो रही हैं जैसी आप उन्हें चाहेंगे। व्यक्तिगत रूप से कार्यस्थल पर जो होता है या उसके लिए ज्यादा परेशान न हों या खुद पर दबाव न लें। शायद, अन्य स्थिति की तलाश शुरू करने का समय आ गया है।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

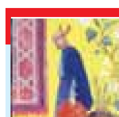

आगामी सप्ताह आनंद लेकर आता है। आप हंसमुख और सकारात्मक मूड में रहेंगे। आप स्वास्थ्य के मोर्चे पर सजग और अत्यंत सचेत हैं और अपनी भलाई को देखते हुए इसमें अच्छा समय समर्पित करते हैं। अच्छे पोषण से लेकर व्यायाम व विश्राम तक की चिंताओं से दूर रहने के लिए, आप अपने स्वास्थ्य पर काम करना जानते हैं। कार्यस्थल पर मित्रता की भावना मौजूद है। आप सहयोगियों, दोस्तों और यहां तक कि अधिकारियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाए रखते हैं। इस सप्ताह आप जीवन के नटखटपन के साथ व्यस्त रहेंगे।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरूवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

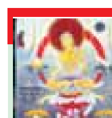

इस सप्ताह आप अपनी शर्तों पर जीवन जीएंगे और स्वास्थ्य से समझौता बिलकुल नहीं करेंगे। आप अपनी जरूरतों, विचारों को प्राथमिकता देंगे व अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जो किया जाना चाहिए, उसकी योजना बनाएंगे। अपने दृष्टिकोण में थोड़ा लचीला, संवेदनशील और नरम होने की कोशिश करें। आप देखभाल व खयाल रखने वाले मगर फिर भी इस समय दबंगकारी हैं। पेशेवर मोर्चे पर, आप नए विचारों से ओतप्रोत हैं। आप अपने सामाजिक जीवन को बेहतर बनाने और सामाजिक जीवनचर्या और दोस्त बनाने की कोशिश करेंगे, जो आपको तरोताजगी, व नई आशाएं और सपने देगा।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** गेहुंआ **शुभ दिन:** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आप आत्मोन्नति के मार्ग पर हैं। आप जीवन -अर्थ की तलाश में एक नए विश्वास पद्धति का पालन कर सकते हैं। आप ऐसा करने के वर्षों बाद भी नियमित रूप से धार्मिक सेवाओं में भाग लेने वाले स्वयंसेवी हो सकते हैं। अपने जीवन में थोड़ी वैयक्तिकता को खोना अपने आप से बहुत बड़ी चीज का हिस्सा होने की प्रबल भावना से वंचित कर सकता है। करियर के लिहाज से आप किसी नए पद या जिम्मेदारियों की ओर अग्रसर हो सकते हैं। आप अपने भविष्य को लेकर आशावादी, उत्साहित और आशावान महसूस करने वाले हैं।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** बुधवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

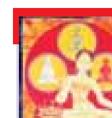

आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ने की दिशा में काम करेंगे और अपने लिए कुछ सहज अच्छे की शुरूआत करेंगे। अपना अच्छी तरह खयाल रखेंगे तभी आप आप दूसरों की पर्याप्त देखभाल करने में सक्षम होंगे। व्यायाम अभी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे बहुत ज्यादा न करें। आपको कुछ आध्यात्मिक सच्चाइयां प्राप्त होंगी जो आपके लिए बहुत ज्यादा लाभकारी होंगी। करियर मोर्चे पर, आप अपनी बेचैनी पर नजर रखने की जरूरत है। नौकरी की चिंता करना मसले सुलझाने में मदद नहीं करने वाला है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

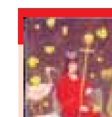

इस सप्ताह आपको अपनी दिनचर्या में कुछ त्वरित बदलाने की जरूरत है क्योंकि स्थिति बदल गयी है और आपको अपनी वर्तमान स्थिति की आवश्यकताओं को पूरा करना पड़ेगा। आप उधेड़बुन की स्थिति में हैं, यह समय खुद को प्रेरित करने व अपने जीवन में बदलाव लाने का है। आपको स्वयं के प्रति ईमानदार होना चाहिए और आंकलन करना चाहिए कि कौन सा उत्तम कदम उठाया जाए व बेहतर जीवन हासिल करने की चुनौतियों का सामना किया जाए। कार्यस्थल पर नए संपर्क आपके अनुकूल हो सकते हैं।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

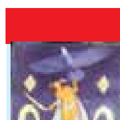

इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है और अपनी बेतुकी कल्पना से बाहर आने की आवश्यकता है। इससे आपकी सेहत खराब हो सकती हे। वर्तमान में रहना अपने स्वास्थ्य की सुनना अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। आप अति उत्साही हे और यह ऊर्जा एक चेतावनी लिए हुए है कि आप अपने मन की उधेड़बुन में बहुत ज्यादा खोए रह सकते हैं। कार्य मोर्चे पर, आपके पास ज्ञान, क्षमता, व अपनी चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक प्रेरणा है।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

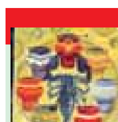

इस सप्ताह आप काम के दबाव में रहेंगे और चुनौतियाँ आपके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती हैं। स्वास्थ्य के मुद्दों पर समझौता करना उचित नहीं है। अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन लाएं। पाचन और आंतों की समस्याओं पर ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है। चिंता, भय और तनाव आपकी दक्षता कमजोर कर सकते हैं। आफिस राजनीति और योग्यतम के टिके रहने की आशंका है। आपको निर्णय लेना चाहिए कि आपका शैक्षिक भविष्य, अचल संपत्ति की खरीद या बिक्री या किस विशेष नौकरी में अग्रसर हो सकता है। आप दिल से काम कर रहे हैं, दिमाग से नहीं।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

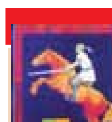

आपका दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति बहुत मजबूत है। यह आपको स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है और आपको अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करती है। नियमित व्यायाम, सुबह की सैर और अनुशासित आहार आपके लिए अद्भुत काम करते हैं। समझदारी से काम लें, आप अपनी क्षमता स्थापित कर सकते हैं। कार्यस्तर पर यह एक पुरस्कृत सप्ताह है। आप नेता हैं और अन्य अनुयायी। लोग आपकी बात सुनेंगे और आपके विचारों का सम्मान करेंगे। निजी जीवन में कृतज्ञ महसूस करते हैं।

शुभ अंक: 31 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** बुधवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

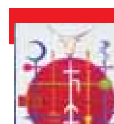

जब आपकी एक सकारात्मक आत्म-छवि होती है, तो आप अपने स्वास्थ्य को सम्मान व महत्व देते हैं। आपको स्वस्थ व संतुलित जीवनशैली जीने के बारे में अच्छा महसूस हो सकता है। सौंदर्य उपचार, और युक्तियों के साथ अपना खयाल रखें। कैरियर के मोर्चे पर, आप व्यवसाय या नौकरी में रुकावट महसूस करते हैं। यह अवधि आपके लिए चेतावनी हो सकती है। कार्य परिवेश के मामले में, आपकी नौकरी में बदलाव के संकेत हैं। आपको अपने दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। आप अपनी मौजूदा नौकरी नापसंद करते हैं ।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

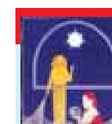

इस सप्ताह आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। जीवन में इन पांच तत्वों का संतुलन - वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी और ईथर - जीवन को जीने लायक बनाएंगे। आप कई लोगों के लिए एक प्रेरक और प्रेरणा हैं। इतनी मेहनत के बाद, आपको निश्चित रूप से कुछ बेहतर आराम की आवश्यकता है। कैरियर के मोर्चे पर, वेतन या प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी की उम्मीद है। कार्य मोर्चे पर आपका नवाचार, टिकाऊपन और सरलता इसके बेहतर संचालन के उपयुक्त तरीके हैं। व्यक्तिगत जीवन में टकराव की स्थिति आ सकती है।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** फिरोजी **शुभ दिन:** शुक्रवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

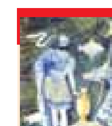

भावनात्मक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए यह एक अच्छा सप्ताह है। चीजों के प्रति आपका सकारात्मक दृष्टिकोण बहुत मदद करेगा। आपको कार्रवाई हेतु तैयार होने का एहसास होने की संभावना है। आप अपनी आध्यात्मिक खोज में नए दायरों में प्रवेश करने के लिए तैयार हो रहे हैं। पेशेवर रूप में यह वो समय है जब कई परियोजनाओं को महसूस किया जाता है, विशेष रूप से बड़ी योजनाएं, जो आपके लिए लाभदायक होंगी। व्यवसायिक आचरण अब सर्वाधिक फलदायी हो सकता है और यदि आप अपने व्यवसाय या नौकरी में हैं, तो लोग आपके काम का मूल्यांकन करेंगे और आपके विचारों व उत्पादों को स्वीकार करेंगे।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** सोमवार

गहराई से महसूस करें कि वर्तमान क्षण ही है जो सदा आपके पास है। वर्तमान को अपने जीवन का प्रमुख ध्यानकेन्द्र बनाएं
- एखार्ट टोल्ले

ध्यान की शक्ति

संत राजिंदर सिंह का कहना है कि भगवान से संबंध बनाना कठिन नहीं है, यह सिर्फ चुनाव करने की बात है कि यही है जो हम क्या करना चाहते हैं

आत्मा को जीवन के लिए मानव शरीर में एक निश्चित अवधि के लिए भेजा जाता है। जब आत्मा शरीर में वास करती है, तब भी आत्मा भगवान का एक हिस्सा है और उस समय भी भगवान के साथ एक होती है। हालाँकि, आत्मा अब मन, शरीर और बाहरी दुनिया जैसी शक्तिशाली ताकतों द्वारा हावी हो जाती है, जो समय के साथ आत्मा को खुद को भुलाने का कारण बनती है। आत्मा धीरे-धीरे शरीर, मन और बाहरी दुनिया से स्वयं को पहचानने लगती है। यह अचानक सोचने लगती है कि यह केवल इन्द्रियों के माध्यम से बाह्य दुनिया से जानकारी प्राप्त कर सकती है। इस प्रकार आत्मा केवल एक माध्यम- यानी दुनिया का माध्यम- की आदी हो गयी है।

यदि हम टेलीविजन कार्यक्रम को देखने के बतौर अपने जीवन के बारे में सोचते हैं, तो हमारे पास कई विकल्प हैं कि क्या देखना है। जिस प्रकार दर्जनों नेटवर्क स्टेशन हैं और फिर, सैंकड़ों नहीं तो, दर्जनों केबल स्टेशन हैं जिनमें से चुनना है, तो, इस दुनिया में कई गतिविधियां हैं, जिनसे हम जुड़ सकते हैं।

अब, हम अपने लिए उपलब्ध अन्य विकल्पों पर एक नजर डालते हैं। यह वस्तुगत ग्रह समग्र सृष्टि और ईश्वर से स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। अधिकांश धर्मों का मानना है कि ऐसे उच्च क्षेत्र या अस्तित्व हैं जहां शरीर के मरने के बाद आत्मा चली जाती है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने नैदानिक रूप से लगभग मृत घोषित किए गए लोगों के अनुभवों का दस्तावेजीकरण करके तथा उन अनुभवो को इस जगत के परे कुछ बताकर इसे सत्यापित करने की कोशिश की है। सवाल यह है कि ये अहसास कहां हैं? वे सीमाओं द्वारा परिसीमित बाहरी अंतरिक्ष में मौजूद क्षेत्र नहीं हैं। ये सभी अहसास समवर्ती रूप से इसी के साथ मौजूद हैं। हम उनके बारे में नहीं जानते हैं तो इसका कारण यह है कि वे एक अलग आवृत्ति या कंपन पर काम करते हैं।

संत और सूफी हमें बताते हैं कि हमारे पास इस भौतिक दुनिया में बने रहने, या भगवान के माध्यमों में लीन होने का विकल्प है। भगवान चाहते हैं कि हम उसका कार्य विधान देखें। भगवान दिन के चौबीस घंटे, साल के तीन सौ पैंसठ दिन उपलब्ध है। भगवान का कार्य विधान सुबह तीन बजे बंद नहीं होता है, जैसे कुछ नेटवर्क का होता है। यह बिना किसी केबल शुल्क के हर समय प्रसारण करने वाला एक नि:शुल्क स्टेशन है। हमें केवल यह जानने की आवश्यकता है कि भगवान के स्टेशन के साथ कैसे लयबद्ध हुआ जाए। ईश्वर से संबंध कठिन नहीं है। यह चुनाव करने की बात है कि यह वही है जो हम करना चाहते हैं। ऐसा करने के चरण सरल हैं।

जब हम अपनी आत्मा के साथ पहचान करें तो हम अपना ध्यान आवृत्ति या उच्च लोकों और अंतत: ईश्वर की ओर स्थानांतरित करें। हमें बस इतना ही करना है। परमेश्वर ने हमारे लिए अपने सच्चे घर के बारे में जानना कठिन नहीं बनाया है। ये हम ही हैं जिन्होंने इसे जटिल बना दिया है।

पहला चरण है खुद को शरीर, मन और बाहर की दुनिया के साथ पहचानना बंद करना और स्वयं को आत्मा के रूप में पहचानना।

दूसरे चरण के लिए आवश्यक है कि जब हम अपनी आत्मा के साथ पहचान करें तो हम अपना ध्यान आवृत्ति या उच्च लोकों और अंतत: ईश्वर की ओर स्थानांतरित करें।

हमें बस इतना ही करना है। परमेश्वर ने हमारे लिए अपने सच्चे घर के बारे में जानना कठिन नहीं बनाया है। ये हम ही हैं जिन्होंने इसे जटिल बना दिया है।

तो हम पहले और दूसरे चरण को कैसे पूरा करते हैं? पहले चरण को पूरा करने के लिए, हमें अपने शरीर, मन और बाहर की दुनिया से अपना ध्यान हटाना चाहिए। हमें बाहरी प्रोग्रामिंग को बंद करने का निर्णय लेना चाहिए। जब वह प्रोग्रामिंग बंद अवस्था में होती है, तब मौन में हम खुद को आत्मा के रूप में अनुभव करेंगे। यही वह कदम है जिसे हम आत्म-ज्ञान कहते हैं।

जैसे ही हम आत्मा के साथ पहचान करेंगे तो हम उन आवृत्तियों को पकड़ पाएंगे जो आत्मा को प्राप्त करने में सक्षम हैं। हम एक क्रमिक बदलाव कर सकते हैं जिसमें हम एक क्षेत्र की चेतना से आध्यात्मिक क्षेत्र की चेतना तक जाते हैं।

इस प्रक्रिया में हम शारीरिक रूप से कहीं नहीं जा रहे हैं। हम केवल अपना ध्यान चेतना की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में स्थानांतरित कर रहे हैं। चेतना की दूसरी स्थिति समय या स्थान में मौजूद नहीं है। वे समवर्ती रूप से काम कर रहे हैं। हम एक ही समय में एक साथ अन्य स्थानों पर और ईश्वर में होते हैं, लेकिन हमें इसके बारे में पता नहीं है क्योंकि हमारा ध्यान केवल एक क्षेत्र यानी भौतिक जगत पर केंद्रित है।

इसलिए, पहले चरण के लिए, अगर हम सही ढंग से ध्यान करेंगे तो हम खुद को आत्मा के रूप में अनुभव करेंगे। जैसे ही हम आत्मा के साथ पहचान करते हैं, हम आंतरिक प्रकाश और ध्वनि से भी अवगत होंगे जो हमारे भीतर ईश्वर की चमक और आवेग ध्वनि है। यदि हम प्रकाश और ध्वनि में अपने आप को लीन कर लेते हैं, तो हम दूसरे चरण को प्राप्त कर सकते हैं। हम अपना ध्यान लाइट एंड साउंड में स्थानांतरित कर सकते हैं, जो हमारी आत्मा को आवेग के उच्च स्तरों पर ले जाता है।

यह केवल चुनने की बात है कि हम अपना ध्यान कहाँ लगाना चाहते हैं। यह आध्यात्मिकता की सरलता है। भगवान ने चीजों को जटिल नहीं बनाया। यह सरल है, हमें केवल दुनिया से अपने ध्यान के फूल को भगवान के बगीचे में प्रत्यारोपित करना है।

-लेखक एक आध्यात्मिक नेता है

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

अपने मन की करना सबसे अच्छा

हम अपनी बुद्धिमत्ता के छोर पर हैं क्योंकि महामारी का कोई अंत दिखता नजर नहीं आता है। सामान्य स्थिति में वापसी, एक तीखी गर्म दोपहरी में राजमार्गों पर मृगतृष्णा के रूप में परिवर्तित गोल पोस्ट सी प्रतीत होती है। समाज मानवीय सोच पर हावी होतीं सभी तरह की नकारात्मक भावनाओं को देख रहा है। अवसाद बढ़ रहा है। आक्रामकता बढ़ रही है। भय और चिंता बढ़ रही है। मानवीय प्रतिक्रिया पूर्णतया असहाय की स्थिति में है। नौकरी जाने से, करियर ख़तरे में पड़ गया और व्यापार खत्म हो गया, सकारात्मक सोच की बातें खोखली दिखाई देने लगीं। बल्कि कुछ लोगों की नौटंकी सी लगती है जिनके पास किले पर राज करने की समर्थन प्रणाली है। लेकिन क्या इसके बारे में कुछ किया जा सकता है। नहीं, कोरोना के बारे में नहीं। यह खुद अपनी यात्रा तय करेगी और उम्मीद है कि इसने अपनी अधिकांश यात्रा को पूरा कर किया है। संकट के समय में, निराशा कई रूप ले सकती है, सर्वाधिक अपेक्षित आचरणों से लेकर अजीब प्रतिक्रियाओं तक। हालाँकि, इस सब का स्रोत कोरोना नहीं है। कोरोना वायरस ऐसा ही है।

समस्या यह है कि हम किस तरह कोरोना और उसके परिणामों को समझते हैं। यह कथित दुनिया है जो कि एक वास्तविक दुनिया है और समस्या यह है कि हम कोरोना को कैसे समझते हैं। तो धारणा से उलझना इसका जवाब है। लेकिन इस धारणा का स्रोत मन है जो सभी प्रकार के चेतावनी संकेत और चिंताजनक क्षण प्रस्तुत कर रहा है। हम भारतीय दर्शन में वर्णित भ्रम या भ्रम की परिभाषा से संकेत ग्रहण कर सकते हैं। यानी चर्चित रस्सी और सांप का भ्रम। यदि आप एक सांप को देखते हैं और विश्वास करते हैं कि यह रस्सी है तो आपकी प्रतिक्रिया रस्सी के मुताबिक होगी। दूसरी ओर यदि आप रस्सी देखते हैं और विश्वास करते हैं कि यह एक साँप है तो आप वैसा ही व्यवहार करेंगे जैसा आप साँप को देख कर करते हैं। निष्कर्ष निकालें तो कोरोना की धारणा वैसी ही धारणा है। कुछ लोगों के लिए यह साँप की तरह होती है इसलिए वे अधिक चिंतित होते हैं और कुछ के लिए यह एक रस्सी है, यानी कि इससे बिल्कुल परेशान नहीं होना चाहिए। ये दोनों स्थितियाँ त्रुटिपूर्ण हैं और सत्य कहीं न कहीं इनके बीच में है। इसका समाधान मन के प्रबंधन में निहित है। लेकिन मन का प्रबंधन करना कहने में आसान है मगर करने में बहुत कठिन है। यह विज्ञान और कला दोनों है। वास्तव में यह एक अभ्यास है और इसे करने के लिए भारी प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। पहले इसके विज्ञान को समझना जरूरी है। हमें यह महसूस करना चाहिए कि मन रोज हजारों विचार उत्पन्न करता है, वो भी सुखद के बजाय ज्यादातर संकटपूर्ण। इसे नियंत्रित करना ही इसका उपाय है।

एक सर्वाधिक लोकप्रिय मुहावरा बहुत सरलता से मन को नियंत्रित करने का तरीका समझाता है। खाली दिमाग शैतान की कार्यशाला है। इसलिए इसका उपाय है मन को रचनात्मक कार्य में लगाना। जो कला की मांग करता है। इसे विकसित करना होगा। प्रयोग द्वारा , प्रशिक्षण द्वारा। इसीलिए अभ्यास महत्वपूर्ण है। शांति या आंदोलन का अनुभव मन पर निर्भर करता है। मन को प्रशिक्षित करने के लिए विचार प्रक्रिया को नयी दिशा देने की आवश्यकता है। सबसे बड़ी समस्या हमारी इस धारणा में है कि हम जीवन के एक तयशुदा तरीके के हकदार हैं। यह एक पूर्व निर्धारित स्थिति है क्योंकि हमने कई चीजों को हल्के से लिया है। यहां तक कि मामूली सा व्यवधान भी हमें अनियंत्रित कर देता है। इस रूप में कोरोना एक

बड़ा व्यवधान बन गया है। स्वाभाविक रूप से हम पूर्णतया संतुलन से बहुत दूर हैं। मन को भरोसा देने की आवश्यकता है। हमारी पिछली पीढ़ियां और भी कठिन समय से गुजरी हैं, और दुनिया खत्म नहीं हुई। इस बार भी यह नहीं होगी, बस दिमाग को समझाते रहें कि वह चीजों को आगे बढ़ने की प्रक्रिया में अपनाता रहे और कठिनाई से निपटने के तरीकों के बारे में सोचता रहे। यह काम करता है।

पेज 1 का शेष

आस्था का महासागर शक्तिपीठ

51 शक्तिपीठों में से प्रत्येक शक्तिपीठ में, शिव भैरव के रूप में तपस्या करते हैं। प्रत्येक भैरव की अपनी विशिष्ट प्रतिमा व संकेतक हैं। भैरव के पंथ और भैरवों के विभिन्न रूपों को समझने के लिए, भैरवों की उत्पत्ति, संकेतक, अभिव्यक्तियों, अभ्यावेदनों और अभिव्यक्तियों को समझना महत्वपूर्ण है।

भैरव शिव का उग्र रूप है, जिनके स्वयं कई रूप हैं। यहां तक कि वह बौद्ध और जैन प्रतीकों में भी मौजूद हैं। वज्रयान बौद्ध धर्म में, उन्हें बोधिसत्व मजुश्री, हेरुका, वज्रभैरव और यमंतक के रूप में जाना जाता है।

भैरव को शिव के भटकने वाले रूप के रूप में भी जाना जाता है, जो भयावह रूप है, जो सर्वनाश करने वाला है। महाकाल भैरव के रूप में, वे समय के रक्षक हैं। दंडपाणि के रूप में, वह पापियों को दंड देने के लिए एक डंडा या छड़ी रखता है। और स्वस्वास के रूप में, वही है जिसकी सवारी या वाहन एक कुत्ता है।

कामाख्या मंदिर

भैरव तांत्रिक के दायरे में आता है और अपनी पत्नी भैरवी के साथ होते हैं। इसमें उनकी आधी रात को प्रार्थना की जाती है, इस दौरान, भैरव दंपत्ति अपने वफादार भक्तों को दर्शन देते हैं। ऐसा माना जाता है कि 64 भैरव हैं, जिन्हें आठ श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिन्हें अष्टभैरव के रूप में जाना जाता है, जो आठ दिशाओं के संरक्षक हैं। वे अष्टांग भैरव, रुरु भैरव, चंदा भैरव, क्रोध भैरव, उन्मत्त भैरव, कपाल भैरव, भीषण भैरव और संहार भैरव हैं।

महा कालभैरव या कालभैरव द्वारा भैरवों का शासन व नियंत्रण किया जाता है, जो शैव तांत्रिक ग्रंथों के अनुसार दुनिया का परम शासक भी हैं। त्रिक प्रणाली में, पराक्रम के रूप में भैरव भी परम वास्तविकता है।

हिंदू धर्म के दो सबसे लोकप्रिय देवता गणेश और हनुमान के साथ, देवी माँ या स्वयं घरेलू माँ के रूप में हर घर में मौजूद हैं। मैं देवी उपनिषद के एक श्लोक के साथ बात का समापन करना चाहूंगा जिसमें शिव और शक्ति के रूप में पुरूष और स्त्री के पूरक को व्यक्त किया गया है, जो कि सांख्य दर्शन का आधार भी है :

'यह केवल तभी है जब शिव आप के साथ जुड़ जाते हैं, हे शक्ति, कि वह सर्वशक्तिमान भगवान बन जाते हैं। स्वयं अपने हाल पर रहने पर, उनमें अपनी छोटी उंगली उठाने के लिए भी ताकत का अभाव है।'

-अलका पांडे की रूपा पब्लिकेशन से प्रकाशित पुस्तक शक्ति: 51 सेक्रेड पीठ्स आफ द गोडेस से अनुमति प्राप्त पुस्तकांश का प्रकाशन

छोटी- छोटी गलतियां में छिपा है सफलता का राज

महेन्द्र पाल

दोस्तों, कहते हैं कि जो काम करता है, गलतियां भी वही करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन का तो यह कहना है कि जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कोई काम भी नहीं किया होगा। क्या लगता है आपको इस बात में कितनी सच्चाई है? आइए, जरा खंगालते हैं कि जीवन में कामयाबी के संदर्भ में इस बात पर विचार करना क्यों प्रासंगिक है?

वैसे, इन दोनों सवालों के जवाब तलाशने से पहले हमें इस सच्चाई पर भी नजर डालनी होगी कि इंसान का कोई भी काम प्रत्येक व्यक्ति के मनमाफिक नहीं होता। यह निश्चित तौर पर किसी को रास आता है, तो किसी को नहीं। कोई इसे अच्छा समझता है, तो कोई इसे बुरा कहकर नकार देता है। कोई उस काम को ऐतिहासिक आवश्यकता के तौर पर स्वीकारता है, तो कोई उसे ऐतिहासिक अनर्थ कहकर खारिज करता है। कोई इसे बेहतर मानेगा तो कोई बदतर करार देगा। यानी हर काम के समर्थक भी हैं, और विरोधी भी। ऐसे में कोई कह सकता है कि फिर तो, जो चाहो करो, किसी की परवाह न करो। यानी - भाड़ में जाए दुनिया हम बजाएं हरमुनिया।

अब, जबकि यह निश्चित हो गया कि हमारे प्रत्येक काम के समर्थक भी होंगे और विरोधी भी, तो किसी काम के गलत होने का भय तो समाप्त हो जाता है, लेकिन क्या इतना काफी है किसी व्यक्ति के लिए कि उसमें किसी काम के गलत होने का भय जाता रहे? क्या इससे उसे यह गलतफहमी नहीं हो सकती, कि बस उसे कुछ करना चाहिए? लेकिन क्या करना है? क्या इस पर अब ज्यादा विचार करने की जरूरत नहीं बनती?

जीहां, मेरे खयाल से इस पर विचार करने की तब और भी ज्यादा आवश्यकता हो जाती है, जिससे कि इंसान अपने काम को अपने देशकाल, अपने समाज, अपने हालात में रखकर विचार कर सके, वो अपने काम की दूरगामी अहमियत देख पाए। क्योंकि किसी काम की अहमियत ही, चाहे वो व्यक्ति केन्द्रित हो या समाज केन्द्रित, व्यक्ति को वो काम करने की प्रेरणा देती है। उसमें

अब, जबकि यह निश्चित हो गया कि हमारे प्रत्येक काम के समर्थक भी होंगे और विरोधी भी, तो किसी काम के गलत होने का भय तो समाप्त हो जाता है, लेकिन क्या इतना काफी है किसी व्यक्ति के लिए कि उसमें किसी काम के गलत होने का भय जाता रहे? क्या इससे उसे यह गलतफहमी नहीं हो सकती, कि बस उसे कुछ करना चाहिए? लेकिन क्या करना है? क्या इस पर अब ज्यादा विचार करने की जरूरत नहीं बनती?

आत्मविश्वास जगाती है, उसे उस काम की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करती है, उसे कठिनाइयों से जूझने का हौंसला देती है।

यह हकीकत है कि आसानियों से जीवन में आगे बढ़ने का हौंसला नहीं मिलता। बल्कि ये कहीं न कहीं इंसान को लापरवाह, सुस्त और निकम्मा बना सकती हैं। ये उसे यथास्थिति का शिकार बनाती हैं, यहां तक कि कभी कभी तो उदासीनता की हद तक पहुंचा देती हैं। जबकि इसके विपरीत, चुनौतियों ने अक्सर उसे उठ खड़े होने की प्रेरणा दी है। इंसानियत का इतिहास देखें तो वैसे भी इसकी प्रगति का पहिया कभी भी आसानियों के पथ पर नहीं बढ़ा। यह तो अपनी शुरुआत से असंभव व अजूबी चुनौतियों की राह पर चलता आया है। यह कहें कि यह असंभव को संभव बनाने की जद्दोजहद भरी, कभी जीतती तो कभी हारती, मगर कभी हार न मानती हुई जिद से भरी महागाथा रही है। लेकिन चाहे वो आसानियां रही हों या कठिनाइयां, उनके सही और गलत होने का सवाल हमेशा मौजूद रहा है। यहां तक कि जो किसी समय गलत था बाद के समय या किसी और समय व हालात में वही एक स्वीकार्य मूल्य बन गया। और जो किसी समय सही समझा जाता है, उसे गलत, अनुचित माना गया।

इसलिए यह तो अनिवार्य है कि जीवन में कामयाबी पाने के लिए इंसान को श्रमसाधक बनना होगा, लेकिन उसे अपने श्रम के प्रति अधिक तार्किक व विवेकशील भी बनना होगा। साथ ही उसे अपने लक्ष्य का चुनाव करते समय अपनी खूबियों व खामियों के मद्देनजर तटस्थतापूर्वक विचार करना आवश्यक होगा। ताकि वह अपने काम की प्रासंगिकता, औचित्य व उपयोगिता को अपने परिवेश, अपने हालात अपने समय के अनुसार जांच परख सकें। ताकि उसे अपने काम और स्वयं के सही होने का आत्मविश्वास हासिल हो जिससे कि वह पूरी कर्मठता के साथ अपने लक्ष्य

की ओर अग्रसर हो सके। क्योंकि आधे मन से किसी काम में सफलता हासिल नहीं होती। और जब इंसान का स्वयं पर, अपने चुनाव पर गहन विश्वास होता है तो फिर असंभव लक्ष्य भी संभव होना बस समय का खेल होता है।

मैं कुछ विशेष प्रकार की भूमिकाओं के लिए खुद को सीमित नहीं करना चाहती। मैं एक अभिनेत्री के रूप में लालची हूं और कोई भी भूमिका जो मुझे उत्साहित करती है या मुझे चुनौती देती है, मैं इसे करने जा रही हूं।
- शेफाली शाह

सामान्य व्यक्ति की कहानी है नया शो 'वागले की दुनिया'

जाने-माने कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण की बहू उषा लक्ष्मण से उनके शो 'वागले की दुनिया' की सदाबहार लोकप्रियता के बारे में बात कर रही हैं पायनियर संवाददाता आयुषी शर्मा से।

भारतीय टेलिविज़न के इतिहास में कई ऐसे धारावाहिक हुए हैं जिन्होंने दर्शकों का वर्षों मनोरंजन किया है। लेकिन ऐसे धारावाहिक कम ही देखने में आए हैं जिन्हें देखने के वर्षों बाद भी दर्शक उन्हें याद करें। ऐसा ही एक धारावाहिक था 'वागले की दुनिया, जिसे रचा था प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट आर के लक्ष्मण ने। इसकी सामाजिक जुड़ाव रखती कहानी और ध्यान से गढ़े गए चरित्रों, जिनमें एक सामान्य व्यक्ति के जीवन के घटनाक्रम को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। आर के लक्ष्मण की इस रचना को तब एक नया जीवन मिलता दिखा जब उनके लिखे शो 'वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए के रूपांतरण को हाल ही में सोनी सब टीवी पर प्रस्तुत किया गया। हम आर के लक्ष्मण की बहू उषा लक्ष्मण से बात करके लक्ष्मण साहेब की रची दुनिया, उनके लेखन में सामान्य व्यक्ति के जीवन के विभिन्न रंग कैसे प्रतिबिंबित होते हैं और आज भी ये शो इतना सफल कैसे है, आदि के बारे में जानने का प्रयास किया। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

❐ **हाल ही में एक साक्षात्कार में आपने उल्लेख किया है कि नई सीरीज़ पुराने शो की अवधारणा पर ही आधारित है लेकिन उसके आधार अलग हैं। इन दोनों में आपके अनुसार क्या अंतर दिखाई देता है?**

इसकी कहानी आधुनिक काल के अनुरूप लिखी गई है जिसमें आपको वागले परिवार की अगली पीढ़ी दिखाई देगी। ये रोचक और वास्तविकता से जुड़ी है जिसमें एक पारिवारिक व्यक्ति राजेश वागले, जो अपने तथा परिवार के लिए एक अच्छे जीवन की तलाश में रहता है, लेकिन वो जोखिम लेने और समय के साथ कदमताल करने से डरता है। इस शो में भी मध्यम वर्गीय परिवारों के सशक्त संस्कार, उनके दिनचर्या तथा उनकी समस्याओं को भी रेखांकित करने का प्रयास किया गया है। लेकिन पीढ़ी के बदलने के साथ ही उनकी समस्याओं में भी बदलाव आया है। आज के मध्यमवर्गीय परिवारों ने प्रगति की है और समय के साथ बदलना भी सीखा है। लेकिन आज उनके सामने कुछ ऐसी बातें निकलकर आती हैं जिनपर पिछले समय की तुलना में असमंजस सा होने लगता है। यही कारण है कि आतिश कपाड़िया ने पुराने धारावाहिक को देखकर उनमें दिखाई गई परिस्थितियों में आज के अनुसार अनुकूलता लाने का प्रयास किया है। ये सही है कि मौलिकता के तेज की तुलना नहीं की जा सकती। आप बाद में कुछ भी करें तो उसे रूपांतरण ही कहा जाता है। ऐसे में यदि आप इसे रूपांतरित संस्करण के तौर पर लेते हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि आतिश ने अद्भुत काम किया है। इसके दो कारण हैं-कि उन्होंने जीवन की संकल्पना को जीवंत बनाए रखा है जैसा कि मेरे श्वसुर आर के लक्ष्मण जी अपने मौलिक शो में किया करते थे। दूसरी बात ये है कि इसमें आतिश ने नैतिक मूल्य और भावनात्मक जुड़ाव जैसे पहलुओं को जोड़ा है।

❐ **मौलिक कहानी की रचना किस प्रकार से संभव हुई?**

वरिष्ठ अभिनेत्री दुर्गा खोटे की बहू टीना खोटे ने श्वसुर जी से मिलकर उन्हें उनके कार्टूनों को टीवी पर लाने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि क्यों न हम इसे एक अलग दृष्टिकोण से देखें। वो इससे सहमत हो गए लेकिन समाचारपत्रों में उनका कार्टून बोलता नहीं था। वो सामान्य व्यक्ति के बारे में अपने मस्तिष्क

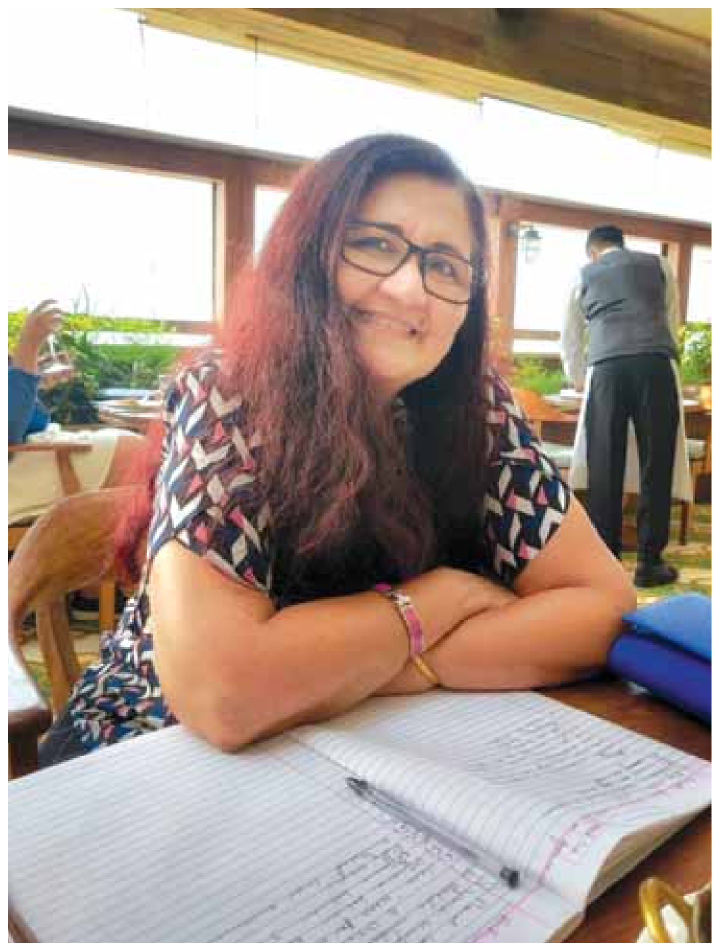

में अंकित छवि के अनुरूप ही कुछ देखना चाहते थे। वो चाहते थे कि हर परिस्थिति में हास्य को बनाए रखा जाए। इसके बाद उन्होंने एक चरित्र को गढ़ा जो आम आदमी के जीवन की हर परिस्थिति को प्रस्तुत करने में सहायक हो सके।

❐ **आप ऐसा क्यों सोचती हैं कि 'वागले की दुनिया, क्यों इतनी प्रतिष्ठित शो बन गया?**

इस शो मे प्रमुखतः मध्यमवर्गीय परिवारों की आकांक्षाओं को ही प्राथमिकता दी गई है। आर के लक्ष्मण ने कॉमन मैन, के अपने चरित्र को उसके कटाक्षों के माध्यम से अमर बना दिया है। जिन्हें देखकर लाखों लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी। उसकी बुद्धिमत्ता और हास्य के कारण उस समय के लोगों को अपना

अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। लोगों में आज भी उनके लेखन के प्रति करुणा भावना है। इसका कारण संभवतः ये है कि वो सबकुछ एक सामान्य जन की दृष्टि से देखा करते थे। और लोग उसे उसके द्वारा चित्रित किये गए आम आदमी के माध्यम से देखने का प्रयास करते थे। यही कारण है कि आज भी मैं जिस किसी के पास गई और बात की, फिर चाहे वो व्यक्ति सामाजिक और पेशेवर स्तर पर कितना भी ऊंचा या नीचे हो, वो यही कहता था, 'वो वास्तव में एक युगपुरुष थे। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि वो अपनी रचनाओं में भी आम आदमी का ही प्रतिनिधित्व किया करते थे। वो अपनी ऐसी छवि बनाकर गए हैं।

उनकी रचनाएं आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने विश्व भर के हर विषय पर बात की है फिर चाहे बात राजनीति, विज्ञान, सामाजिक या कोई और विषय पर ही क्यों न हो। आज जब हम इस भयानक महामारी का सामना कर रहे हैं, उनके कार्टून आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। सामान्य रूप से भी उनके कई कार्टून वायरस पर भी आधारित थे जो उस समय के घटनाक्रम और आज हम जिस परिस्थिति का सामना कररहे हैं, के काफी निकट के थे। अतः मैं कह सकती हूं कि उनका प्रतिनिधित्व चिरस्थायी था।

वो सदैव कहा करते थे कि वो अपने काम में जिस गरिमा, उत्कृष्टता और संपूर्णता को महत्व देते हैं 'वागले की दुनिया' मे भी प्रतिबिंबित होते देखना चाहते थे। मेरा मानना है कि उनके शो की सफलता का यही कारण भी रहा है कि उन्होंने हास्य पैदा करने के लिए वास्तविकता और गूढता का एक आदर्श संतुलन बनाए रखा। वो बताया करते थे कि हास्य का पुट देने के लिए गूढ़ता के माध्यम से उसे वास्तविक बनाए रखना होता है, ये बिलकुल वैसा है जैसाकि हम अपने जीवन मे हर दिन सामना भी करते हैं।

❐ **आर के लक्ष्मण वर्तमान पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहते हैं?**

वर्तमान पीढ़ी के मनोरंजन के अपने साधन हैं जिनके माध्यम से वो अपनी मनचाही सामग्री को कहीं भी और कभी भी देख सकते हैं। मैं ये मानती हूं कि उनके शो की संकल्पना नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन सकती हैं। वे परिवार और उसके महत्व के बारे में और हास्य की सूक्ष्मता तथा जीवन की अवधारणा आदि के बारे में निश्चित और गहरी समझ विकसित कर सकते हैं।

यदि आज डैड जीवित होते तो ये तय था कि वो नई पीढ़ी को कोई निश्चित संदेश जैसा कुछ देते। वो ऐसे व्यक्ति थे जो परिस्थितिगत बहाव के साथ बहना चाहते और जानते थे। यदि आप 40 के दशक से लेकर आज तक के उनके कार्टूनों को देखें तो आप पाएंगे कि वे समय और परिस्थिति के अनुसार निरंतर परिवर्तित होते रहते थे। वो मेरी पुत्री से सदैव कहा करते थे कि वो अपने सपनों को निश्चित पूरा करे और खूब पढ़ा करे। वो इस बारे में बहुत ही निश्चित थे क्योंकि उनके अनुसार केवल अध्ययन से ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। इससे आप किसी भी परिस्थिति को समझ सकते हैं और दूसरे के परिप्रेक्ष्य से भी देखने की शक्ति भी विकसित होती है। यदि आज मुझे वर्तमान पीढ़ी को उनकी ओर से कुछ कहना हो तो वो जो कहते संभवतः कुछ इस प्रकार होता, 'आप सभी अधिक से अधिक पढ़े और ज्ञान प्राप्त करें क्योंकि इसी खजाने के बल पर ही आप आत्मनिर्भर बन सकते हैं और किसी भी परिस्थिति को परिपक्व तथा संतुलन बनाए रखते हुए नियंत्रित कर सकते हैं।

जेनिफर लोपेज ने बेसबाल खिलाड़ी रोड्रिग्यूज से अपनी सगाई तोड़ी

लास एंजिलिस। अभिनेत्री और गायिका जेनिफर लोपेज और बेसबाल स्टार अलेक्स रोड्रिग्यूज ने दो साल साथ रहने के बाद कथित तौर पर सगाई तोड़ दी है। उनके अलग होने की खबर सबसे पहले पेज सिक्स ने दी और खुलासा किया कि दोनों अब साथ नहीं रह रहे हैं। रोड्रिग्यूज के एक नजदीकी सूत्र ने कहा, वह अभी मियामी में हैं और बेसबाल सीजन की तैयारी कर रहे हैं और (लोपेज) डोमिनिकन रिपब्लिक में अपनी फिल्म पर काम कर रही हैं। लोपेज और रोड्रिग्यूज को कोविड-19 के कारण दो बार अपनी शादी स्थगित करनी पड़ी थी। इन दोनों ने दो साल तक डेटिंग करने के बाद मार्च 2019 में सगाई की थी।

देव पटेल की आने वाली फिल्म मंकी मैन में नजर आएंगे सिकंदर खेर

मुंबई। ब्रिटिश भारतीय अभिनेता देव पटेल के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म मंकी मैन से अभिनेता सिकंदर खेर विश्व सिनेमा में पदार्पण करेंगे। खेर ने 2008 में बनी हंसल मेहता की वुडस्टॉक विला से फिल्मों में अभिनय की शुरुआत की थी और इसके बाद वह खेलें हम जी जान से , प्लेयर्स , औरंगजेब समेत कई फिल्मों में नजर आए। खेर (39) ने मंकी मैन में काम करने की जानकारी इंस्टाग्राम पर साझा की।

उन्होंने लिखा, मैं चार महीने तक इंडोनेशिया में यही कर रहा था। हैशटैग मंकी मैन। इसके साथ ही उन्होंने पटेल के साथ तस्वीर भी साझा की। फिल्म में आधुनिक भारत के साथ मिथकों की झलक भी देखने को मिलेगी। पटेल ने पॉल अंगुनावेला और जॉन कोली के साथ मिलकर फिल्म की पटकथा लिखी है।

राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई 13 मई को रिलीज होगी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने शनिवार को घोषणा की है कि उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई 13 मई को सिनेमा घरों में आएगी। खान ने जनवरी में कहा था कि फिल्म इस वर्ष ईद के दौरान सिनेमा घरों में प्रदर्शित की जाएगी, लेकिन रिलीज की तारीख नहीं बताई थी। 55 वर्षीय अभिनेता ने कहा, ईद का कमिटमेंट था, ईद पर ही आएंगे क्योंकि एक बार मैंने जो...। सलमान खान, प्रभुदेवा के निर्देशन में बनी फिल्म को जी स्टूडियो के साथ मिलकर पेश कर रहे हैं। पहले यह फिल्म पिछले वर्ष 22 मई को सिनेमा घरों में प्रदर्शित होने वाली थी लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसमें विलंब हो गया। जी स्टूडियो के सीईओ शारिक पटेल ने कहा कि खान के साथ भागीदारी कर वे

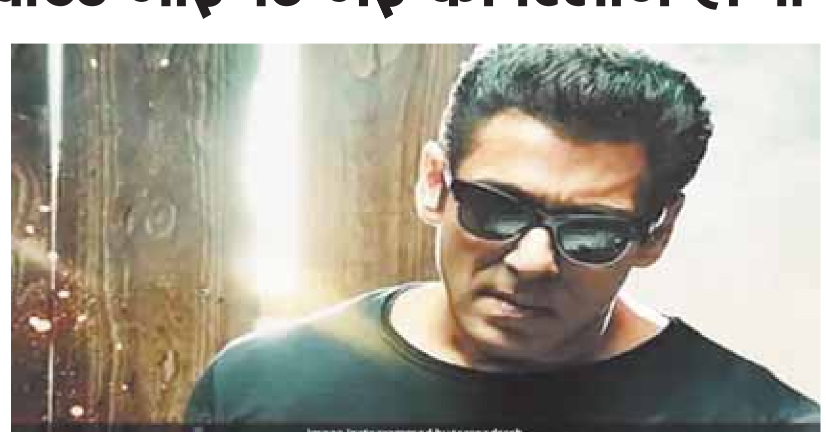

रोमांचित हैं क्योंकि सुपरस्टार की फिल्मों से उत्सव जैसा माहौल बन जाता है।

आशीष विद्यार्थी कोरोना वायरस से संक्रमित

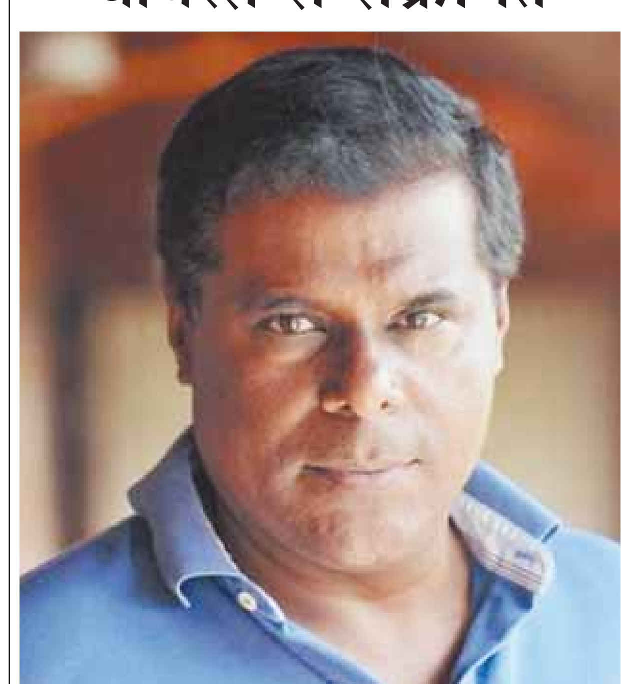

नई दिल्ली। अभिनेता आशीष विद्यार्थी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। वह फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। द्रोहकाल , 1942 : ए लव स्टोरी और इस रात की सुबह नहीं जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके 58 वर्षीय अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अपने संक्रमित होने की सूचना दी। सोशल मीडिया पर डाले गए एक संक्षिप्त वीडियो में उन्होंने कहा, कल मुझे हल्का बुखार सा लग रहा था इसलिए मैंने कोविड-19 की जांच कराई। रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं यहां दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। सब सही है। मैं ठीक हूं। विद्यार्थी ने कहा कि उनमें कोई लक्षण नहीं हैं। लेकिन उन्होंने अपने संपर्क में आए सभी लोगों से कोविड-19 की जांच कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने लिखा है, असल जिंदगी में स्वागत है। अपना ख्याल रखें। धन्यवाद। दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 431 नए मामले आए जो पिछले दो महीने में, एक दिन में सबसे ज्यादा हैं। शहर में अभी तक कुल 10,936 लोगों की मौत संक्रमण से हुई है।

अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए लड़ूंगा : दिद्दा के लेखक ने कहा

भाषा। मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने जिस लेखक की शिकायत पर अभिनेत्री कंगना रनौत के विरुद्ध मामला दर्ज करने का आदेश दिया था, उन्होंने कहा है कि वह अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों के हनन के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

दिद्दा: द वारियर क्वीन ऑफ कश्मीर के लेखक आशीष कौल ने रनौत पर कॉपीराइट उल्लंघन का आरोप लगाया था जिसके बाद अदालत ने पुलिस को रनौत के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने का आदेश दिया था।

कौल ने कहा, मैंने सफेदपोश अपराध और अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों के खुल्लम-खुल्ला तथा बेशर्मी से किए गए उल्लंघन के विरुद्ध नई यात्रा की शुरुआत की है।

_दिद्दा: द वारियर क्वीन ऑफ कश्मीर_ के लेखक आशीष कौल ने रनौत पर कॉपीराइट उल्लंघन का आरोप लगाया था जिसके बाद अदालत ने पुलिस को रनौत के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने का आदेश दिया था।

उन्होंने कहा, विभिन्न पुलिस स्टेशनों का चक्कर काटने के बाद, मैं बांद्रा के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के पास गया और कंगना रनौत तथा अन्य द्वारा किए गए कॉपीराइट उल्लंघन के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए मुंबई पुलिस को निर्देश देने के वास्ते गुहार लगाई। यह आपराधिक धोखाधड़ी का मामला है।

कौल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि वह एक पखवाड़े तक परेशान रहे जिसके बाद उन्होंने अदालत जाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पैसे वाले तथा ताकतवर लोग कानून तोड़कर कंटेंट निर्माण करने वालों के अधिकारों का हनन करते हैं। कौल ने कहा, यह प्रत्एक कंटेंट क्रिएटर की लड़ाई है जो इस शहर में प्रतिभा, माथे पर पसीने और आत्मनिर्भरता के विश्वास के साथ आता है। एक आम आदमी जो महंगे वकीलों का खर्च नहीं उठा सकता और पुलिस स्टेशन जाने से डरता है उसे सफेदपोश डकैतों के विरुद्ध न्याय मिलेगा या नहीं, यह इस लड़ाई के नतीजे से साबित होगा।

कौल ने कहा कि उन्होंने रनौत को अपनी किताब की कहानी के बारे में एक ई-मेल भेजा था और उन्होंने अपनी फिल्म की घोषणा करते समय बिना अनुमति लिए कहानी के कुछ अंश का ट्वीट में इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, क्या यह विश्वास करने लायक है कि एक प्रसिद्ध अभिनेत्री से सामाजिक कार्यकर्ता बनी महिला एक कहानी और किताब की सामग्री को चुरा लेगी?